- निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को पार न करें : सुप्रीम कोर्ट
- 12

- भारत का निर्यात 11.8 प्रतिशत घटकर 34.38 अरब डॉलर पर
- 12

- रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अब लगाएंगे कड़ी पाबंदियां
- 13

- कोलकाता टेस्ट में मिली हार के बाद भारतीय टीम पर उठे सवाल
- 14

आज का मौसम

26.0⁰ अधिकतम तापमान

14.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.30

सूर्यास्त 05.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 07:12उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 18 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 88, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

आतंकी उमर को रॉकेट बनाने में मदद करने का साजिशकर्ता श्रीनगर से गिरफ्तार

आत्मघाती हमलावर का सक्रिय सहयोगी था जसीर बिलाल वानी, एनआईए ने कहा- हमलों के लिए तकनीकी रूप उमर की कर रहा था मदद

- विस्फोट में इस्तेमाल कार का मालिक आमिर 10 दिन के लिए एनआईए हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी

एनआईए ने राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक हुए विस्फोट की साजिश में शामिल एक और आरोपी जसीर बिलाल वानी को श्रीनगर से गिरफ्तार किया है।

एनआईए के मुताबिक वानी दिल्ली विस्फोट से पहले आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी की ड्रोन में संशोधन और रॉकेट बनाने के लिए तकनीकी मदद करता रहा था।

नई दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में आरोपी को ले जाती एनआईए टीम।

दो और घायलों की मौत 15 हुई मृतक संख्या

नई दिल्ली। दिल्ली विस्फोट में दो और घायलों की एलएनजेपी अस्पताल में मौत के बाद इस मामले में मृतकों की संख्या सोमवार को बढ़कर 15 हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक मृतकों की पहचान लुकमान (50) और विनय पाठक (50) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि कई और लोगों का अब भी इलाज जारी है।

इस बीच दिल्ली की एक अदालत ने पिछले दिनों गिरफ्तार किए गए दक्षिणी कश्मीर के पंपोर निवासी दिल्ली विस्फोट के आरोपी लाल किला विस्फोट के आरोपी आमिर राशिद अली को दिल्ली की एक अदालत ने 10 दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए के मुताबिक सोमवार को श्रीनगर से गिरफ्तार किया गया जसीर बिलाल वानी ने दिल्ली विस्फोट मामले में 'सह साजिशकर्ता'की भूमिका निभाई थी और विस्फोट को अंजाम देने के लिए आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी के साथ सक्रिय रूप से काम किया था। एनआईए के मुताबिक अनंतनाग जिले के काजीगुंड निवासी वानी को दानिश के नाम से भी जाना जाता है। इस बीच, दिल्ली विस्फोट मामले में पहले गिरफ्तार किए गए आमिर राशिद अली को सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस अदालत परिसर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना की अदालत में पेश किया गया। कोर्ट की कार्यवाही बंद कमरे में हुई और मीडियाकर्मियों को अदालत परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया। अदालत ने आरोपी को पूछताछ के लिए 10 दिन के लिए उसकी हिरासत में देने के एनआईए के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। इस दौरान अदालत परिसर के बाहर दिल्ली पुलिस और आरएएफ की भारी तैनाती रही। दंगारोधी उपकरणों से लैस कर्मियों को भी तैनात किया गया। एनआईए जांच में खुलासा हुआ था कि विस्फोट के लिए इस्तेमाल की गई कार आमिर के नाम पंजीकृत थी।

अल-फलाह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति का छोटा भाई धोखाधड़ी में गिरफ्तार

इंदौर। दिल्ली विस्फोट के बाद जांच के घेरे में आए फरीदाबाद के अल-फलाह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जवाद अहमद सिद्दीकी के छोटे भाई हमूद अहमद सिद्दीकी को मध्यप्रदेश पुलिस ने निवेशकों से धोखाधड़ी के करीब 25 साल पुराने कुछ मामलों में गिरफ्तार किया है। हमूद की गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित था। इंदौर की पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) यांगचेन डोलकर भूटिया के मुताबिक महू पुलिस थाने में 25 साल पहले दर्ज तीन मामलों में हमूद को रविवार को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सिद्दीकी के खिलाफ धोखाधड़ी के ये मामले वर्ष 2000 में दर्ज किए गए थे। इनके अलावा उसके खिलाफ महू थाने में ही 1988 और 1989 के दौरान बलवे और हत्या के प्रयास के आरोपों में भी दो मामले दर्ज किए गए थे। भूटिया ने बताया कि हमूद फिलहाल हैदराबाद में शेयर बाजार में निवेश से जुड़ी एक निजी कंपनी चलाता है। वह मूलतः महू का रहने वाला है जहां वह 1995 के आसपास बतौर प्रबंध निदेशक एक निवेश कंपनी चलाते थे, इस कंपनी के बोर्ड में उसकी पत्नी और एक परिचित भी शामिल था। हमूद पर निवेश के नाम पर धोखाधड़ी कर करीब 40 लाख रुपये की धनराशि हड़पने के आरोप हैं।

ब्रीफ न्यूज

नए कलेवर वाली शोले फिल्म 12 दिसंबर को देशभर में होगी रिलीज

मुंबई। मशहूर हिंदी फिल्म शोले नए कलेवर में 'शोले-द फाइनल कट' नाम से 12 दिसंबर को पूरे भारत में सिनेमाघरों में फिर रिलीज होने वाली है। यह इस मशहूर फिल्म का पूर्णतः पुनर्स्थापित 'फोर के' संस्करण है। नये संस्करण में फिल्म का अंत बदल दिया गया है 'फोर के' को 'अल्ट्रा हाई डेफ़िनिशन' भी कहा जाता है जिसमें फिल्म ज्यादा स्पष्ट और विस्तृत छवि नजर आती है। धर्मेन्द्र, अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, जया बच्चन, संजीव कुमार और अमजद खान अभिनीत इस फिल्म ने इस वर्ष 15 अगस्त को अपनी स्वर्ण जयंती मनाई।

असम की मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण आज से

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने नागरिकता के संबंध में विशिष्ट प्रावधानों वाले सीमावर्ती राज्य असम की मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) मंगलवार से कराने की घोषणा की है जिसमें आगामी पहली जनवरी तक मतदाता बनने की अर्हता वालों के नाम शामिल किये जा सकते हैं। असम में एसआर की घोषणा ऐसे समय की गई है जबकि बिहार में एसआईआर का काम सितंबर में पूरा किया गया था।

हसीना को मौत की सजा

बांग्लादेश की विशेष न्यायाधिकरण ने उनकी अनुपस्थिति में सुनाई सजा

- मानवता के विरुद्ध अपराध का आरोप छात्रों की हत्या का दोषी माना
- हसीना बोलीं- न्यायाधिकरण पूर्वाग्रह से ग्रसित एवं राजनीति से प्रेरित

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले वर्ष जुलाई में उनकी सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के दौरान किए गए मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए सोमवार को एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई। महीनों तक चले मुकदमे के बाद अपने फैसले में बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने 78 वर्षीय अवामी लीग की नेता को हिंसक, दमन का मास्टरमाइंड और सूत्रधार बताया, जिसमें सैकड़ों की मौत हो गई थी।

पिछले वर्ष 5 अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण बांग्लादेश से भागने के बाद से हसीना भारत में रह रही हैं। इससे पहले अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था। वहीं, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी मौत की सजा सुनाई है। अपनी प्रतिक्रिया में हसीना ने कहा कि यह फैसला एक गैरअधिकृत न्यायाधिकरण द्वारा दिया गया है, जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है।

उन्होंने कहा, वे पक्षपाती और राजनीति से प्रेरित हैं। मृत्युदंड की अपनी घृणित मांग में, वे अंतरिम सरकार के भीतर चरमपंथी लोगों के निर्लज्ज और जानलेवा इरादे को उजागर करते हैं, जो बांग्लादेश की अंतिम निर्वाचित प्रधानमंत्री को हटाना चाहते हैं और अवामी लीग को एक राजनीतिक ताकत के रूप में खत्म करना चाहते हैं। हसीना ने कहा कि वह उन पर आरोप लगाने वालों का सामना उचित न्यायाधिकरण में करने से नहीं डरतीं, जहां साक्ष्यों का निष्पक्ष मूल्यांकन और परीक्षण किया जा सकता है। उन्होंने कहा, इसीलिए मैंने अंतरिम सरकार को बार-बार चुनौती दी है कि वह इन आरोपों को हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के समक्ष लाए। यह फैसला बांग्लादेश में संसदीय चुनावों से कुछ महीने पहले आया है। वहीं, हसीना के सहयोगी, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई। पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) चौधरी अब्दुल्ला अल-मामुन, जो सरकारी गवाह बन गए थे, को भी इसी मामले में पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

बांग्लादेश के लोगों के हितों के लिए हम प्रतिबद्ध : भारत

नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटों बाद, भारत ने सोमवार को कहा कि उसने फैसले पर गौर किया है और वह पड़ोसी देश में शांति, लोकतंत्र और स्थिरता को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक रूप से बातचीत करेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत लोगों के सर्वोत्तम हितों के लिए प्रतिबद्ध है। अवामी लीग की नेता पिछले साल 5 अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण बांग्लादेश से भागने के बाद भारत में रह रही हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम इस दिशा में सभी हितधारकों के साथ सदैव रचनात्मक रूप से जुड़े रहेंगे।

हसीना को प्रत्यर्पित करने का बांग्लादेश ने किया आग्रह

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल को तुरंत प्रत्यर्पित करने का सोमवार को भारत से आग्रह किया। बांग्लादेश ने यह अनुरोध हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटे बाद किया। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा, हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इन दोनों दोषियों को तत्काल बांग्लादेशी अधिकारियों को सौंप दे। मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच मौजूदा द्विपक्षीय प्रत्यर्पण समझौता दोनों दोषियों के स्थानांतरण को नई दिल्ली की अनिवार्य जिम्मेदारी बनाता है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि मानवता के विरुद्ध अपराध के दोषियों को शरण देना एक ऐसा रवैया है जिसे मित्रतापूर्ण नहीं कहा जा सकता और यह न्याय के प्रति अनादर होगा।

मक्का से मदीना जा रहे 42 भारतीयों की मौत

- सऊदी अरब में हुआ हादसा, बस डीजल टैंकर से टकराकर जली
- सिर्फ ड्राइवर जिंदा बचा, पीएम मोदी ने दुख जताया

नई दिल्ली, एजेंसी

सऊदी अरब के मदीना में रविवार देर रात को हुई भीषण बस दुर्घटना में 42 भारतीय उमराह जायरीन मारे गए हैं। इनमें से अधिकतर तेलंगाना से थे। अधिकारियों ने बताया कि करीब 42 भारतीय बस में यात्रा कर रहे थे। बस देर रात करीब डेढ़ बजे (भारतीय समयानुसार) तेल के एक टैंकर से टकरा गई थी। बस मक्का से मदीना जा रही थी। जेद्दा स्थित भारतीय मिशन ने स्थिति का आकलन करने के लिए अधिकारियों को दुर्घटनास्थल पर भेजा है। अधिकारियों ने कहा, इस समय हम हताहतों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकते क्योंकि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। हादसे में सिर्फ ड्राइवर जिंदा बचा है।

हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने प्रारंभिक सूचना का हवाला देते हुए मृतक संख्या बताई और कहा कि 9 नवंबर को यहां से कुल 54 लोग उमराह के लिए जेद्दा गए थे। जेद्दा स्थित भारतीय मिशन ने बताया कि उसने सहायता समन्वय के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर दोनों ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

भारतीय दूतावास ने कहा- यहां के अधिकारियों के संपर्क में हैं

मदीना में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह और भारतीय दूतावास सऊदी हज एवं उमराह मंत्रालय तथा अन्य स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। वे संबंधित उमराह संचालकों के भी संपर्क में हैं। वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों और भारतीय समुदाय के स्वयंसेवकों की एक टीम विभिन्न अस्पतालों और अन्य स्थलों पर मौजूद है। रियाद स्थित दूतावास और जेद्दा स्थित वाणिज्य दूतावास पूरी सहायता प्रदान कर रहे हैं। दूतावास और वाणिज्य दूतावास के अधिकारी संबंधित परिवारों के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए तेलंगाना राज्य के संबंधित अधिकारियों के भी संपर्क में हैं।

भाजपा जनकल्याण को प्रतिबद्ध, इसीलिए जीतती है चुनाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- मोदी बोले- बिहार के नतीजों से साफ, अपनी आकांक्षाएं पूरा करने वाले दलों पर ही भरोसा करते हैं लोग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि बिहार चुनाव के नतीजों ने यह सबक सिखाया है कि सरकार से लोगों की आकांक्षाएं बहुत ज्यादा हैं और वे अच्छी नीयत वाले राजनीतिक दलों पर भरोसा करते हैं।

मोदी ने यहां छठा रामनाथ गोयनका व्याख्यान देते हुए कहा कि चाहे केंद्र सरकार हो या क्षेत्रीय दलों के नेतृत्व वाली राज्य सरकारें, उनका प्राथमिक ध्यान विकास पर होना चाहिए। भाजपा इसीलिए चुनाव जीतती है क्योंकि वह चौबीस घंटे लोगों के विकास और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी ने कहा, बिहार चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर भारत के लोगों की ऊंची आकांक्षाओं को लेकर एक सबक सिखाया है। भारत के लोग आज उन राजनीतिक दलों पर भरोसा करते हैं जिनकी नीयत अच्छी है और जो लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करते हैं एवं विकास को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा, मैं राज्य सरकारों को निवेश आकर्षित करके और विकास

को बढ़ावा देकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने के लिए दृढ़तापूर्वक प्रोत्साहित करता हूं। व्यापार को आसान बनाने के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन इस दिशा में एक बड़ा कदम हो सकता है।

मोदी ने कहा कि व्यक्ति को लोगों के कल्याण के लिए हमेशा भावनात्मक रूप से काम करना चाहिए, न कि चुनाव को ध्यान में रखकर। मोदी ने कहा कि दुनिया भारत के विकास मॉडल को उम्मीद के मॉडल के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा, वैश्विक अस्थिरताओं के बावजूद हमारा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लगभग सात प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। भारत न केवल एक उभरता हुआ बाजार है, बल्कि एक उभरता हुआ मॉडल भी है। मोदी ने कहा कि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए आतुर है, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद यह तेजी से विकास कर रहा है।

बिहार में नई सरकार का शपथ ग्रहण 20 को

पटना। बिहार में नयी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 20 नवंबर को पटना में होने की संभावना है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राजग के कई शीर्ष नेता और केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 19 नवंबर को निवर्तमान सरकार के प्रमुख के रूप में राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। भाजपा की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि नवनिर्वाचित विधायक मंगलवार को बैठक कर अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करेंगे।

दुधवा में एक साथ 3 बाघ देख झूमे सैलानी

लखीमपुर खीरी। दुधवा टाइगर रिजर्व के दुधवा पर्यटन क्षेत्र में सोमवार की सुबह पर्यटकों को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने उनके सफारी अनुभव को जीवनभर के लिए यादगार बना दिया। दिल्ली, लखनऊ व बरेली से आए इन पर्यटकों को सफारी के दौरान अचानक एक साथ तीन बाघ सड़क पर टहलते दिखाई दिए। इनमें एक वयस्क नर, एक वयस्क मादा और एक अर्धवयस्क बाघ शामिल था।

आजम-अब्दुल्ला को फिर जेल

दो पैन कार्ड मामले में कोर्ट ने सुनाई सात-सात साल की सजा

- 50-50 हजार का लगाया जुर्माना, सजा मिलने के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दो पैन कार्ड मामले में एमपी एमएलए कोर्ट ने आजम खां व अब्दुल्ला आजम को 7-7 साल की सजा सुनाई। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। मुकदमे के वादी विधायक आकाश सक्सेना भी मौजूद रहे।

दो पैनकार्ड मामले में भाजपा विधायक आकाश ने 2019 में सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। विधायक ने अब्दुल्ला के अलग-अलग

कोर्ट में पेश होने जाते आजम खां।

जन्मतिथि से दो पैन कार्ड बनवाने का आरोप लगाया। एक पैनकार्ड में जन्म तिथि 1 जनवरी 1993 है। दूसरे में जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 दर्ज है। पुलिस ने जांच पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिए थे। इसमें आजम खां भी आरोपी हैं। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में हो रही थी। दोनों पर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया।

गुनहगार समझा तो सजा सुनाई : आजम

रामपुर। सोमवार को कोर्ट ने सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला आजम खां को पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा सुनाई। जिला जेल के गेट पर मीडियाकर्मियों से आजम खां ने कहा कि कोर्ट ने गुनाहगार समझा तो सजा सुना दी है। कोर्ट के फैसले का हम स्वागत करते हैं। उसके बाद आजम खां जेल के अंदर चले गए।

जनता दर्शन | योगी बने सहारा, एंबुलेंस से बच्चे को भिजवाया केजीएमयू

मुख्यमंत्री ने मां की गुहार पर बच्चे का शुरू कराया इलाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'जनता दर्शन' ने सोमवार को एक मां के जीवन में आशा की किरण जगा दी। वह सात माह के बीमार मासूम बेटे को गोद में लेकर मुख्यमंत्री आवास पहुंची। बच्चे को हृदय संबंधी गंभीर समस्या और आर्थिक तंगी की जानकारी होते ही मुख्यमंत्री ने तत्काल बच्चे के उच्चस्तरीय इलाज के निर्देश दिए। इसके बाद उसे एंबुलेंस से केजीएमयू भेजा गया और कुलपति को इलाज की तत्काल व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

'जनता दर्शन' में सोमवार को प्रदेश भर से 60 से अधिक लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रत्येक व्यक्ति के पास गए, उनके प्रार्थना पत्र लिए और समस्या विस्तार से सुनी। इसी दौरान राजेंद्र नगर, ऐशबाग की रहने वाली एक महिला अपने साथ 7 माह के मासूम बेटे को लेकर पहुंची और मुख्यमंत्री को बच्चे की गंभीर बीमारी व आर्थिक हालात खराब होने की जानकारी दी।

अपने बच्चे के इलाज हेतु एक मां की व्यथा सुनते मुख्यमंत्री योगी।

जमीन कब्जे की शिकायत

जनता दर्शन में बुलंदशहर से आए अर्धसैनिक बल के जवान ने अपनी जमीन कब्जे की शिकायत रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार की है। उन्होंने अधिकारियों को मामले की जांच कर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

महिला की व्यथा सुनते ही मुख्यमंत्री ने बच्चे को दुलारा और भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी मदद करेगी, आप निश्चिंत रहें। तत्काल निर्देश पर बच्चे को सीएम आवास से एंबुलेंस द्वारा केजीएमयू भेजा गया और कुलपति को इलाज की तत्काल व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

आदेश मिलते ही मासूम का इलाज शुरू कर दिया गया। योगी अन्य मामलों में भी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। जमीन कब्जा, पुलिस, बिजली, आर्थिक सहायता और विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 18 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सलखन फॉसिल्स पार्क में वैज्ञानिक अभिलेखन

अमृत विचार, लखनऊ : सोनभद्र के सलखन में मौजूद अवसादी संरचनाओं में पृथ्वी पर 1.4 अरब वर्ष पुराने जीवन के शुरूआती चरणों के प्रत्यक्ष प्रमाण मिले हैं। ये संरचनाएं केवल जीवाश्म नहीं बल्कि रासायनिक-जीव वैज्ञानिक स्मारक हैं, जो पृथ्वी के निर्जीव से सजीव ग्रह बनने की कहानी समेटे हुए हैं। उक्त प्रमाणों का सूक्ष्म वैज्ञानिक अभिलेखन शुरू हो गया है। दो दिवसीय इस फील्ड अध्ययन की शुरुआत सोमवार को विशेषज्ञ टीम ने शुरू की। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि सलखन फॉसिल पार्क में उप्र. इको टूरिज्म विकास बोर्ड और बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पाली साइंसेज (बीएसआईपी), लखनऊ की संयुक्त टीम ने अभिलेखन शुरू किया। बताया कि वैज्ञानिकों की टीम ने 17 नवम्बर को कैमूर की प्राचीन चट्टानों पर संरक्षित करोड़ों वर्ष पुराने जीवाश्मों का विस्तृत सर्वेक्षण किया।

जूनोटिक रोगों की रोकथाम को समझौता

अमृत विचार, लखनऊ : पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को विधानभवन स्थित उनके कार्यालय कक्ष में पशुपालन विभाग और जपाइगो (जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय से संबद्ध स्वास्थ्य संगठन) के बीच लखनऊ में जूनोटिक रोगों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों की रोकथाम और प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर औपचारिक हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर हस्ताक्षर पशुपालन विभाग के निदेशक-रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, डॉ. नेमपाल सिंह और जपाइगो के कंट्री डायरेक्टर डॉ. अमित शाह ने किए। इस मौके प्रमुख सचिव पशुधन एवं दुग्ध विकास, मुकेश मेश्राम, विशेष सचिव देवेंद्र पांडे और निदेशक (प्रशासन एवं विकास) डॉ. योगेन्द्र सिंह पंवार भी मौजूद रहे।

कम्प्यूटर ट्रेनिंग स्कीम के लिए आवेदन 20 से

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार अन्य पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाएगी। इस उद्देश्य से संचालित कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना (ओ लेवल एवं सीसीसी) के दूसरे चरण के लिए समय-सारिणी जारी कर दी गई है। यह योजना उन प्रतिभागियों के लिए है, जो इंटरमीडिएट उत्तीर्ण हों और जिनके माता-पिता या अभिभावकों की वार्षिक आय अधिकतम 1 लाख रुपये हो। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि संस्थाओं का चयन किया जा चुका है। इन संस्थाओं में प्रशिक्षण के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 20 नवंबर से 1 दिसम्बर तक विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। प्रशिक्षणार्थियों के जिला-स्तरीय चयन के बाद 12 दिसम्बर से पूरे प्रदेश में एक साथ प्रशिक्षण सत्र प्रारम्भ कराए जाएंगे।

कृषि विशेषज्ञों ने गोष्ठी में रखे सुझाव

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक छह ट्रिलियन यूएस डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें कृषि क्षेत्र से एक ट्रिलियन यूएस डॉलर के योगदान का रोडमैप तैयार है। विजन डॉक्यूमेंट 2047 को साधने के लिए 22 उद्देश्य रखे गए हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ के मरकरी ऑडिटोरियम में विकसित उत्तर प्रदेश-2047 के अंतर्गत बेस्ट प्रेक्टिस एवं विजन डॉक्यूमेंटेशन पर आयोजित विचार मंथन गोष्ठी में प्रतिभाग किया। इसमें कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्रों के विशेषज्ञ और प्रगतिशील किसान शामिल हुए हैं, जिन्होंने बदलते कृषि परिदृश्य और भावी आवश्यकताओं पर विचार रखे।

आतंकी भाई-बहन के सीधे संपर्क में थे लखनऊ के सात लोग

दिल्ली बम धमाका मामला : होटल में लोगों से मुलाकात कर बनती थी योजना, केंद्रीय व स्थानीय जांच एजेंसियां खंगाल रहीं सभी की कुंडली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : दिल्ली लाल किला बम धमाका कांड में खंदारी बाजार की डॉ. शाहीन शाहिद और उसके भाई डॉ. परवेज का नाम सीधे तौर पर जुड़ा है। जहां डॉ. शाहीन मास्टर माइंड तो डॉ. परवेज सबसे करीबी मददगार बताया जा रहा है। जांच एजेंसयां भाई-बहन के लखनऊ नेटवर्क को खंगाल रही हैं। एटीएस, स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियां शहर में उन लोगों को तलाश रही हैं, जिनसे दोनों भाई-बहन लगातार संपर्क में रहते थे। शुरुआती जांच में यह बात स्पष्ट हुई है कि शाहीन और परवेज लखनऊ में सात से आठ लोगों के बेहद करीबी थे। उनसे हर दूसरे दिन बातचीत होती थी। इस मामले में राजधानी के करीब 25 संदिग्ध लोगों से सुरक्षा एजेंसियां व स्थानीय पुलिस ने पूछताछ किया है।

एटीएस ने रविवार को पारा के कुंदन विहार कालोनी से भाई-बहन को पकड़ा है। उनके नंबर पर भी डॉ. शाहीन व डॉ. परवेज के कॉल आने की बात सामने आई है। सुरक्षा एजेंसियां दोनों के मोबाइल नंबरों की डिटेल व चैट रिकार्ड खंगालने में जुटी है। जिनमें से कुछ नंबर ऐसे मिले हैं। जो काफी लंबे समय से शाहीन व परवेज से संपर्क में रहे। जांच में सामने आया कि संदिग्ध लोग राजधानी के अलग-अलग इलाके में रहते हैं। इनमें ज्यादातर पेशे से डॉक्टर, लैब तकनीशियन, पैरामेडिकल कर्मचारी और निजी अस्पतालों के कर्मचारी शामिल हैं। जांच टीमों ने ऐसे सभी लोगों की चिह्नित कर लिया है। जिनसे दोनों भाई-बहन की बातचीत होती थी। इनमें कुछ ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने हाल ही में अपने नंबर बदल लिए हैं। वहीं कुछ ने लखनऊ छोड़ने की तैयारी कर ली थी। जांच एजेंसियां उनकी तलाश में जुटी हुई है। उन सभी लोगों को लगातार ट्रेस किया जा रहा है। उनकी गतिविधियों को चेक किया जा रहा, शक होने पर उनसे पूछताछ की जाएगी। पकड़ने के बाद उन सभी लोगों के मोबाइल, लैपटाप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जा सकते हैं ताकि डिजिटल फोरेंसिक के जरिए उनकी गतिविधियों का पूरा रिकार्ड निकाला जा सके। एजेंसियों को उम्मीद है कि लखनऊ में मिले इन संपर्कों के आधार पर दिल्ली विस्फोट प्रकरण की कड़ियों को जोड़ने में मदद मिलेगी।

ले रहे लोकल इंटेलिजेंस यूनिट की मदद

जांच एजेंसियों को जिनका पता नहीं मिल रहा है। उसको तलाशने के लिए लोकल इंटेलिजेंस यूनिट (एलआइयू) की मदद ली जा रही है। डीसीपी मध्य विक्रांत वीर का कहना है कि किसको चिह्नित किया गया है। यह जानकारी नहीं है, लेकिन कुछ नाम व पते के बारे में जानकारी मांगी जा रही है। उसे टीम द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है।

तीन पासपोर्ट, सभी पर पते अलग-अलग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पासपोर्ट में जांच रिपोर्ट लगाने वाले पुलिसकर्मी भी संदेह के घेरे में
- पिता व भाई पर गहराया संदेह निगरानी बढ़ी

अमृत विचार: दिल्ली धमाके में पकड़ी गई खंदारी बाजार की डॉ. शाहीन शाहिद के पास से तीन पासपोर्ट मिला है। एजेंसियों ने जब इसकी जांच शुरू की तो फर्जीवाड़ा भी सामने आया। तीनों पासपोर्ट पर अलग-अलग पते, अलग-अलग अभिभावक के नाम दर्ज हैं। एजेंसियां इसे आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने के लिए बनवाये जाने की बात कह रहीं हैं। इन पासपोर्ट को बनवाने व जांच करने वाले अधिकारियों के बारे में भी एजेंसियां जांच कर रही है।

दिल्ली लाल किला धमाका और फरीदाबाद में पकड़े गये भारी मात्रा में विस्फोटक में सफेद पोश आतंकी माड्यूल का खुलासा हुआ। इस मामले में अब तक देश की बड़ी सुरक्षा एजेंसियों एनआईए, एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 6 डॉक्टर, दो मौलवी समेत 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। अभी तक की जांच में सामने आया कि इस मॉड्यूल की प्रमुख सदस्यों में अल-फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद की डॉ. शाहीन शाहिद है। एजेंसियों ने शाहीन की पासपोर्ट की जांच की तो कई चौंकाने वाले राज सामने आये। डॉ. शाहीन शाहिद के पासपोर्ट की जांच में कई संदिग्ध खुलासे हुए हैं। डॉ. शाहीन, जो लखनऊ की रहने वाली है। शुरुआत में वह कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से जुड़ी थी, तब उसने अपने पासपोर्ट को उसी अपडेट करवाया था। जिसमें पते और अभिभावक के नाम बदलते रहे। सूत्रों के अनुसार, यह बदलाव उनके धार्मिक कट्टरवाद और आतंकी घटना के बाद फरार होने की साजिश का हिस्सा है।

अंतिम पासपोर्ट इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के पते पर जारी

जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन के पासपोर्ट में पहले कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज का पता दर्ज था, जहां वे नौकरी करती थी। नौकरी छोड़ने के बाद दूसरे पासपोर्ट में लखनऊ का पता जोड़ा गया। तीसरे में फरीदाबाद का पता आया, जो अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा था। अंतिम पासपोर्ट में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ का पता दर्ज है, जहां उसके भाई परवेज अंसारी नौकरी करता है। परवेज को भी धार्मिक कट्टरवाद के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। साथ ही डॉ. शाहीन ने अपने अभिभावक का नाम भी कई हर बार बदल दिया है। पहले पासपोर्ट में पिता का नाम दर्ज है। वहीं दूसरे में पति और तीसरे में भाई का नाम दर्ज कराया है। जांच कर रही एजेंसी की माने तो यह सब डॉ. शाहीन की पहचान छिपाने और विदेश भागने की तैयारी में किया गया। तीन नवंबर को उसे गिरफ्तार किया गया तो वह दुबई भागने की तैयारी कर चुकी थी। इसके भी प्रमाण मिले हैं।

पाकिस्तान समेत नौ विदेश यात्राओं का खंगाला जा रहा ब्योरा

जांच एजेंसियों ने डॉ. शाहीन के विदेश यात्राओं का ब्योरा भी खंगालना शुरू कर दिया है। पासपोर्ट जांच से पता चला कि वह तीन बार पाकिस्तान गई। जहां जैश-ए-मोहम्मद के कैंपों से संपर्क किया है। इसकी जांच की जा रही है। वहीं, छह अन्य देशों की यात्राएं की हैं। 2013 में कानपुर नौकरी छोड़ने के बाद वे थाईलैंड गई। जिसके मॉड्यूल की शुरुआती फंडिंग या ट्रेनिंग से जुड़े होने की संभावना है। दिल्ली स्पेशल सेल, एनआईए और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम की जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन ने 2023 में मस्जिद के फर्जी पते पर सिम कार्ड लिया और परिवार के पतों से परहेज किया। इसकी भी जांच की जा रही है। जांच एजेंसियां इस बात की जांच कर रही है कि डॉ. शाहीन के पासपोर्ट बनवाने के समय की गई पुलिस जांच में रिपोर्ट किसने लगाई? किस आधार पर उसके पते को सही माना गया? ऐसे पुलिसकर्मी भी चिह्नित किये जा रहे हैं। जांच एजेंसियां इन पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ करेगी।

छह दिसंबर को बड़े आतंकी हमले की थी तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सुरक्षा एजेंसियों की जांच व डॉ. शाहीन व डॉ. परवेज से पूछताछ में हुआ खुलासा
- शाहीन के पास मिले डिजिटल साक्ष्य, डायरी व नोट्स में दर्ज है पूरा प्लान

अमृत विचार: सुरक्षा एजेंसियों की गिरफ्त में आई डॉ. शाहीन शाहिद का कुबूलनामा चौंकाने वाला है। एजेंसियां डॉ. शाहीन को दिल्ली बम धमाके का मास्टर माइंड बता रहीं हैं। शाहीन के पास से मिले डिजिटल साक्ष्य, डायरी, उसके नोट्स की जांच की गई। जिसमें 6 दिसंबर को होने वाले आतंकी हमले के प्लान के बारे में विस्तार से बताया गया है। प्लान का एकमात्र उद्देश्य 1992 के बाबरी मस्जिद विध्वंस का बदला लेना था। एजेंसियां पूरे गिरोह के पर्दाफाश के लिए जुटी हैं।

एजेंसियों की जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन पर करीब चार वर्ष पूर्व एक करीबी रिश्तेदार ने शादी कर परिवार बसाने और नौकरी के बारे में दबाव बनाया। इस पर शाहीन ने कहा कि उसके परिवार नहीं कौम के लिए कुछ करने का समय आ गया है। जांच में सामने आया कि शाहीन जैश-ए-मोहम्मद से काफी पहले जुड़ी थी। वर्षों से इसका प्लान तैयार कर रही थी। इस मिशन की वह मास्टर माइंड है। डॉ. शाहीन को जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ''मैडम सर्जन'' कहकर बुलाते थे। शाहीन छह दिसंबर (बाबरी विध्वंस) का बदला लेना चाहती थी। इसके लिए साथी डॉक्टरों के साथ मिलकर छह शहरों में आतंकी हमला करने की योजना बनाकर काम कर रही थी। जांच एजेंसियों ने हर बिंदु पर जांच शुरू कर दिया है। साथ ही हर सामान की जांच कर रही है जो शाहीन के पास से मिली हैं। इनमें डिजिटल सबूत, डायरियां और आतंकी मिशन के नोट्स शामिल हैं। इन नोट्स में छह दिसंबर को होने वाले आतंकी हमले के षडयंत्र के बारे में विस्तार से बताया गया है।

तीन शहर और सात बैंक खाते

जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन और कश्मीरी मूल के डॉ. मुजम्मिल अहमद गनी व डॉ. उमर उन नबी को क्या काम सौंपे गये थे। सभी डॉक्टर 2021 में जैश-ए-मोहम्मद समर्थित एक ग्रुप में शामिल हो गए थे। जांच में उमर, मुजम्मिल और शाहीन के पास जैश हैंडलर के माध्यम से आए 20 लाख रुपये हवाला के जरिये आने की पुष्टि हुई है। इसका प्रयोग नए आतंकियों की भर्ती, उन्हें सुरक्षित ठिकाना दिलाना और एक दूसरे से संपर्क स्थापित करने के लिए करनी थी। जांच एजेंसियों के मुताबिक डॉ. शाहीन को विदेशों से फंडिंग की जा रही थी। डॉ. शाहीन के नाम पर कानपुर में 3, लखनऊ और दिल्ली में दो-दो बैंक खाते मिले हैं। इन बैंक खातों से हुए प्रत्येक ट्रांजेक्शन की जांच की जा रही है। विदेशी फंडिंग वाले मॉड्यूल से किसी भी तरह के संबंध की तलाश जारी है। टीमें कानपुर में, खासकर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में पड़ताल कर ही है। यहीं पर डॉ. शाहीन लापता होने तक काम करती थी। जांच एजेंसी लखनऊ, कानपुर, फरीदाबाद समेत उससे जुड़े हर ठिकानों पर नजर रखे है। ताकि कोई भी संदिग्ध गतिविधि मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

युवतियों का जिहादी गिरोह तैयार कर रही थी शाहीन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वीडियो कॉल व जूम मीटिंग पर घंटों देती थी प्रशिक्षण
- युवकों के पकड़े जाने पर युवतियों को आगे कर आतंकी घटना कराने की थी योजना

अमृत विचार: सुरक्षा एजेंसियों की जांच और डॉ. शाहीन व उसके भाई डॉ. परवेज के पास से मिले दस्तावेजों से कई राज सामने आ,। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस व अन्य सामग्री से यह बात सामने आई कि डॉ. शाहीन व उसका भाई डॉ. परवेज यूपी समेत अन्य प्रदेशों में आतंक की पाठशाला चला रहे थे। दोनों ने इसका खुलासा पूछताछ में भी किया। जूम मीटिंग व वीडियो कॉल के माध्यम से डॉ. शाहीन शाहिद युवतियों को आतंकवाद के लिए प्रशिक्षण दे रही थी। वह युवतियों का जिहादी गिरोह तैयार कर रही थी। ताकि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अगर युवकों को निशाना बनाया जाए तो युवतियां मिशन पूरा करें।

जांच एजेंसियों के मुताबिक डॉ. शाहीन, डॉ. परवेज व डॉ. आरिफ युवतियों से ऑनलाइन बातचीत करते थे। उनका ब्रेनवॉश करते थे। धार्मिक कट्टरवाद को बढ़ाते थे। तीनों मुस्लिम युवकों और युवतियों को कहते थे कि 'यह आतंक की राह नहीं है। यह अल्लाह का पैगाम है। अल्लाह के लिए कुर्बानी देनी होगी। इसके लिए अल्लाह ने हमें चुना है। अब तक की पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली है कि डॉ. शाहीन की इस वीडियो पाठशाला में कानपुर से गिरफ्तार डॉ. आरिफ, उसका भाई डॉ. परवेज और हापुड़ से गिरफ्तार डॉ. फारूक अहमद भी जुड़ा हुआ था। डॉ. शाहीन मुस्लिम महिलाओं और लड़कियों को भड़काऊ भाषणों से जिहाद के लिए तैयार कर रही थी। वह शादीशुदा महिलाओं से कहती थी कि इसके लिए उन्हें अपने शौहर को तलाक भी देना होगा और परिवार छोड़ना होगा। जैश की लेडी विंग की कमांडर डॉ शाहीन शाहिद खुद अपने पति को तलाक दे चुकी है। तलाक देने के बाद वह अपने बच्चों कभी मिलने नहीं गई। इतना ही नहीं वह लखनऊ भी अपने परिवार से मिलने नहीं आती थी। जांच में सामने आया कि वह अपने भाई डॉ. परवेज से संपर्क में थी। दोनों कई बार सहारनपुर में मिले भी थे। तलाक के बाद भाई परवेज को अभिभावक बनाया था।

धैर्य, संतुलन व अडिग होकर बढ़ेंगे तो सफलता निश्चित

बीबीडीयू के दीक्षांत समारोह में शिक्षक की भूमिका में नजर आए मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित बीबीडी यूनिवर्सिटी में मेधावी छात्रा को उपाधि देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह व अन्य।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीवन में कोई भी अयोग्य नहीं होता। धैर्य, संतुलन और अडिग होकर समाधान की ओर बढ़ेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने युवाओं को एआई के सही उपयोग की सीख देते हुए कहा कि तकनीक आपके द्वारा संचालित हो, आप उसके द्वारा संचालित न हों। उन्होंने संस्थानों से स्केल और स्किल के साथ संस्कारों पर भी जोर देने को कहा। साथ ही बीबीडीयू में स्किल व स्केल के समन्वय की सराहना की।

मुख्यमंत्री सोमवार को बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय (बीबीडीयू) के दीक्षांत समारोह में शिक्षक की भूमिका में नजर आए। कहा कि प्रयास करने से सब कुछ हो सकता है। जीवन में सफलता के दो ही मार्ग हैं। समाधान की तरफ जाएंगे तो सफलता प्राप्त होगी। समस्या को बार-बार गिनाते रहेंगे तो सफल नहीं हो सकते। समस्या की बजाय समाधान पर ध्यान दीजिए। सभी लोग मिलकर जब सामूहिक रूप से प्रयास करेंगे तो समाधान मिलेगा। जीवन में सदा नया सीखने का अवसर प्राप्त होता है। अलग-अलग सेक्टरों में हमें नए अवसरों को ढूंढने का प्रयास करना चाहिए। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं है, बल्कि योग्य योजक चाहिए। संस्थान, बॉस, आचार्य, अभिभावक और व्यक्ति भावी पीढ़ी के लिए योजक बन सकते हैं। जीवन में धैर्य, संतुलन खोए बिना अडिग होकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता कदम चूमेगी। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने लंबी छलांग लगाई है। उन्होंने स्केल को स्किल में बदलने का कार्य किया।

- युवाओं से कहा, जीवन में कोई भी अयोग्य नहीं, तकनीक से आगे बढ़ें गुलाम नहीं

तकनीक के साथ संस्कारों को भी जोड़ें

मुख्यमंत्री योगी ने संस्थानों को नसीहत दी कि युवाओं को टेक्नोलॉजी के साथ ही संस्कारों से भी जोड़े, जिस पर विकसित भारत के रूप में मजबूत इमारत का निर्माण करना है। पीएम मोदी के विकसित भारत का विजन विकसित यूपी से साकार होगा और इसके लिए सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करना होगा। कहा कि जनसहभागिता के बिना कोई भी स्कीम सफल नहीं होती है। उन्होंने सभी को आगाह किया कि कानून का पालन करना ही होगा।

योगी ने बस्ती जाकर दी नंदा बाबा को श्रद्धांजलि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोरखनाथ मंदिर से रहा नंदा बाबा का गहरा लगाव

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बस्ती पहुंचकर धार्मिक आयोजनों के लिए विख्यात रहे नंदा बाबा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। नंदा बाबा का 3-4 नवंबर की रात निधन हो गया था।

नंदा बाबा (देशबंधु नंदानाथ महाराज) को श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से श्रीकृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज मैदान में बने हेलीपैड पर उतरे। यहां से वह दक्षिण दरवाजा स्थित नंदा बाबा के आश्रम में पहुंचे और नंदा बाबा के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। नंदा बाबा 1970 में जिला अस्पताल के पास दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना करने और सावन माह में कांवड़ियों की सेवा के लिए सुपरिचित रहे। उनका गोरखनाथ मंदिर से भी गहरा लगाव था। उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद मुख्यमंत्री ने श्रद्धांजलि सभा में आए साधु-संतों से मुलाकात की और सनातन हित में नंदा बाबा के योगदान को याद किया।

बस्ती पहुंचकर नंदा बाबा के चित्र पर पुष्पांजलि देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अभियान | नदी पारिस्थितिकीय प्रणाली के संरक्षण के लिए रिवर रैंचिंग महत्वपूर्ण : निषाद

मत्स्य विकास को आंदोलन बनाएगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोमती रिवर फ्रंट पर रिवर रैंचिंग कार्यक्रम के दौरान मंत्री डॉ. संजय निषाद।

अमृत विचार : राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में नदी संरक्षण और मत्स्य विकास को जनांदोलन का रूप देगी। यह अभियान रिवर रैंचिंग का होगा, जो नदी पारिस्थितिकीय प्रणाली के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दरअसल इसके माध्यम से प्रदेश को मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी और आत्मनिर्भर बनाने की योजना है। नदियों में मत्स्य संसाधनों का पुनर्जीवन, पारंपरिक मछली पकड़ने के तरीकों को बढ़ावा देना इसका मुख्य उद्देश्य है।

ऐसे ही एक अभियान की शुरुआत करते हुए मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय निषाद की अगुवाई में सोमवार को यहां न्यू लक्ष्मण पार्क, गोमती रिवर फ्रंट पर राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद से संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनांतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम रिवर रैंचिंग का आयोजन किया गया। इस मौके पर उप्र. मत्स्य विकास निगम लि. गोमती हैचरी, लखनऊ से 2 लाख भारतीय मेजर कार्प मत्स्य बीज (रोहू कतला और नैन) 80 से 100 एमएम का संचय किया गया।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मत्स्य पालन के लिए एयरेशन सिस्टम योजना और मछुआ दुर्घटना बीमा के कुल 6 लाभार्थियों को मत्स्य मंत्री ने प्रमाण पत्र वितरित किए। इस दौरान डॉ. निषाद ने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य नदियों में मत्स्य संसाधनों का पुनर्जीवन, पारंपरिक मछली पकड़ने के तरीकों को बढ़ावा देना, मछुआ समुदाय की आजीविका को मजबूत बनाना तथा जलीय जैव विविधता में वृद्धि करना है।

मुख्यमंत्री ने निर्माण में ढिलाई पर फटकारा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार शाम गोरखपुर में उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपी एसएसएफ) की द्वितीय वाहिनी के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने महज 10 फीसदी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई। निर्देश दिए कि कार्य गति दोगुनी की जाए ताकि लक्ष्य से चार माह पहले जून 2026 तक काम हर हाल में पूरा हो सके। मुख्यमंत्री योगी ने मौके पर पहुंचकर मॉडल का अवलोकन करने के बाद स्थल पर निर्माण की स्थिति देखी। अधिकारियों ने बताया कि अब तक केवल 10 प्रतिशत निर्माण पूरा हो सका है और 500 श्रमिक कार्यरत हैं।

ऐप बताएगा शराब की क्वालिटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मदिरा खरीद की व्यवस्था पारदर्शी बनाने के लिए यूपी एक्साईज सिटिजेन ऐप लांच

अमृत विचार: शराब पीने के शौकीन भी अब एक एप से अपनी शंकाओं का समाधान कर सकेंगे। इस ऐप से वह मदिरा की क्वांटिटी और क्वालिटी ही नहीं बल्कि संबधित अन्य जानकारियां भी हासिल कर सकेंगे। कुछ कमी मिलने पर टोलफ्री हेल्पलाइन नं. 14405 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

दरअसल, मदिरा खरीद की व्यवस्था पारदर्शी बनाने के लिए यूपी एक्साईज सिटिजेन ऐप लांच किया गया है। इस एप को अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर क्यूआर कोड स्कैन करते ही मूल्य, मात्रा, दुकान का नाम सहित अन्य विवरण चेक किया जा सकेगा। सोमवार को आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने गन्ना संस्थान सभागार में 'यूपी एक्साईज सिटिजेन ऐप'की शुरुआत की। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर एवं ऐप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध है। क्यूआर कोड स्कैन करते ही मोबाइल स्क्रीन पर ब्राण्ड का नाम व भरी हुयी मदिरा की तीव्रता प्रदर्शित होने लगेगी। पैकिंग टाइप (ग्लास बोतल, पेट बोतल, एसेप्टिक ब्रिक पैक (टेट्रा पैक), कैन आदि को भी देखा जा सकता है। इसके अलावा मदिरा आपूर्ति का प्रकार, एमआरपी, संबंधित फुटकर दुकान का नाम व शॉप आईडी सहित अन्य विवरण पर ऐप पर प्रदर्शित होंगे। दुकान पर स्टाक-इन किये जाने की तिथि की भी जानकारी मिल जायेगी।

किसी फुटकर दुकान से मदिरा, बीयर की कोई बोतल क्रय करते समय एप से परीक्षण कर लें। कोई भी विसंगति प्रकाश में आती है तो इसकी सूचना संबंधित जिला आबकारी अधिकारी अथवा आबकारी विभाग के टोलफ्री हेल्पलाइन नं. 14405 पर दें। इसके अतिरिक्त ऐप में उपलब्ध ग्रिवांस मीनू का प्रयोग करते हुये आईजीआरएस से शिकायत भी दर्ज करायी जा सकती है।

– नितिन अग्रवाल, आबकारी मंत्री

न्यूज ब्रीफ

यमुना में छोड़ी दो लाख मत्स्य अंगुलिका

कानपुर देहात। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत अमराहट कैनाल तहसील सिकंदरा स्थित यमुना नदी में दो लाख मत्स्य अंगुलिका छोड़ी गई। इससे मछली का उत्पादन बढ़ने के साथ पर्यावरण संरक्षण भी होगा। योजना के तहत दो लाख रोहू, कतला, नैन प्रजाति की मत्स्य अंगुलिका जनपद-जालौन के कोच स्थित हैचरी से मंगवाई गई। सूबे के सूचना एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल ने यमुना की धारा में अंगुलिका का प्रवाह किया। उप जिलाधिकारी, सिकंदरा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य द्वारा मत्स्य अंगुलिका का संचय किया गया।

सुबह 10 से 12 बजे तक दफ्तर में बैठें अधिकारी

कानपुर देहात। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करें। डीएम ने यह भी कहा कि बड़े बकाएदारों के विरुद्ध तहसीलवार प्रभावी कार्रवाई की जाए तथा लंबित वादों का निस्तारण प्राथमिकता से कराया जाए। राजस्व वादों, स्टांप वादों, आडिट आपत्तियों एवं वेदखली वादों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। कहा कि निस्तारण कार्यों में पारदर्शिता, गति और गुणवत्ता तीनों का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक जनसुनवाई करें। प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता पर निस्तारण कराएं।

साइबर अपराधियों ने 50 हजार की चपत लगाई

कानपुर देहात। अकबरपुर में सोमवार को अहिल्याबाई होलकर इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल अजय कुमार गुप्ता के साथ साइबर क्राइम हुआ। मोबाइल नंबर पर एक कॉल आई। कॉलर ने खुद को स्टेट बैंक का अधिकारी बताया। इसके बाद कुछ जानकारियां चाही। शक होने पर प्रिंसिपल ने कोई जवाब नहीं दिया। कुछ देर कॉल होल्ड पर रही। इसके बाद डिस्कनेक्ट हो गई। कुछ देर बाद टेक्स्ट मैसेज आया कि उनके बैंक अकाउंट से 50 हजार रुपये निकल गए हैं। इस पर उन्होंने तुरंत अपने बैंक को अवगत कराया फिर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की कॉपी जिले के साइबर सेल प्रभारी को भेजी गई। प्रभारी अब्दुल कलाम ने बताया कि कार्रवाई करेंगे।

वांछित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कानपुर देहात। सदर कोतवाली पुलिस द्वारा दहेज हत्या में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कोतवाली में केस नंबर 512/2025 के अंतर्गत धारा 85/80(2) बीएनएस व डीपी एक्ट में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मुकदमे में वांछित भानु प्रताप सिंह पुत्र प्रभु दयाल निवासी वार्ड नंबर 12 बजरंग नगर सलावतपुर फरार चल रहा था। सटीक सूचना पर पुलिस ने एडीएम तिराहा के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया।

वाहन चालकों को किया जागरूक

कानपुर देहात। यातायात माह जारी है। इसे लेकर जगह-जगह यातायात जागरूकता के कार्यक्रम हो रहे। सोमवार को यातायात व स्थानीय पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को मजबूत करने एवं एक संवेदनशील समाज के निर्माण के लिए वाहन चालकों को जागरूक किया गया। प्रमुख सड़कों, चौराहों पर सीट बेल्ट लगाकर चार पहिया गाड़ी चलाने की सलाह दी गई। आमजन मानस को यातायात नियमों की जानकारी हेतु पंपलेट वितरित किए गए। एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने बताया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर डिजिटल माध्यमों से अधिक से अधिक लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया जाएगा।

कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए 20 से आवेदन

कानपुर देहात। पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन आवेदन करने का मौका है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया निदेशालय, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए चलाई जा रही सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के तहत पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार कंप्यूटर ट्रेनिंग के लिए आवेदन कर सकते हैं।

एंटी करप्शन की टीम ने सिपाही को घूस लेते पकड़ा

- एसओ और एक दरोगा को भी किया गया लाइन हाजिर

सिकंदरा: थाने में तैनात कांस्टेबल गौरव कुमार को एंटी करप्शन की टीम ने 6 हजार रुपये की घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा। उसे अकबरपुर लाया गया। यहां पूछताछ की गई। देर रात मामले में सिकंदरा थाने के प्रभारी और एक दरोगा को भी लाइन हाजिर कर दिया गया। दोनों पर सिपाही के संरक्षण का आरोप था।

आरोपी सिपाही।

सूर्या ओवर ब्रिज के सामने एक होटल संचालक ने सिपाही की शिकायत की थी। बताया कि एक मामले को रफा-दफा करने के लिए एक व्यक्ति से सिपाही द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत एंटी करप्शन में की गई। सोमवार को तय स्थान पर पहुंचकर सिपाही को रिश्वत लेते ही दबोच लिया। टीम आरोपी को अकबरपुर थाना ले आई, जहां पूछताछ जारी है। विभागीय स्तर पर भी आगे की कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जा रही है। इस बीच देर रात बताया गया कि मामले में संलिप्तता की आशंका को लेकर सिकंदरा के एसओ हरिओम त्रिपाठी और दरोगा चरन सिंह को थाने से हटाकर लाइन भेजा गया है। दिनेश कुमार को थाने का चार्ज दिया गया है।

डंपर की टक्कर से बुजुर्ग घायल

शिवली। डंपर की टक्कर से बाइक सवार बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज माती भेजा गया है। थाना रूरा के गांव कठारा के रहने वाले दिनेश कुमार 50 बाइक से कानपुर नगर प्रसादपूर्वा रिश्तेदारी गए थे।

सोमवार की देर शाम वापस घर लौटते समय केसरी नवादा नहर के पास डंपर ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। ईएमटी दिनेश कुमार ने बताया कि घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवली से मेडिकल कालेज के लिए रेफर किया गया। इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने बताया तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

अब जैनपुर की गद्दा फैक्ट्री में लगी आग

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: नवंबर महीने में तीसरा बड़ा अग्निकांड हुआ। बीती रात सदर कोतवाली क्षेत्र के जैनपुर औद्योगिक क्षेत्र में गद्दा बनाने बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लगी। आसमान को छूती आग की लपटों देख इलाकाई लोग सहम गए। आस-पास के बाशिंदे घरों से बाहर आ गए। ऐन वक्त पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने बमशक्कत आग पर काबू पाया। कितना नुकसान हुआ, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं मिली। हालांकि बड़े नुकसान की बात कही गई है।

कानपुर-झांसी हाईवे पर जैनपुर के पास स्थित गांव निरंजनपुर में तुषार गुप्ता की गद्दा फैक्ट्री संचालित है। इसमें रविवार को देर रात करीब 11.30 बजे अचानक आग लग गई। घटना के वक्त फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मी भीतर फंस गए। वह शोर मचाते हुए बाहर भागे। गद्दा और फोम जैसे ज्वलन शील मैटेरियल होने की वजह से आग तेजी से बढ़ी और ऊंची ऊंची लपटें उठने लगी। आग लगने की जानकारी पहले पुलिस और फिर माती फायर स्टेशन को दी गई। सूचना मिलते ही दो दमकल की गाड़ियां पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। आग पर काबू पाने आई गाड़ी का पानी खत्म हुआ तो पास की फैक्ट्री से पानी लिया गया। दमकल कर्मियों ने करीब डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया। एफएसओ कपिल चाहर ने बताया कि आग के कारण का पता नहीं चला है। जल्द ही आग पर काबू पा लिया गया था। औद्योगिक स्थल पर आग की यह तीसरी बड़ी घटना है। इसके पहले रायपुर की फैक्ट्री और बारा जोड़ के कोल्ड स्टोरेज में बड़ा अग्निकांड हो चुका है। कोल्ड स्टोरेज की आग से कंप्यूटर आपरेटर की मृत्यु हुई थी।

रविवार देर रात फैक्ट्री में लगी आग से उठतीं लपटें। अमृत विचार

सुगम मतदान के लिए जिले में 89 नए पोलिंग बूथ बनाने की तैयारी

अंतिम निर्धारण की प्रक्रिया हुई तेज, जिले में अभी 1577 मतदेय स्थल

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: जनपद में मतदेय स्थलों के पुनर्गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। सोमवार को प्रक्रिया की अंतिम बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, संबंधित ईआरओ/उपजिलाधिकारियों तथा निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों को आयोग के निर्देशों से अवगत कराया।

बैठक का उद्देश्य 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदेय स्थलों के पुनर्विन्यास, नए स्थलों के सृजन, भवनों के सत्यापन तथा आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप मतदेय स्थलों के अंतिम निर्धारण पर विचार-विमर्श करना था। बताया कि 29 अक्टूबर से 4 नवंबर तक जिलेभर में सभी मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन, भवनों का निरीक्षण व चिह्नांकन कार्य संपन्न कराया गया। भवनों की अवस्थिति, उपलब्ध सुविधाएं, भीड़ प्रबंधन, दिव्यांगजन की पहुंच आदि जैसी व्यवस्थाओं को आयोग के मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया। इसके उपरांत 6 एवं 7 नवंबर को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रस्तावित मतदेय स्थलों के निर्धारण पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। आयोग के निर्देशानुसार 10 नवम्बर को सभी मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

कलेक्ट्रेट में बैठक करते अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार।

जनपद के चारों विधानसभा क्षेत्रों रसूलाबाद, अकबरपुर-रनियां, सिकंदरा तथा भोगनीपुर में अभी 1577 मतदेय स्थल हैं। 27 अक्टूबर 2025 की स्थिति के अनुसार कई स्थानों पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक पाई गई, जिसके आधार पर 89 नए मतदेय स्थलों के सृजन पर विचार किया गया है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पुनर्गठन में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि एक ही परिवार के सदस्य अलग-अलग अनुभागों में विभाजित न हों। भवन सुरक्षित एवं स्थायी प्रकृति का हो। जर्जर या सुविधाविहीन भवनों को उसी क्षेत्र में उपलब्ध उपयुक्त भवनों में स्थानांतरित किया जाएगा।

यदि कोई मतदेय स्थल मतदान क्षेत्र से बाहर स्थित पाया गया और क्षेत्र के भीतर उपयुक्त भवन उपलब्ध है, तो उसे तत्काल स्थानांतरित किया जाएगा। बताया कि जिला कांटेक्ट सेंटर 05111-297056 तथा टोल फ्री नम्बर 1950 पर कोई भी मतदाता अपनी मतदाता सूची एवं निर्वाचन से संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकता है। भाजपा के मंडल अध्यक्ष शिव विलास मिश्रा, महामंत्री आशीष कुमार गुप्ता संजू, सपा के शेखू खान आदि रहे।

1030 के मुकाबले सिर्फ 402 बैंक लोन मंजूर, जिले की आई 8वीं रैंक

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में कानपुर देहात जिले की प्रदेश में आठवीं रैंक है। 1030 के सापेक्ष विभिन्न बैंकों द्वारा अब तक 402 ही बैंक लोन स्वीकृत किए जा सके हैं। अवशेष लक्ष्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

सोमवार को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की समीक्षा बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता सीडीओ लक्ष्मी एन ने की। बैंकर्स, स्टेक होल्डर्स एवं डीआरपी भी रहे। बैठक में जिला उद्यान अधिकारी डॉ. बल्देव प्रसाद द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद कानपुर देहात की रैंक आठवें नंबर पर है। योजनान्तर्गत कुल लक्ष्य डीआरपी बैंक लोन की स्वीकृति की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि अवशेष लक्ष्य को माहवार डीआरपी वार लक्ष्य निर्धारित करते हुये लक्ष्य के अनुरूप प्रगति न करने वाले प्रबुद्ध श्रमशील, विकास सचान एवं विनय यादव को कारण बताओ नोटिस जारी की गई। साथ ही बैठक में अनुपस्थित प्रबुद्ध श्रमशील, राकेश कुमार गुप्ता, अंकित यादव एवं नेहा देवी को चेतावनी निर्गत करने के निर्देश जारी किए गए।

विकास भवन में बैठक करतीं सीडीओ। अमृत विचार

- सीडीओ ने की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की समीक्षा

इसके साथ संतोषजनक कार्य न करने वाले डीआरपी को लगातार चेतावनी जारी करने के बावजूद भी प्रगति न ठीक होने पर सेवा समाप्ति की कार्रवाई कराने हेतु निर्देशित किया गया। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा स्टॉक होल्डर्स को अवगत कराया गया कि योजनान्तर्गत कृषि उत्पाद, बागवानी, उत्पाद, वन उपज, डेयरी उत्पाद तथा मत्स्य उत्पाद आदि से संबन्धित विभिन्न उद्योग लगाये जा सकते हैं। बैठक में उपस्थित राकेश कुमार अग्रणी बैंक प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि बैंकों पर लम्बित प्रस्तावों की लगातार समीक्षा करते हुये भारतीय स्टेट बैंक, बडौदा यूपी ग्रामीण बैंक, बैंक आफ बडौदा एवं एचडीएफसी बैंक में स्वीकृति हेतु लंबित प्रस्तावों का अतिशीघ्र निस्तारण कराया जाए। जिला उद्यान अधिकारी को पत्र प्रेषण करने के निर्देश दिए।

आंट में फंदे से लटका मिला युवक का शव

संवाददाता, रनियां

अमृत विचार: रनियां थाना क्षेत्र के आंट गांव में बीती रात एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार की सुबह जब परिजन सोकर उठे तो नजारा देख वह सन्न रह गए। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

रनियां थाना क्षेत्र के आंट गांव निवासी जगदीश सिंह का पुत्र राघवेंद्र सिंह उम्र लगभग 35 वर्ष रोजाना की तरह रविवार की देर शाम खाना खा पीकर पत्नी व बच्चों के साथ कमरे में सोने चला गया और आधी रात को अचानक दबे पांव कमरे से बाहर निकल उसने घर के आंगन में लगे लोहे के जाल में साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब पत्नी व अन्य परिवारीजन सोकर उठे तो नजारा देख उनकी चीखें निकल गईं।

सूचना पर रनियां थाने से पहुंचे उप निरीक्षक इंद्रपाल सिंह व हेड कांस्टेबल अविनाश शर्मा ने पंचनामा की कार्रवाई पूर्ण की। इसके बाद शव पोस्ट मार्टम के लिए भिजवाया। मृतक राघवेंद्र सिंह खेती किसानी का कार्य करता था। मृतक के पिता जगदीश सिंह, मां निर्मला देवी, पत्नी रूबी, बेटा अभय सिंह व सक्षम सिंह का रो रो कर बुरा हाल था। इस संबंध में इंस्पेक्टर रनिया ने बताया कि शव को पीएम के लिए भिजवाया गया है, प्रथम दृष्टता मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। कारणों का पता नहीं लगा।

कृषि बीज केंद्र के निरीक्षण में विधायक को स्टाफ मिला गैर हाजिर, किसानों से की वार्ता

संवाददाता, रसूलाबाद

- रजिस्टर में चढ़े मोबाइल नंबरों को देखकर लगाया फोन
- आठ कर्मचारियों का है स्टाफ मौके पर मिले सिर्फ दो

अमृत विचार: सोमवार को रसूलाबाद उप संभागीय कृषि प्रसार कार्यालय स्थित कृषि बीज केंद्र का विधायक पूनम संखवार ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुल 8 कर्मचारियों के स्टाफ में दो लोग उपस्थित मिले।

रबी की फसलों की बुआई के समय किसानो हो रही समस्या को दृष्टिगत रखते हुए स्टॉक रजिस्टर भी चेक किया। वितरण रजिस्टर में किसानों के अंकित नाम व उनके दर्ज मोबाइल नंबर पर बात भी की गई। फ्री किट वितरण रजिस्टर चेक कर किसानों से वार्ता करने पर वितरण सही पाया। स्टाफ रजिस्टर में अंकित 8 लोगों में केवल दो लोग केन्द्र प्रभारी व राजनरायण यादव उपस्थित मिले। इस अवसर पर विधायक पूनम सखवार के साथ मंडल अध्यक्ष ओम शंकर व कार्यालय प्रभारी गौख सिंह ,अटल वाजपेई, केपी सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

उप संभागीय कृषि प्रसार कार्यालय में किसानों से बातचीत करतीं विधायक पूनम संखवार।

सड़क हादसे में बाल-बाल बचे पूर्व कैबिनेट मंत्री बेरिया

संवाददाता, रसूलाबाद

- बिसधन रोड पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने कार को मारी टक्कर

अमृत विचार: निजी कार से सोमवार को सिकंदरपुर ग्राम प्रधान के छोटे भाई के तिलक समारोह में सम्मिलित होने जा रहे पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकुमार बेरिया की कार सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर टकरा गई। हालांकि गाड़ी में सवार सभी लोग बाल-बाल बच गए किंतु गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने ट्रैक्टर कब्जे में ले लिया है।

इस संबंध में पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकुमार बेरिया के करीबी आलोक वाजपेई ने बताया कि सोमवार को बेरिया अपनी निजी कार से मुमताज अहमद व राजेश तिवारी के साथ सिकंदरपुर ग्राम प्रधान सत्यप्रकाश कठेरिया के छोटे भाई अविनाश कठेरिया के तिलक समारोह में सम्मिलित होने जा रहे थे।

इसी दौरान रसूलाबाद बिसधन रोड पर सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर चालक ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। इससे गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई किंतु उसमें सवार सभी लोग बाल बाल बच गए। ट्रैक्टर चालक मौके से तत्काल फरार हो गया। बेरिया की सूचना पर आई पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया है। ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है।

शिकायत | डीएम ने एडीएम की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर मांगी रिपोर्ट

नाले की कटान से दो गांवों की फसलें खराब

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: एनएच 19 पर एक रिसॉर्ट के सामने स्थित नाले को एनएचएआई के कर्मचारियों द्वारा बार-बार काट दिए जाने से ग्राम फतेहपुर रोशनाई और लोदीपुर की कृषि भूमि पर लगातार जलभराव हो रहा है। किसानों के अनुसार दोनों गांवों की एक हजार बीघे से अधिक धान की फसल नष्ट हो चुकी है। खेतों में भरा पानी सूख न जाने से अगली फसल की जुताई-बुआई भी संभव नहीं है। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति पर भी प्रभाव पड़ रहा है। किसानों ने सोमवार को वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान की अगुवाई में डीएम को ज्ञापन दिया।

माती मुख्यालय आए किसानों ने बताया कि वह अपने निजी खर्च पर नाले को बंद करवाते है। राष्ट्रिय राजमार्ग प्राधिकरण के कर्मचारी पुनः नाले का कटान कर देते हैं। इससे समस्या फिर से खड़ी हो जाती है। समस्या को लेकर संपूर्ण समाधान दिवस में बार-बार प्रार्थना पत्र देने के बावजूद न तो नाले को स्थाई रूप से बंद किया गया और न ही अब तक किसी प्रकार का मुआवजा प्रदान किया गया। इसी समस्या को लेकर दोनों गांवों के लगभग दो दर्जन किसान सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान के नेतृत्व में जिलाधिकारी कपिल सिंह से मिले और विस्तृत ज्ञापन सौंपा। जिलाधिकारी ने ज्ञापन को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को अग्रसारित किया तथा अपने स्तर पर अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक जांच समिति गठित कर शीघ्र रिपोर्ट तलब करने का निर्देश जारी किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की फसलें ही नहीं, बल्कि खेतों की उर्वरा क्षमता भी लगातार नष्ट हो रही है। किसान कर्ज और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, जब कि विभागीय लापरवाही के कारण समस्या और विकराल होती जा रही है। साधन समिति अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह सेंगर ने आरोप लगाया कि पास की फैक्ट्रियों का दूषित पानी खेतों में छोड़ा जा रहा है, जिससे फसलें और जमीन दोनों बर्बाद हो रही हैं। पीड़ित किसानों में अनिल तिवारी, कृष्ण कुमार, अनिल कुमार साहू, जगरूप, राकेश कुमार, सुमित गुप्ता, गोरेलाल, कुलदीप, प्रकाश, धर्मेन्द्र सिंह धाकड़, ज्ञान सिंह, सोनेलाल, कमल, जगरूप सिंह, राकेश कुमार, फूलचन्द्र, कमलेश कुमार, करिश्मा देवी और विमला देवी सहित कई किसान शामिल रहे।

डीएम को ज्ञापन सौंपने जाते इलाके के किसान। अमृत विचार

प्रौद्योगिकी एवं सुरक्षा थीम पर बालिकाओं को किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलंबन हेतु मिशन शक्ति 5.0 की कार्ययोजना के आयोजन जारी हैं। सोमवार को हांसेमऊ और डोभा के शिक्षण संस्थानों में प्रौद्योगिकी एवं सुरक्षा थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम हब फॉर इंपॉवरमेंट ऑफ वूमेन से जिला मिशन समन्वयक प्रतिमा श्रीवास्तव ने विद्यालय के बालक/बालिकाओं को बताया कि प्रौद्योगिकी और सुरक्षा का अर्थ है प्रौद्योगिकी का उपयोग करके राष्ट्रीय और व्यक्तिगत सुरक्षा को मजबूत करना। साथ ही प्रौद्योगिकी से उत्पन्न होने वाले खतरों का प्रबंधन करना। इसमें साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाना है। प्रौद्योगिकी और सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को शिक्षा हेतु जागरूक किया गया। साथ ही गुड टच, बैड टच संबंधित जानकारी दी गई। बालिकाओं व महिलाओं के लिए चल रही योजनाओं से सम्बन्धित पंपलेट वितरित किए गए। इसके अलावा कार्यक्रम में मातृत्व वंदना योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, जननी सुरक्षा योजना आदि के बारे में जानकारी दी गई। टोल फ्री नंबर महिला हेल्पलाइन व अन्य नबंरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को अधिकारों, संबंधित योजनाओं, कानूनों एवं मुद्दों पर जागरूक किया गया साथ ही महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की जानकारी दी गई।

स्कूल में बालिकाओं को दी अहम जानकारियां। अमृत विचार

अमृत विचार
कानपुर, मंगलवार 18 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बेतवा पुल, राठ तिराहे पर लगेगी हाईमास्क

हमीरपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में 11वीं जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम घनश्याम मीना ने मेसर्स जय बिल्डर्स कानपुर को रानी लक्ष्मीबाई तिराहे पर टेबल टॉप ब्रेकर बनाने और एनएचएआई कानपुर को बेतवा पुल एवं राठ तिराहे पर हाईमास्ट लाइट लगाने के निर्देश दिए। बैठक में एआरटीओ (प्रवर्तन) अमिताभ राय ने बताया कि हिट एंड रन के कोई भी प्रकरण नहीं आ रहे है। बैठक में एडीएम (वि/रा) विजय शंकर तिवारी, एक्सईएन दृगपाल सिंह वर्मा, अधिशासी अभियंता विद्युत लेखराम सिंह, सीओ सदर राजेश कमल, यात्री एवं मालकर अधिकारी चन्दन पाण्डेय आदि अधिकारी मौजूद रहे।

अवतार मेहेर बाबा के मेले में निकला जुलूस

हमीरपुर। अवतार मेहेर बाबा मेला 19 नवंबर तक चलेगा। मेले का शुभारंभ प्रात: 7 बजे सतरंगा ध्वज फहराकर किया गया। ध्वजारोहण मुकुल द्विवेदी ने किया। सतरंगा ध्वज पर वार्ता पीसी निगम ने सुनाई। दोपहर दो बजे अवतार मेहेर बाबा का जुलूस निकाला गया। जुलूस का नेतृत्व अर्जुन सिंह यादव ने किया। जुलूस में मुख्य रूप से अवतार मेहेर बाबा की झांकियां, जलाला से दिवारी नृत्य, बैंड बाजा, भांगड़ा आदि रहे। जुलूस का जगह जगह बाबा प्रेमियों ने स्वागत किया।

दबंग ने युवक से छीन लिए 35 हजार रुपये

हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के सरसई गांव निवासी मुन्ना ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि रविवार को वह गांव में तालाब के पास खड़ा था, तभी गांव का एक दबंग व्यक्ति आया और उसकी जेब से 35,000 रुपये छीन लिया। उसने यूपी 112 पुलिस को सूचना देकर बुलाया था। बताया कि उसने बच्चों के इलाज के लिए गांव के सरकारी राशन विक्रेता के यहां चांदी के जेवरात गिरवी रखकर तीन प्रतिशत के ब्याज की दर पर लिए थे। वह अपने बच्चों को इलाज के लिए ग्वालियर ले जाने का प्रबंध कर रहा था। पुलिस जांच कर रही है।

कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए करें आवेदन

हमीरपुर। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए अन्य पिछड़े वर्ग के 18 से 35 वर्ष के शिक्षित युवक / युवतियां आवेदन कर सकते हैं। अभिभावक की वार्षिक आय एक लाख से कम होनी चाहिए। शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट (10+2) हो। 20 नवंबर से 1 दिसंबर तक वेबसाइट backwardwelfareup.gov.in एवं obccomputertraining.upsdc.gov.in पर ओ लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

महिला ने सीओ से लगाई गुहार

हमीरपुर। बिवांर थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने गांव के मुकेश सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए क्षेत्राधिकारी से गुहार लगाई है। महिला का आरोप है कि मुकेश ग्राम समाज की जमीन पर कंडे पाथने पर उसके साथ गाली गलौज और अभद्रता करता है। वह रात में सुनसान देख उसके घर में घुस आया था। पीड़िता ने बताया कि उसने कई बार थाना पुलिस और समाधान दिवस में शिकायतें की हैं। थाना प्रभारी नंदराम प्रजापति ने बताया कि जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

कॅरियर गाइडेंस मेले में दी गई जानकारी

हमीरपुर। पं .दीनदयाल शासकीय मॉडल इंटर कॉलेज कैथी में कॅरियर गाइडेंस मेला लगा, जिसमें जिला समन्वयक डा .यज्ञेय कुमार, नोडल पंख पोर्टल अधिकारी प्रकाश गौरव गौतम रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में मोनिका ने प्रथम स्थान पाया। नेहा दूसरे और रागिनी तीसरे स्थान पर रहीं। हाईस्कूल की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावियों को पुरस्कार दिया गया। यहां डा .विषम यादव, मदन चंद्र यादव, कालीदीन, डा .ज्ञानेंद्र सिंह परिहार, बलराम राजपूत, श्यामबिहारी, तेज बहादुर मिश्रा, दुर्गेश तिवारी, घनश्याम, प्रदीप कुमार, सुनील कुमार, नरदेव आर्य, फरीद खान, देवीदीन, लक्ष्मण सिंह, जागेश्वर अनुरागी, लखनलाल पटैरिया आदि रहे।

हादसे में महिला की मौत पर रिपोर्ट दर्ज

हमीरपुर। झलोखर में रविवार शाम डबल डेकर बस की टक्कर से अनीता और बकरियों की मौत होने पर पति रामबाबू ने बस नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रेटिना सत्यापन से धान खरीद प्रभावित

प्रदेश भर में धान खरीद की प्रक्रिया बुरी तरह प्रभावित, किसान हो रहे परेशान

अभय प्रताप सिंह ,बिल्हौर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा धान खरीद केंद्रों पर किसानों के रेटिना (आईरिस) सत्यापन को अनिवार्य किए जाने के कारण प्रदेश भर में धान खरीद की प्रक्रिया बुरी तरह प्रभावित हो रही है। कानपुर जनपद और बिल्हौर तहसील क्षेत्र के साथ-साथ कई अन्य जिलों में भी, खरीद अपने निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले काफी पिछड़ रही है। यह नई तकनीकी व्यवस्था, जिसका उद्देश्य बिचौलियों को रोकना और पारदर्शिता बढ़ाना था, अब किसानों के लिए ही एक बड़ी चुनौती बन गई है। कानपुर जिले में बीते 17 दिनों में अब तक 174 किसानों की धान खरीदी गई है, जिसमें 7.91 मीट्रिक टन ही खरीद हो सकी है।

सत्यापन में तकनीकी अड़चनें और किसानों की दुविधा: रेटिना स्कैनिंग (आईरिस स्कैन) को ई-पॉप डिवाइस के माध्यम से आधार सत्यापन के लिए उंगली/अंगूठे के निशान की जगह लाया गया था। हालांकि, जमीनी स्तर पर इसके क्रियान्वयन में कई गंभीर समस्याएं सामने आ रही हैं।

बार-बार स्कैनिंग: एक किसान को जितनी बार धान की तौल करानी होती है, उतनी बार आईरिस स्कैनिंग करानी पड़ती है, जिससे समय बर्बाद होता हैं।

सरकार की पहल और राहत के प्रयास: रेटिना सत्यापन की मुख्य मंशा फर्जीवाड़े और बिचौलियों को खत्म करना है, ताकि भुगतान 48 घंटे के भीतर सीधे आधार लिंक्ड बैंक खातों में सुनिश्चित हो सके। बिल्हौर तहसील क्षेत्र के ककवन , बिल्हौर ,शिवराजपुर और चौबेपुर में मंडी समितियां को लगाकर कुल 24 धान खरीद केंद्र खोले गए हैं। वहीं हर बार केंद्र प्रभारियों को भी अपनी आंखों की रेटिना से किस का सत्यापन करना होता है।

शिवराजपुर में मंडी समिति का निरीक्षण करते अधिकारी। अमृत विचार

कई प्रयासों के बाद भी हो रही परेशानी

- सबसे बड़ी समस्या यह है कि कई प्रयासों के बावजूद किसानों, विशेषकर बुजुर्गों का रेटिना सत्यापन सफल नहीं हो पा रहा है। उन्हें घंटों क्रय केंद्रों पर बैठकर इंतजार करना पड़ रहा है।

मशीनों की धीमी कार्यप्रणाली से दिक्कत

- क्रय केंद्रों पर मशीनों की कार्यप्रणाली धीमी है और अक्सर नेटवर्क की समस्या के कारण भी स्कैनिंग विफल हो जाती है, जिससे प्रक्रिया लंबी खिंच जाती है।

स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बन रहीं बाधा

- कुछ रिपोर्टों के अनुसार, जिन किसानों की आंखों में कोई बीमारी है या जो अधिक उम्र के हैं, उनकी आंख की पुतली को स्कैन करने में विशेष दिक्कत आ रही है।

धान खरीद के लक्ष्यों पर असर

- कानपुर जनपद और बिल्हौर क्षेत्र में खरीद की गति धीमी होने से राज्य के कुल खरीद लक्ष्य (जो 2025-26 के लिए 60 लाख मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है) पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है। पूर्वी यूपी (जिसमें कानपुर संभाग भी शामिल है) में खरीद 1 नवंबर से शुरू हुई है और नई तकनीक के कारण शुरुआती दौर में ही बाधाएं आ रही हैं।

क्या है विकल्प

- तकनीक का लाभ तभी है जब वह किसान हितैषी हो। बुजुर्ग और नेत्र संबंधी समस्याओं वाले किसानों के लिए मैनुअल या वैकल्पिक बायोमीट्रिक (अंगूठा/उंगली) सत्यापन की व्यवस्था को तुरंत बहाल किया जाए। साथ ही क्रय केंद्रों पर लगे उपकरणों को अपग्रेड किया जाए और नेटवर्क कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाए ताकि सत्यापन की प्रक्रिया सुगम हो सके। केंद्र प्रभारियों को बेहतर प्रशिक्षण दिया जाए।

दबंगों ने दुकान में की तोड़फोड़

बिल्हौर। ककवन कस्बे में सोमवार की शाम मामूली विवाद को लेकर दुकान में मांस खरीदने पहुंचे तीन लोगों ने मिलकर दुकानदार के साथ मारपीट कर दी। साथ ही उसकी दुकान में तोड़फोड़ भी की।

वहां पर मौजूद लोगों ने मामले की जानकारी डायल 112 को दी। मौके पर पुलिस के पहुंचते ही सभी युवक मौके से भाग निकले। स्थानीय युवक शरीफ ने बताया कि वह लखनऊ इटावा राजमार्ग किनारे बिरयानी की दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। सोमवार की शाम को कसिंगवा गांव के तीन व्यक्ति कुछ खरीदारी करने आए थे। सामान देने के बाद पैसे मांगने पर तीनों युवकों ने दुकानदार के साथ मारपीट शुरू कर दी और उसकी दुकान में तोड़फोड़ कर दी। इससे उसका हजारों रुपये का नुकसान हो गया।

वाहन से भिड़ा ऑटो चालक गंभीर घायल

हमीरपुर। कस्बे से मौदहा की ओर जा रहा एक ऑटो फैक्ट्री एरिया पुलिस चौकी के सामने आगे जा रहे वाहन से टकरा गया, जिससे मौदहा निवासी ऑटो चालक गुलाम हसन गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने चालक को पीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर किया गया।

शिविर में जानकारी देते प्राधिकरण के सचिव महेंद्र कुमार पांडेय। अमृत विचार

सचिव ने वृद्धाश्रम में सुना बुजुर्गों का दर्द

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ एवं जनपद न्यायाधीश मनोज कुमार राय के निर्देशन में वृद्धाश्रम में मासिक निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें वृद्धजनों की शिकायतों के समाधान एवं वृद्धाश्रम की सुविधाओं में जानकारी ली गई।

शिविर के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव महेन्द्र कुमार पाण्डेय ने "माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007" के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों एवं उपलब्ध कानूनी सहायता के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान कुल छह वृद्धजनों द्वारा प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें पेंशन प्राप्त न होने, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तथा पारिवारिक विवादों से संबंधित समस्याएं प्रमुख रहीं।

इन शिकायतों के निस्तारण के लिए पैरालीगल वॉलंटियर्स को निर्देशित किया गया कि वह सभी प्रार्थना-पत्र संकलित कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित करें, ताकि त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम में कुछ व्यवस्थागत कमियां पाई गईं। इसके अतिरिक्त, सभी दरवाजों पर मच्छर रोधी जाली लगाने तथा समुचित सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर प्रबंधक जीतेन्द्र सिंह परमार तथा लीगल एड डिफेंस काउंसिल चीफ आनंद कुमार सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण लीलाओं को सुन मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

संवाददाता मंधना

अमृत विचार। मंधना के लक्ष्मणपुर विरतियान में स्थित ठाकुर बाबा मंदिर में सप्तदिवसीय भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है।

यहां पर कथा वाचक पं रोहित तिवारी ने बताया कि किस प्रकार भगवान श्री कृष्ण ने पूतना का उद्धार किया एवं तृणावर्त और संकटासुर का भी कल्याण किया। आगे भगवान कि माखनचोरी लीला का वर्णन किया और' अकेली गईं थी वन में कोई नहीं था मेरे संग में मोर पँख वाला मिल गया' भजन सुनाकर पंडाल में मौजूद श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्य नमोनारायण त्रिपाठी, कृष्णा देवी और श्रीकांत पाल के साथ सैकड़ों की तादाद में श्रद्धालु मौजूद रहे।

कथा सुनाते पं रोहित तिवारी।

बाइक से टकराकर दो युवक घायल

घाटमपुर। थाना क्षेत्र के चिल्ली मोड़ के पास जानवर के अचानक सामने आने से बाइक सवार जानवर से टकराकर घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर ले जाया गया। वहां पर मौजूद डॉक्टरों द्वारा बाइक सवार युवकों का इलाज किया गया है। कानपुर देहात के डेरापुर थाना क्षेत्र के खल्ला गांव निवासी दीपक (23) और उनके चाचा श्याम सुंदर (35) अखंड रामायण में सम्मिलित होकर गांव वापस जा रहे थे। वे घाटमपुर में सचिन के यहां आए थे और गांव वापस जा रहे थे। चिल्ली मोड़ के पास एक जानवर के आने से उनकी गाड़ी टकरा गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

लोकतंत्र से उठ रहा लोगों का विश्वास : स्वामी प्रसाद

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। सोमवार को कस्बे में आई संविधान सम्मान जनहित हुंकार यात्रा का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि बिहार चुनाव जनता की नहीं, बल्कि ईवीएम की जीत है। भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। जनता का लोकतंत्र से विश्वास उठता जा रहा है।

सोमवार को राठ पहुंचे स्वामी प्रसाद मौर्य ने सबसे पहले स्वामी ब्रह्मानंद महाराज की समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए माथा टेका। पत्रकारों से रूबरू होते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बिहार चुनाव में जनता की जीत नहीं, बल्कि ईवीएम की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में आए नतीजे चौंकाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि लोगों का अब लोकतंत्र से विश्वास उठता जा रहा है। भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या करने पर आमादा है। उन्होंने निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग भाजपा को लोकतंत्र की हत्या की मूक सहमति दे रहा है।

स्वामी ब्रह्मानंद महाराज की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते स्वामी प्रसाद मौर्य व अन्य। अमृत विचार

नहर में मिली लावारिस बाइक

चौबेपुर। क्षेत्र के सरदारपुर गांव के निकट सोमवार सुबह नहर में बाइक पड़ी देख ग्रामीणों ने मामले की सूचना थाना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस ने बिना नंबर की बाइक को बाहर निकलवाया और कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की है।

सोमवार सुबह राह गुजरते लोगों ने प्रतापपुर नहर पुल व सरदारपुर गांव के मध्य नहर के अंदर एक बाइक को पड़ा देख मामले की सूचना थाना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस ने नहर में पड़ी बाइक को बाहर निकलवाया। बाइक में पीछे की नंबर प्लेट गायब थी। जबकि आगे भी नंबर प्लेट टूटी हुई थी। मामले में थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे ने बताया कि नहर में मिली बाइक कई दिन पुरानी लग रही है। पानी कम होने पर नजर आई बाइक को कब्जे में लेकर पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से महोबा के दो दोस्तों की गई जान

संवाददाता, मुस्करा (हमीरपुर)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के इमिलिया गांव में कुआं पूजन कार्यक्रम में शामिल होकर महोबा लौट रहे बाइक सवार दो दोस्तों को तेज रफ्तार वाहन ने सामने से टक्कर मार दी, जिससे दोनों बाइक सवार दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक तेज रफ्तार भाग निकला। पुलिस वाहन का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

कस्बे के हमीरपुर रोड स्थित एग्री जंक्शन वन स्टॉप शॉप के पास तेज रफ्तार वाहन ने सामने से बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक उछलकर करीब 20 फीट दूर जा गिरे। हादसे में महोबा जनपद के चरखारी थाना क्षेत्र के रिवई गांव के रहने वाले दिनेश विश्वकर्मा के पुत्र अंकित विश्वकर्मा (26) और उसके दोस्त जयहिंद राठौर (25) पुत्र मंगल राठौर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक तेज रफ्तार से ही वाहन लेकर भाग खड़ा हुआ।

आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सरकारी गाड़ी से दोनों युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। अंकित के पिता दिनेश विश्वकर्मा ने बताया कि उनका पुत्र अपने मित्र जयहिंद के साथ रविवार की शाम मुस्करा थाना क्षेत्र के इमिलिया गांव में कुआं पूजन कार्यक्रम में गया था। वहां से वापस लौटते समय हादसा हो गया।

जयहिंद को पिता की जगह मिली थी नौकरी

- अंकित के पिता दिनेश विश्वकर्मा ने बताया कि उनका बेटा अंकित उर्फ भोला पंचायत सहायक के पद पर था। जयहिंद के पिता स्वास्थ्य विभाग में नौकरी करते थे। उन्हीं की जगह अंकित को नौकरी मिली थी। दोनों युवक अविवाहित थे। अंकित की जेब से बसेला (राठ) की एक डांस पार्टी की बुकिंग पर्ची पुलिस को मिली, जिसमें 16 तारीख को डांस पार्टी बुक किए जाने का जिक्र है। इसी पर्ची के आधार पर पुलिस ने दोनों की शिनाख्त की। थाना प्रभारी योगेश तिवारी ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

ट्रक की टक्कर से युवक घायल

घाटमपुर। घाटमपुर में कानपुर रोड पर स्थित एक हॉस्पिटल के सामने ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को टक्कर मार दी, घटना में युवक के हाथ पर गाड़ी का पहिया चढ़ गया। इससे युवक को हाथ में गंभीर चोट आई है।

घायल युवक का नाम अखिलेश (42) है, जो बसंत विहार का रहने वाला है। घटना के बाद युवक को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद युवक को जिला अस्पताल कानपुर के लिए रेफर कर दिया । युवक की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। ट्रक चालक की पहचान अभी नहीं हो पाई है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

पैसा न मिलने पर आरोपी का ट्रैक्टर लेकर पहुंचा थाने

संवाददाता घाटमपुर

- जयपुर ले जाकर डेढ़ वर्ष तक कराया काम, नहीं दिये पैसे
- पुलिस ने कहा जांच-पड़ताल के बाद की जायेगी कार्रवाई

अमृत विचार। घाटमपुर के साढ़ थाना क्षेत्र के परौली नेवादा निवासी मजदूर ने मजदूरी का करीब डेढ़ लाख रुपये न देने का आरोप लगाया। युवक आरोपी का ट्रैक्टर लेकर थाने पहुंचा और मजदूरी दिलाने की गुहार लगाते हुए ट्रैक्टर को थाने में खड़ा कर दिया।

परौली नेवादा निवासी संदीप माथुर ने पुलिस को बताया कि वह मेरठ की एक कंपनी में बतौर सुपरवाइजर तैनात था। वहां से विमलेश मुझे इक्कीस हजार प्रतिमाह देने की बात कह कर जयपुर ले गया। वहां डेढ़ वर्ष काम करने के बाद जब उसने मजदूरी मांगी तो वह टालमटोल करने लगा। इसके बाद उसने उसे 16 नवंबर को पैसा देने को कहा। पीड़ित के अनुसार जब वह 16 नवंबर को मजदूरी का 1.39 लाख रुपये लेने पहुंचा तो उसने कहा जो मन हो करो मैं पैसा नहीं दूंगा। इस पर पीड़ित उसका ट्रैक्टर मय वर्मा के लेकर थाना साढ़ पहुंच गया। उसने ट्रैक्टर को थाने में खड़ा करते हुए मामले की लिखित शिकायत करते हुए मजदूरी दिलाए जाने की गुहार लगाई।

थाना प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि जानकारी मिली है आवश्यक कार्यवाही की जा रही।

जेई के घर से कैश और सोने के जेवरात चोरी

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- सीसीटीवी कैमरों की वायर और डीवीआर ले गए चोर
- चित्रकूट जनपद के राजापुर में तैनात हैं अवर अभियंता

अमृत विचार। कस्बे में चोरी की घटनाएं थम नहीं रहीं हैं। बीती रात चोरों ने विद्युत विभाग में अवर अभियंता के पद पर तैनात युवक के घर में ताला तोड़ लाखों के जेवरात और नकदी चोरी कर ले गए। पीड़ित जेई ने कोतवाली में तहरीर दी है।

कस्बे के उरई रोड़ नहर बाईपास छोटी जुल्हेटी मोहल्ला निवासी शैलेंद्र सिंह परिहार पुत्र शिवबहादुर सिंह ने बताया कि वह चित्रकूट के राजापुर में विद्युत विभाग में जेई के पद पर कार्यरत हैं। बताया कि एक सप्ताह पहले उसकी पत्नी और बच्चें उसके पास राजापुर आए थे। घर में ताला लगा हुआ था। बताया कि सोमवार की सुबह करीब पांच बजे उसने मोबाइल पर घर में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो कैमरे बंद थे। फिर उसने अपने रिश्तेदारों को घर पर देखने के लिए भेजा। बताया कि चोरों ने सीसीटीवी कैमरे की वायर काट दी थी। इसके के बाद वह मकान में घुस गए। जेई ने बताया कि चोर घर में रखी दो सोने की अंगूठी, सोने की जंजीर और 13 हजार रुपये की नकदी चोरी करके ले गए थे। बताया कि चोर सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी अपने साथ ले गए। सूचना पर मौके पर पहुंचे कोतवाल ने घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी डऐ।

जागरूकता | जोगियों के पास नहीं है 2003 का रिकॉर्ड , सपा नेताओं के सामने उठाई अपनी बात

एसआईआर में घुमंतू जोगियों को हो रही परेशानी

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। ककवन ब्लॉक के जोगिन डेरा गांव में समाजवादी पार्टी ने एक बैठक आयोजित की। बैठक में सपा विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने जोगी समाज के लोगों के साथ चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों को उनके सामाजिक अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया।

बैठक में जोगी समाज के लोगों ने अपना आधार कार्ड और वोटर आईडी न होने की गंभीर समस्या को सपानेताओं के समक्ष रखा। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि पहचान पत्र के अभाव में किसी को भी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जाएगा। विशेष मतदाता सूची परीक्षण अभियान के अन्तर्गत मतदाताओं को 2003 के दस्तावेज दिखाने होंगे, जिसके चलते उनको आगे की मतदाता सूची मे बनाए रखने का प्रावधान है लेकिन घुमंतू जाति के लोगों के पास आधार कार्ड के अतिरिक्त कोई दस्तावेज नहीं है ऐसे में मतदाता या निवास से जुड़े कोई दस्तावेज़ दिखा पाना उनके लिए मुश्किल भी है ।

ककवन और चौबेपुर में है हजारों जोगी : क्षेत्र के ककवन ब्लाक में औरोताहारपुर ,मंनावा और चौबेपुर ब्लाक के गांव में जोगी समाज के लोग हजारों की संख्या में रहते हैं तथा ककवन के फत्तेपुर ग्राम पंचायत में भी बंजारा समाज के लोग रहते हैं, जिनके पास 2003 के किसी भी दस्तावेज को दिखा पाना मुश्किल है।

ऐसे में स्थानीय बीएलओ और बीएलए दोनों को सूची सत्यापन में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ।

जागरूकता और प्रतिबद्धता: सपा के लोगों ने ग्रामीणों को एसआइआर के महत्व के बारे में बताया और उन्हें सही दस्तावेज़ होने पर मिलने वाले लाभों से अवगत कराया।

उन्होंने यह भी दोहराया कि समाजवादी पार्टी हमेशा वंचित, उपेक्षित और कमजोर वर्गों की आवाज़ रही है और उनके अधिकारों के लिए मजबूती से संघर्ष करेगी। बैठक में संजय नाथ, भगवान नाथ, जितेंद्र नाथ समेत बड़ी संख्या में जोगी समाज के लोग उपस्थित रहे।

लोगों को जानकारी देते सपा नेता। अमृत विचार

> किसी भी समाज के लोगों को पहचान पत्र के अभाव में सरकारी योजनाओं से वंचित नहीं होना चाहिए। मैं व्यक्तिगत रूप से ब्लॉक और संबंधित अधिकारियों से बात कर आपकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करवाऊंगा।
>
> **विनय यादव (सपा विधानसभा अध्यक्ष)**

> घुमंतू समाज के लोगों के लिए एक विशेष अभियान की आवश्यकता है। गांव में टीम को भेजकर एसआईआर के लिए दस्तावेज तैयार करा कर गणना प्रपत्र भरवाये जाएंगे। इसके साथ ही अन्य जानकारी के लिए पूरे मामले की विस्तृत जानकारी संबंधित बीएलओ से की जाएगी ।
>
> **डॉ. संजीव दीक्षित (एसडीएम बिल्हौर)**

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

गृहकर की कुर्की नोटिस रोकने के लिए पीआईएल की तैयारी

सपा-कांग्रेस पार्षदों ने महापौर को दिया ज्ञापन, वसूली रोकें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पुराने जमा बिलों के बाद भी पीछे के वर्षों से ब्याज लगाकर नए बिल भेजने, कुर्की की नोटिसें व मनमाने बिल भेजने के खिलाफ विपक्षी पार्षद पीआईएल (जनहित याचिका) दर्ज कराने की तैयारी में हैं। पार्षदों ने समस्या को लेकर सोमवार को महापौर प्रमिला पांडेय को फिर से ज्ञापन दिया। पार्षदों ने महापौर से कहा कि पुराने बिलों के जमा होने के बाद भी बकाया दिखाकर कुर्की के लिए नोटिस भेजना न्याय संगत नहीं है। महापौर ने पार्षदों की शिकायत पर मुख्य कर निर्धारण अधिकारी से जानकारी लेकर अनियमितताओं को दूर करने के निर्देश दिए।

कांग्रेस पार्षद दल के नेता हाजी सुहैल अहमद और कांग्रेस पार्षद शिब्बू अंसारी के साथ पार्षद पति अर्पित यादव ने महापौर प्रमिला पांडेय को ज्ञापन देकर बताया कि वर्ष 2022 से मनमाने ढंग से बढ़ाये गये गृहकर की जबरन वसूली के लिए कुर्की की नोटिसें भेजी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 8 अक्टूबर 2025 को तत्कालीन नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने सदन में कहा था कि वर्ष 2016 के बाद से मासिक किराया शुल्क में कोई भी वृद्धि नहीं हुई है और यह की शासन के एक आदेश के अनुसार वर्ष 2022 से संशोधित मासिक किराया दर लागू करने का प्रावधान है। पार्षदों ने कहा कि इस विषय पर आपने प्रश्न उठाया था कि गृहकरदाता द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 तक जब गृहकर बिल जमा कर दिया गया तो तो नए बिलों में वर्ष 2022 से बकाया व ब्याज क्यों वसूला जा रहा है। पार्षदों ने कहा कि एक ओर तो वर्ष 2022 से जबरन बढ़ाये हुए गृहकर का बकाया मय ब्याज की वसूली का बोझ लादा जा रहा है और दूसरी ओर एक कथित शासनादेश का हवाला देकर इसे उचित ठहराने का प्रयास किया जा रहा है। जो जनता में विरोधाभाष पैदा कर रहा है।

महापौर को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस व सपा दल से जुड़े पार्षद व पूर्व पार्षद। अमृत विचार

ब्याज सहित क्यों दिया जा रहा बिल

- कांग्रेस पार्षद दल के नेता ने कहा कि वर्ष 2022, 2023 और वर्ष 2024 में जब कोई गृहकर बढ़ोतरी की नोटिस और सूचना भवनस्वामियों को नहीं दी गई तो फिर अचानक वर्ष 2025 में वर्ष 2022 से बकाया का बिल मय ब्याज सहित क्यों दिया जा रहा है। इस पर रोक लगाएं। नगर निगम द्वारा कुर्की की कार्रवाई पर भी रोक लगाई जाए। हाजी सुहैल अहमद ने बताया कि यदि जनता की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा, पीआईएल दर्ज कराएंगे।

सिटी ब्रीफ

रामलीला मैदान में कबाड़ियों का अतिक्रमण

कानपुर। पनकी गंगागंज स्थित रामलीला मैदान के पास कबाड़ियों ने अतिक्रमण कर लिया है। ऑनलाइन शिकायत के आधार पर नगर निगम 29 नवंबर को कार्रवाई करेगा। इसके लिए पनकी थाने से फोर्स मांगी गई है। इसके साथ ही रतनपुर केसा चौराहे के पास भी अतिक्रमण हटाने का अभियान 26 नवंबर को चलेगा। दूसरी ओर सोमवार को फजलगंज क्षेत्र में नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण हटाया। इस दौरान भारी मात्रा में पुलिस फोर्स और प्रवर्तन दस्ते के सुरक्षा कर्मचारी मौजूद रहे।

कारण बताओ नोटिस जारी

कानपुर। प्रार्थी की शिकायत की अपील पर उपस्थित न होने पर कानपुर नगर निगम के जनसूचना अधिकारी को राज्य सूचना आयुक्त ने कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसके साथ ही अगली तिथि पर आयोग के सामने उपस्थित होने के निर्देश दिए गए।

सभासद जी, गहरा नाला चाहिए

कानपुर। सभाषद जी गहरा नाला चाहिए सरकारी पैसा बर्बाद न कीजिए। यह पोस्टर सोमवार को वार्ड 91 में जनता ने लगाए। यहां 472 ब्लॉक से ब्लॉक संख्या 320 गली तक रोड-नाली का कार्य हो रहा है। जिसमें दो में ईट लगाई जा रही है। जनता ने आरोप लगाया कि नाली में आरसीसी रोड तोड़ दी गई है और मेट्रो के पाइप के ऊपर नाली का निर्माण किया जा रहा है। जो कालोनी के लिए ठीक नहीं है।

राम प्रकाश गुप्ता ने कराया नामांकन

कानपुर। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के चुनाव में कानपुर नगर से राम प्रकाश गुप्ता एडवोकेट ने अपना नामांकन दाखिल किया है। नामांकन में शहर के अलावा कन्नौज चित्रकूट, बांदा जिले के अधिवक्ता व पड़ोसी जिले फतेहपुर से अधिवक्ताओं ने स्वागत कर अपना समर्थन भी जारी किया। अधिवक्ताओं ने उनके साथ एकजुटता दिखाई। बसंत लाल गुप्ता, प्रदीप वर्मा, प्रशांत शुक्ला, आशीष गुप्ता, बद्री प्रसाद शुक्ला, भानु प्रताप सिंह, संदीप संखवार सहित अन्य मौजूद रहे।

घर के अंदर लगे पेड़ से युवक ने लगाई फांसी

कल्याणपुर। आईआईटी गेट के सामने स्थित एक मकान में सोमवार को (18) वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार और मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई।

युवक राहुल कठेरिया (18) घर के भीतर लगे एक पेड़ की डाल में रस्सी बांधकर फांसी पर झूल गया। दोपहर लगभग डेढ़ बजे जब परिजन घर के भीतर पहुंचे तो राहुल को लटका देख सभी के होश उड़ गए। परिजनों के मुताबिक, राहुल एक कबाब-पराठा दुकान पर काम करता था और घटना से पूर्व कोई असामान्य व्यवहार नजर नहीं आया। सूचना पर कल्याणपुर पुलिस तथा फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच की।

धूप सेंक रही वृद्धा की चेन लूट ली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नौबस्ता में घर के बाहर धूप ले रही 76 वर्षीय वृद्धा से दिनदहाड़े लूट हो गई। बाइक से आए लुटेरे वृद्धा को थप्पड़ मारकर गले से चेन तोड़ ले गए। वह शोर मचाते हुए पीछे दौड़ी। जब तक परिवार वाले आवाज सुनकर घर के बाहर निकले, लुटेरे फरार हो चुके थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। लुटेरों की तलाश में लगी पुलिस आसपास के सीसी कैमरे खंगाल रही है।

पशुपति नगर निवासी त्रिमोहन लाल वर्मा सराफ हैं। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे उनकी पत्नी शिवकली घर के बाहर दरवाजे पर बैठकर धूप ले रही थीं। उनके मुताबिक उसी दौरान बाइक से दो लोग आए। उनमें से एक स्टार्ट बाइक लिए दूर खड़ा रहा, जबकि दूसरा उनके पास आकर कुछ बड़बड़ाने लगा। उन्होंने पूछा क्या कह रहे हो और यहां क्यों खड़े हो। इतना कहते ही उसने पहले एक थप्पड़ उन्हें जड़ दिया। वह जब तक कुछ समझ पातीं, लुटेरे ने गले से चेन तोड़ ली और बाइक की ओर दौड़ लगा दी। उन्होंने मदद के लिए शोर मचाया, लेकिन जब तक घर के लोग बाहर निकले लुटेरे आर्यावर्त इंटर कालेज की ओर भाग निकले। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि वृद्धा के साथ चेन लूट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। लुटेरों की तलाश में सीसी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

अधिवक्ता के घर के बाहर की गाली गलौज फायरिंग का आरोप लगाया

कल्याणपुर संवददाता। कल्याणपुर में एक दबंग ने अधिवक्ता के घर के बाहर जमकर गाली गलौज करते हुए धमकी दी। साथ ही पीड़ित अधिवक्ता ने दबंग पर फायरिंग करने का भी आरोप लगा घटना की तहरीर पुलिस को दी है। कल्याणपुर की आवास विकास तीन के सेक्टर पांच निवासी प्रशांत मिश्रा पेशे से अधिवक्ता है। प्रशांत के मुताबिक शनिवार रात वह पत्नी रूबी के साथ जरूरी काम से बाहर गए थे। इसी दौरान रात करीब 11 बजे दबंग गौरव बाजपेई अपने साथियों के साथ उनके मोहल्ले पहुंचा, जहां गौरव बाजपेई ने उनके घर के नीचे खड़े होकर गाली गलौज करते हुए धमकी दी। आरोप है कि इस दौरान दबंग ने फायरिंग भी की। हालांकि सीसी कैमरे में कैद हुई घटना में दबंग फायरिंग करते हुए नहीं दिख रहा है। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जुगल देवी विद्यालय में छात्राओं ने शानदार नृत्य किया। (पढ़ें पेज-4 पर) अमृत विचार

वार्षिकोत्सव में बिखेरे प्रतिभा के रंग

- जुगल देवी सरस्वती विद्या मन्दिर में सोमवार को वार्षिकोत्सव व सांस्कृतिक समारोह आयोजित हुआ। समारोह के दौरान स्कूली बच्चों ने मंच पर सांस्कृतिक आयोजनों के जरिए प्रतिभा दिखाई। समारोह के दौरान बच्चों को ईमानदारी व देशप्रेम का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय संगठन मंत्री विज्ञान भारती मौजूद रहे।

सुपारी कारोबारी के बंद घर से नौ लाख की चोरी

वारदात

- किदवई नगर के आंबेडकर नगर में हुई घटना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। किदवई नगर में सुपारी कारोबारी के बंद घर में ताला तोड़कर घुसे चोर नकदी और जेवर समेत नौ लाख रुपये का माल पार कर ले गए। घटना के वक्त कारोबारी की मां रिश्तेदार के घर गई थी और वह कारोबार के सिलसिले में शहर से बाहर गए थे। पड़ोसी ने दरवाजा खुला देख उन्हें फोन करके घटना की जानकारी दी। उनकी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के सीसी कैमरे खंगाले तो चोर घर में घुसते हुए दिखे। पुलिस ने फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

आंबेडकर नगर कच्ची बस्ती निवासी हर्षित यादव सुपारी कारोबार करते हैं। परिवार में मां मीनू हैं। मीनू के मुताबिक 13 नवंबर बेटा हर्षित कारोबार के चलते दिल्ली गया था। वह घर पर अकेली थी। इस पर वह गुजैनी निवासी बहन हेमा के घर चली गईं। देर होने पर वह रात में वहीं रुक गईं। अगले दिन पड़ोसी ने उन्हें फोन किया और बताया कि घर के पीछे का दरवाजा खुला हुआ है। इससे उनके होश उड़ गए। आनन-फानन में वह घर पहुंची तो कमरे के ताले टूटे मिले। अलमारी खुली पड़ी थी और लाकर टूटा था, जिसमें में रखे तीन सोने की चेन, तीन अंगूठी, गले का हार, पायल समेत करीब आठ लाख के जेवर और 80 हजार रुपये नकद गायब थे। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास लगे सीसी कैमरे खंगाले तो रात करीब तीन बजे चोर उनके घर में घुसते नजर आए। किदवई नगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसी कैमरे की फुटेज के जरिए चोरों की तलाश की जा रही है। जल्द खुलासा किया जाएगा।

पीएम आवास के भवनों तक पेयजल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 27.98 करोड़ रुपये जलकल को मिले, केडीए ने कहा, जल्द कार्य पूरा करें
- शताब्दी नगर सेक्टर-3 में है योजना, लाभार्थियों को जल्द मिलेगा भौतिक कब्जा

अमृत विचार। शताब्दी नगर सेक्टर-3 में बने प्रधानमंत्री आवास योजना के 1152 भवनों तक जल्द शुद्ध पेयजल पहुंचेगा। इसपर कुल 27.98 करोड़ रुपये खर्च होंगे। केडीए ने योजना को जलकल को हस्तांतरित कर दिया है। लाभार्थियों को भौतिक कब्जा देने से पहले आवास क्षेत्र में सीवर व पेयजल की संपूर्ण व्यवस्था होगी।

जलकल के अधिशासी अभियन्ता जोन-5 ने पिछले दिनों केडीए को बताया था कि हिमगिरी भवन में पहले से स्थापित ओवर हेड टैंक से पेयजल आपूर्ति की मांग बढ़ी है। इसकी वजह से सेक्टर-3 स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के 1152 भवनों में पेयजल उपलब्ध कराया जाना सम्भव नहीं है। इसपर केडीए द्वारा शताब्दी नगर के सेक्टर-1, 2, 3, 4 व 5 में सीवर लाइन, वाटर लाइन एवं संचालित नलकूपों के लिए 27.98 करोड़ रुपये दिए हैं। इस बजट से शताब्दी नगर सेक्टर-3 स्थित 1152 प्रधानमंत्री आवास में सुविधा देनी है। केडीए के मुख्य अभियंता आरआरपी ने बताया कि पीएम आवास योजना भारत सरकार की एक महत्वकांक्षी योजना है, जिसके अन्तर्गत ही शताब्दी नगर सेक्टर-3 स्थित 1152 (जी+3) प्रधानमंत्री आवास भवनों के पानी की आपूर्ति की व्यवस्था की जानी है। जल्द ही लाभार्थियों को मूलभूत सुविधाओं सहित भौतिक कब्जा प्रदान किया जाना है। जिसके चलते प्राथमिकता से सीवर व पेयजल का कार्य होना है। उन्होंने बताया कि भवनों का आवंटन भी लाभार्थियों को किया जा चुका है। उन्होंने जलकल महाप्रबंधक एके त्रिपाठी को पत्र लिखकर कहा है कि योजना के आवंटियों को शुद्ध जलापूर्ति के लिए जल्द कार्य पूरा करें।

पीएम आवास। अमृत विचार

करोड़ों का टैक्स घोटाला बोगस फर्मों से किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मूल फर्म भी अस्तित्व में नहीं, दर्ज हुआ मुकदमा

अमृत विचार। बोगस फर्मों के जरिये एक फर्म ने करोड़ों रुपये के टैक्स का खेल कर दिया। यह खेल आईटीसी के भुगतान का अगली फर्म को क्लेम देकर किया गया। मामले की सूचना पर अधिकारियों ने जांच की तो मूल फर्म भी अस्तित्व में नहीं मिली। जीएसटी अधिकारियों ने कल्याणपुर थाने में मुकादमा दर्ज कराया है।

जीएसटी अधिकारियों को मीना ट्रेडर्स के लेनदेन का मामला संदिग्ध लगा था। अधिकारियों की जांच में पता चला कि फर्म ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 628.18 लाख रुपये की आउटवर्ड सप्लाई घोषित की। जिस पर 113.8 लाख रुपये की आईजीएसटी देयता थी। बावजूद इसके इसे पूरी तरह से फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से समायोजित किया गया। फर्म ने बालाजी एंटरप्राइजेज, कृष्णा एंटरप्राइजेज और राम एंटरप्राइजेज जैसी फर्जी सप्लायर फर्मों से 236.92 लाख रुपये की इनवर्ड सप्लाई दिखाई। जिनमें से बालाजी का पंजीकरण 1 सितंबर 2025 को निलंबित कर दिया गया, जबकि उनके जीएसटी नंबर अपठनीय पाए गए। इनसे कुल 42.64 लाख रुपये की फर्जी आईजीएसटी आईटीसी क्लेम की गई।

विभाग का कहना है कि ये सप्लायर फर्में अस्तित्वहीन हैं और बिना वास्तविक माल की आपूर्ति के केवल कागजी लेन-देन से फर्जी आईटीसी पास-ऑन की गई। अधिकारियों ने मूल फर्म की और बिठूर स्थिति फर्म की युनिट की रेकी की तो अधिकारियो को जानकारी हुई कि यह फर्म का कार्यालय भी मौके पर नही था। पूरे मामले की जांच के बाद जीएसटी अधिकारियों ने इस मामले का कल्याणपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

बदहाली

नानाराव पार्क में बच्चों के मनोरंजन के लिए टायरों से बनाया गया झूला टूट गया है। इसके साथ ही टायरों से की गई सजावट भी बदहाल स्थिति में है। नाना राव पार्क पर्यावरण मित्र परिषद के महामंत्री चंदन राय गर्ग ने नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय से मिलकर उन्हें ज्ञापन दिया और समस्याओं से अवगत कराया। बताया कि यहां कूड़े का निस्तारण नहीं हो रहा है। झूले टूटे हुए हैं। पानी के लिए लगे ट्यूबेल की मोटर खराब है। बैठने के लिए बेंच भी पर्याप्त मात्रा में नहीं हैं।

यात्रीगण ध्यान दें

ब्रिज की मरम्मत कार्य के कारण किया गया परिवर्तन

कानपुर-काठगोदाम एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें निरस्त

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर रेलवे के ब्रिज संख्या 17, ब्रिज नंबर 163, ब्रिज नंबर 137 एवं ब्रिज नंबर 232 पर होने वाली मरम्मत के कारण कानपुर सेंट्रल स्टेशन से काठगोदाम तक चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन समेत कई ट्रेनों को निरस्त करने की घोषणा की है। गाड़ी संख्या 12209 कानपुर सेंट्रल से काठगोदाम 31 मार्च 2026 तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 12210 काठगोदाम से सेंट्रल स्टेशन 30 मार्च 2026 तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 22431 सूबेदारगंज से शहीद कैप्टन तुषार मराजन 31 मार्च 2026 तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 22432 शहीद कैप्टन तुषार महाजन से सूबेदारगंज 1 अप्रैल 2026 तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 22705 तिरुपति से जम्मू तवी 31 मार्च 2026 तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 22706 जम्मू तवी से तिरुपति 3 अप्रैल 2026 तक निरस्त रहेगी।

ये गाड़ियां आंशिक रूट तक चलेंगी

- गाड़ी संख्या 12549 दुर्ग से शहीद कैप्टन तुषार महाजन 31 मार्च 2026 तक जालंधर कैंट तक ही चलेगी। गाड़ी संख्या 12550 शहीद कैप्टन तुषार महाजन से दुर्ग 2 अप्रैल 2026 तक जालंधर कैंट तक चलेगी।
- गाड़ी संख्या 20433 सूबेदारगंज से श्री माता वैष्णो कटरा 31 मार्च 2026 तक अंबाला कैंट तक जाएगी।
- गाड़ी संख्या 20434 श्री माता वैष्णो कटरा से सूबेदारगंज 1 अप्रैल 2026 तक अंबाला कैंट तक चलेगी।
- गाड़ी संख्या 20847 दुर्ग से शहीद कैप्टन तुषार महाजन 25 मार्च 2026 तक अंबाला कैंट तक जाएगी।
- गाड़ी संख्या 20848 शहीद कैप्टन तुषार महाजन से दुर्ग 27 मार्च 2026 तक अंबाला कैंट तक चलेगी।
- गाड़ी संख्या 20985 कोटा से शहीद कैप्टन तुषार महाजन 25 मार्च 2025 तक लुधियाना तक जाएगी।
- गाड़ी संख्या 20986 शहीद कैप्टन तुषार महाजन से कोटा 26 मार्च 2026 तक लुधियाना तक जाएगी।

कई ट्रेनें ऐशबाग, गोमती नगर से चलेंगी

लखनऊ स्टेशन के प्लेटफार्म 4 एवं 5 (लाइन 5 एवं 6) पर कॉनकोर्स के निर्माण कार्य के लिए यातायात एवं पावर ब्लॉक के कारण गाड़ियों का संचालन लखनऊ के स्थान पर ऐशबाग एवं गोमती नगर स्टेशन से संचालित करने का फैसला लिया गया है। गाड़ी संख्या 12180/12179 (आगरा फोर्ट-लखनऊ-आगरा फोर्ट) दैनिक इंटरसिटी एक्सप्रेस 13 दिसंबर से 22 दिसंबर तक लखनऊ स्टेशन के स्थान पर ऐशबाग स्टेशन से संचालित होगी। गाड़ी संख्या 20921 (बांद्रा टर्मनिल-लखनऊ) साप्ताहिक एक्सप्रेस 22 व 29 नवंबर, 6,13,20 दिसंबर को और गाड़ी संख्या 20922 (लखनऊ-बांद्रा ट.) साप्ताहिक एक्सप्रेस 23 व 30 नवंबर और 7,14, 21 दिसंबर को ऐशबाग स्टेशन से संचालित होगी। गाड़ी संख्या 11407 (पुणे-लखनऊ) साप्ताहिक एक्सप्रेस 25 नवंबर, 2,9 व 16 दिसंबर को और गाड़ी संख्या 11408 (लखनऊ-पुणे) साप्ताहिक 27 नवंबर के अलावा 4,11,18 दिसंबर को ऐशबाग स्टेशन से चलेगी। गाड़ी संख्या 12103 (पुणे-लखनऊ) साप्ताहिक एक्सप्रेस 25 नवंबर, 2,16,23 दिसंबर एवं गाड़ी संख्या 12104 (लखनऊ-पुणे) साप्ताहिक एक्सप्रेस 26 नवंबर के अलावा 3,10,17 व 24 दिसंबर को गोमती नगर स्टेशन से संचालित होगी।

सिटी ब्रीफ

कोहरे में ट्रेन संचालन के गुर सिखाए

कानपुर। कोहरे में गाड़ियों के सुरक्षित समय पर संचालन को लेकर क्रू कंट्रोल कार्यालय, जूही में संरक्षा सेमिनार आयोजित किया गया। मुख्य लोको इंस्पेक्टर, लोको पायलटों को कोहरे में गाड़ियां कैसे संचालित करेंगे, ये गुर सिखाए गये। भीमसेन (जीएमसी केबिन)–रसूलपुर खंड में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग प्रणाली के आरंभ किए जाने को लेकर सोमवार को क्रू नियंत्रक जूही में आयोजित सेमिनार में 18 लोको पायलट, 11 सहायक लोको पायलट सहित तीन मुख्य लोको इंस्पेक्टर के अलावा कई अधिकारी भी शामिल हुए।

ई रिक्शों की मनमानी है जारी

कानपुर। ई रिक्शा, वैन आदि वाहनों पर क्षमता से ज्यादा सवारी ढोने पर प्रतिबंध है लेकिन ई रिक्शा चालक क्षमता से कहीं अधिक सवारियों को ढो रहे हैं। इस कारण कई हादसे भी हो चुके हैं। कई स्कूलों में भी ई रिक्शे लगे हैं जो स्कूली बच्चों को ठूंस-ठूंसकर बैठाकर ले जा रहे हैं। पीछे तो बच्चे क्षमता से ज्यादा बैठते ही हैं आगे भी चालक की बगल वाली सीट पर भी सवारी और बच्चे बैठा लिए जाते हैं। इससे संतुलन बिगड़ता है। न तो स्कूल संचालक इस ओर ध्यान दे रहे हैं और न ही आरटीओ और पुलिस विभाग।

डिवाइडर से टकराकर पलट गई कार, कारोबारी की मौत

सिंहपुर स्थित मंटोरा फार्म के पास हुआ हादसा, पत्नी घायल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बिठूर में विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से बचने के दौरान एक ईको स्पोर्ट्स कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार चला रहे कारोबारी की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल उनकी पत्नी का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

जवाहर नगर निवासी 59 वर्षीय नरेश मिश्रा सरकारी कैंटीन में सप्लाई का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी संगीता और दो बेटे अभिनव व निशांत हैं। बेटे अभिनव ने बताया कि रविवार शाम को माता-पिता शादी समारोह में शामिल होने के लिए बिठूर के लवकुश वाटिका स्थित पार्टी लॉन में गए थे।

जहां से देर रात करीब ढाई बजे लौटते वक्त सिंहपुर स्थित मंटोरा फार्म के पास विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से बचने के दौरान उनकी कार अनियंत्रित हो गई। जो डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। हादसे में माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए पास के निजी अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टर ने पिता को मृत घोषित कर दिया।

नरेश मिश्रा। अमृत विचार

- उल्टी दिशा से आ रहे ट्रक से बचने के चक्कर में हुआ हादसा, जवाहर नगर के निवासी थे

अज्ञात वाहन ने अधेड़ को रौंदा

कानपुर। संगीत टॉकीज चौराहे के पास रविवार देर रात अज्ञात वाहन ने अधेड़ को रौंद दिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सोमवर सुबह स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कर हादसे की जानकारी परिजनों को दी। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। चमनगंज के प्लॉट नंबर पांच निवासी 51 वर्षीय शील कुमार गौतम चप्पल का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी सोनी और दो बेटी मुस्कान व नव्या है। दामाद रीशू ने बताया कि वह शराब के लती थे। रविवार रात को वह घर से निकले थे। जिसके बाद सोमवार सुबह रायपुरवा पुलिस ने हादसे में मौत होने की जानकारी दी। रायपुरवा थाना प्रभारी कमलेश पाल ने बताया कि घटनास्थल के आस-पास लगे सीसी कैमरों की फुटेज देखकर आरोपित चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर रहा युवक

कानपुर। बाबूपुरवा में युवती ने क्षेत्र के ही एक युवक पर चुपके से अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि आरोपित वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रचलित करने की धमकी देकर रुपयों की मांग कर रहा है। साथ ही शारीरिक संबंध बनाने के लिए भी दबाव बना रहा है।

बगाही भट्ठा में रहने वाली युवती के मुताबिक आरोपित शिवम साहू उर्फ आदर्श साहू ने चुपके से उसका कपड़े बदलते हुए वीडियो बना लिया था। इसकी जानकारी 15 नवंबर को हुई, जब उसने इंस्टाग्राम आइडी से उसे वीडियो भेजा। उन्होंने विरोध कर वीडियो डिलीट करने के लिए कहा तो आरोपित ने धमकाते हुए कहा कि अगर उसने उसकी मांग पूरी नहीं की तो इंटरनेट पर वीडियो प्रचलित करके बदनाम कर दूंगा। इससे वह डर गई। उसके अनुरोध करने पर आरोपित ने रुपयों की मांग करते हुए शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला। बाबूपुरवा थानाप्रभारी अरुण कुमार द्विवेदी ने बताया कि युवती की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जैतीपुर और हरौनी के बीच ब्लाक खत्म, अब समय से चलेंगी ट्रेनें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर-लखनऊ रेलमार्ग पर जैतीपुर-हरौनी स्टेशन के मध्य तकनीकी कार्य पूरा कर लिया गया है। अब गाड़ियां अपने पूर्व में निर्धारित समय पर चलने लगेंगी। कई गाड़ियों का रूट बदला गया था, उसे भी निरस्त करके निर्धारित रूट पर ही चलाने की घोषणा की गई है।

गाड़ी संख्या 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-लखनऊ एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय पर चलेगी। इसे पहले 19 नवंबर 2025 तक रद्द किया गया था। गाड़ी संख्या 11110 लखनऊ-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी एक्सप्रेस को 20 नवंबर तक रद किया गया था लेकिन अब ये गाड़ी अपने निर्धारित समय पर चलेगी। गाड़ी संख्या 51813 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-लखनऊ मेमू 19 नवंबर तक रद की गई थी, अब अपने निर्धारित समय अनुसार संचालित की जाएगी। गाड़ी संख्या 51814 लखनऊ-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी एक्सप्रेस मेमू 19 नवंबर तक रद थी लेकिन अब अपने निर्धारित समय अनुसार संचालित

की जाएगी। गाड़ी संख्या 12103 पुणे-लखनऊ एक्सप्रेस 18 नवंबर को परिवर्तित मार्ग से संचालित की जानी थी लेकिन अब अपने नियमित मार्ग से संचालित होगी। गाड़ी संख्या 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस 18 नवंबर को परिवर्तित मार्ग से संचालित की जानी थी लेकिन अब अपने नियमित मार्ग से संचालित होगी। गाड़ी संख्या 12173 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-पीलीभीत एक्सप्रेस 18 नवंबर को परिवर्तित मार्ग से संचालित की जानी थी लेकिन अब अपने नियमित मार्ग से संचालित होगी।

1 दिसंबर से तीन माह के लिए कई ट्रेनें निरस्त : कोहरा में ट्रेनों का संचालन टेढ़ी खीर होती है, ऐसे में यात्रियों को सुरक्षित गंतव्य स्थान तक पहुंचाने के लिए 1 दिसंबर से कई ट्रेनों को निरस्त कर दी जाएंगी ताकि शेष ट्रेनें समय से चलें। कई ट्रेनों के कुछ फेरे भी कम दिये जायेंगे।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि 1 दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक कई ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इसमें कई ट्रेनें ऐसी हैं जो कानपुर सेंट्रल स्टेशन, गोविंदपुरी स्टेशन और अनवरगंज स्टेशन से होकर गुजरती हैं।

1 व 2 दिसंबर से ये गाड़ियां रद रहेंगी: झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस 26 फरवरी 2026 तक निरस्त रहेगी। इसी प्रकार गोरखपुर-आनंद विहार टर्मिनल 12 फरवरी 2026 तक रद रहेगी। संत्रागाछी-आनंद विहार टर्मिनल साप्ताहिक सुपरफास्ट 2 मार्च 2026 तक रद रहेगी। आनंद विहार टर्मिनल-हटिया झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस 2 दिसंबर 2025 से 27 फरवरी 20226 तक निरस्त रहेगी। आनंद विहार से गोरखपुर 2 दिसंबर से 13 फरवरी क रद रहेगी। काठगोदाम-कानपुर सेंट्रल स्टेशन गरीब रथ साप्ताहिक ट्रेन 8 दिसंबर 2025 से 23 फरवरी 2026 तक निरस्त रहेगी।

गर्म कपड़ों के बाजार में खूब भीड़ उमड़ रही है। अमृत विचार

कोर्ट के आदेश पर दर्ज की रिपोर्ट

कल्याणपुर संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पनकी में युवक से चेन लूटकर चाकू से हमला करने के मामले में करीब ढाई महीने बाद पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर पिता, पुत्री व दामाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि पीड़ित की कई बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने अदालत का सहारा लिया था।

- युवक से चेन लूटकर चाकू से हमला करने का मामला

काकादेव के छपेड़ा पुलिया निवासी तरुण लाल श्रीवास्तव ने बताया कि 6 सितंबर 2025 की सुबह करीब साढ़े पांच बजे वह पनकी हनुमान मंदिर और कछुआ तालाब से दर्शन कर लौट रहा था। इसी दौरान एक युवती ने पता पूछने के बहाने उसे रोका, तभी टीवीएस जूपिटर स्कूटी पर आया युवक उसके गले से सोने की चैन लूटकर भागने लगा। रोकने का प्रयास करने पर युवती ने हैंडबैग से धारदार चाकू निकालकर उस पर हमला किया, जिससे उसके हाथ में गंभीर चोट आई।तरुण ने डायल-112 पर सूचना दी और पुलिस उसे पनकी थाने ले गई, लेकिन आरोप है कि न तो मेडिकल कराया गया और न ही मुकदमा दर्ज किया गया।

इसके बाद उसने स्कूटी नंबर के आधार पर निवासी 67, पनकी कला, पनकबहादुर नगर पनकी वाहन स्वामी प्रकाश चंद्र शुक्ला के घर पहुंचने पर पता चला की टीवीएस जूपिटर स्कूटी उनकी बेटी श्रेया शुक्ला और दामाद सोमेन्द्र के पास है। जिसका वही इस्तेमाल करते हैं। बातचीत के दौरान प्रकाश चंद्र शुक्ला विवाद करने लगे। इस दौरान मौके पर श्रेया शुक्ला और सोमेन्द्र भी आ गए और गाली गलौज मारपीट की। जिसमें बाद में वह हैलट अस्पताल पहुंचा, जहां उन्होंने इलाज करवाया। इस दौरान पुलिस की ओर से कार्रवाई न होने पर उसने पंजीकृत डाक से पुलिस आयुक्त, एसीपी पनकी, थाना पनकी और मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रार्थना पत्र भेजा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अंततः उसने न्यायालय में वाद दाखिल किया।

न्यायालय ने सुनवाई के बाद पनकी पुलिस को मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए। घटना के 2 महीने 10 दिन बाद पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर श्रेया शुक्ला, सोमेन्द्र सिंह रजावत और प्रकाश चंद्र शुक्ला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। थाना प्रभारी पनकी मनोज भदौरिया ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

सीएम ग्रिड की सड़कों का निरीक्षण करते नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, साथ में अन्य अधिकारी। अमृत विचार

प्रदेश में आठवें दिन भी सबसे ठंडा रहा शहर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर का न्यूनतम तापमान लगातार आठवें दिन भी प्रदेश में सबसे कम रहा। न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस कम रहा। प्रदेश में दूसरे स्थान पर मुजफ्फर नगर रहा जहां तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि तापमान में तो थोड़ी बढ़ोतरी हुई है लेकिन प्रदेश के अन्य जिलों के मुकाबले शहर में सबसे अधिक ठंड रिकॉर्ड की गई है। सीएसए के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में साइक्लॉन बने होने के चलते तापमान में तेजी से गिरावट में बाधा आ रही है। कुछ दिन साइक्लॉन के असर से तापमान में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा शहर में सुबह व शाम को धुंध जैसी स्थिति भी सामने आ सकती है।

रात में पूरा करें कार्य, धूल रोकने को छिड़काव करें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नगर आयुक्त ने सीएम ग्रिड की सड़कों का किया निरीक्षण
- अधिकारियों को दिए साइट पर पर्दा और लाइट लगाने के निर्देश

अमृत विचार। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने सोमवार को सीएम ग्रिड की सड़कों के दोनों फेस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि रात में ज्यादातर कार्य पूरा किया जाए। इस दौरान कई स्थानों पर उड़ती हुई धूल मिली इसपर उन्होंने कहा कि पानी का छिड़काव करते हुए कार्य किया जाए। वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए ग्रीन पर्दे लगाएं। रात में कार्य करते समय लाइटों का प्रयोग करें। इसदौरान नगर आयुक्त ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं हुआ तो कार्रवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय सबसे पहले ग्वालिन तिराहा से जीटी रोड तक निर्माणाधीन सड़क का स्थलीय निरीक्षण किया। यहां पाया गया कि सीवर लाइन का कार्य प्रगति पर है। यहां स्थल पर मौजूद मलबे को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित पानी का छिड़काव कराने के साथ यातायात की सुगमता के सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सके तो कार्य को रात्रि में पूरा किया जाए। इसके बाद उन्होंने फेस एक की अलंकार गेस्ट हाउस से सोटे बाबा मंदिर होते हुए साउथ एक्स मॉल तक चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी कार्यों में और अधिक तेजी लाने के निर्देश दिए। कहा कि कार्य बहुत धीमी गति से हो रहा है। स्थल पर पानी के छिड़काव, ग्रीनमैट का उपयोग, रात्रि में कार्य करने, स्थानीय नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक प्रबंध के निर्देश दिए। इसके बाद वह राजाराम चौराहा पहुंचे जहां ग्रीन लाइट लगाए जाने एवं फेज-1 में पानी के छिड़काव कार्य में गति लाने के निर्देश दिए।

क्रेडिट कार्ड अपडेट के नाम पर डिजिटल ठगी की

कल्याणपुर। रावतपुर इलाके में क्रेडिट कार्ड अपडेट के नाम पर डिजिटल ठगी का मामला सामने आया है। विनायकपुर पंचवटी रावतपुर निवासी रंजीत ने पुलिस को बताया कि उनके मोबाइल पर शनिवार को एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉलर ने खुद को इंडसइंड बैंक का कर्मचारी बताते हुए दावा किया कि उनका क्रेडिट कार्ड लंबे समय से उपयोग में नहीं है, इसलिए उस पर 3000 रुपये का अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। शुल्क से बचने के लिए तुरंत केवाईसी अपडेट कराने का दबाव बनाया गया।

ठग ने रंजीत को व्हाट्सऐप पर एक पीडीएफ लिंक भेजा और कहा कि उसके जरिए वे अपना केवाईसी अपडेट कर सकते हैं। रंजीत ने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया, उनका फोन अचानक हैक हो गया और लगातार ओटीपी आने लगे। इससे पहले कि वे स्थिति समझ पाते, उनके तीन अलग-अलग क्रेडिट कार्ड से कुल 1,20,546 रुपये की ऑनलाइन ट्रांजैक्शन कर ली गई। रंजीत ने सभी कार्ड ब्लॉक करवाए और पुलिस से शिकायत की। पीड़ित का कहना है कि ठगों ने पूरा बैंकिंग सिस्टम और भरोसे का फायदा उठाकर रकम निकाल ली।

विधायक जी मुस्कुराइए...

छावनी विधानसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी से विधायक मोहम्मद हसन रूमी के कार्यालय के सामने बाकरगंज बाबूपुरवा में बना ये सेल्फी प्वाइंट है या कूड़ा अड्डा। सेल्फी प्वाइंट के साथ लगा विधायक जी के नाम का शिलालेख लेकिन उनका काम अनदेखा है। सेल्फी प्वाइंट के बाहर कूड़ा बिखरा और आवारा जानवरों का जमावड़ा है। कार्यालय आते व जाते समय विधायक जी को सामने सेल्फी प्वाइंट की गंदगी दिखती भी नहीं। इसका मतलब वह कहावत है कि मूंदों आंख कतहूं काछु नाहीं। –मनोज तिवारी

पति फंदा लगाता रहा, पत्नी नाटक समझती रही, चली गई जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी में खाना बनाने को लेकर पत्नी से विवाद के बाद युवक ने बच्चों के सामने फंदे से लटक कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। इस दौरान दो बार फंदा टूटने के बावजूद पत्नी नाटक समझती रही। कुछ देर बाद जब पत्नी कमरे में वापस लौटी तो पति का शव फंदे से लटकता हुआ देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मूलरूप से बांदा के मवई घाट जसपुरा निवासी 38 वर्षीय अशोक सिंह कंस्ट्रक्शन का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी विश्व मोहिनी दो बेटे नौ वर्षीय नमन व छह वर्षीय अंश है। चाचा विनोद सिंह ने बताया कि तीन माह पहले नौकरी छूटने के बाद से भतीजा परिवार के साथ चकेरी के विराट नगर में आकर रहने लगे। इस दौरान नौकरी छूटने के कारण मानसिक तनाव में वह शराब पीने लगा। जिस बात को लेकर अक्सर बहू का भतीजे से विवाद होता था। रविवार शाम को खाना बनाने को लेकर भतीजे का बहू से विवाद हो गया। जिसके बाद भतीजे ने कमरे में जाकर बच्चों के सामने फंदा लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। इस दौरान दो बार फंदा भी टूट गया। आहट होने के बाद बहू आत्महत्या के प्रयास को नाटक समझती रही। तीसरी बार में उसने फंदा लगाकर जान दे दी।

चकेरी थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि पत्नी से विवाद के बाद युवक ने आत्महत्या की है। पीड़ित परिवार से तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जाएगी।

मुझे मेरी बीवी से बचाइये, मेरा कान काट लिया

सोमवार को लाटूश रोड के रहने वाले अमित सोनकर जिलाधिकारी के जनता दर्शन में पहुंचे और डीएम को शिकायती पत्र देते हुए कहा कि सर, मेरी पत्नी सारिका उर्फ बिल्लू ने 23 सितंबर को मारपीट के दौरान मेरे कान में काट लिया। जिससे मेरा कान लहूलुहान हो गया। वह मेरे भाई को भी मारती है। कानपुर कलेक्ट्रेट में सोमवार को अपनी पत्नी से पीड़ित एक पति जिलाधिकारी के पास शिकायत लेकर पहुंचा और डीएम को बताया कि उसकी पत्नी ने कान काटकर लहूलुहान कर दिया। पत्नी से अलग रहने लगे और पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया तो अब पत्नी दबाव बना रही है तो मुकदमा वापस लो। मुझे पत्नी से बचाया जाए। मेरी सुरक्षा की जाए। पति ने पत्नी द्वारा दांत से काटा गया कान भी दिखाया। पूरा प्रकरण सुनने के बाद जिलाधिकारी ने अनवरगंज पुलिस को मामले की जांच कर कार्रवाई के लिए लिखा है।

समस्या

कोई ठोस रणनीति नहीं होने से जाम में जकड़ा शहर

यातायात माह में ही शहर का यातायात सबसे ज्यादा चौपट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यातायात विभाग द्वारा नवंबर महीने को यातायात माह के तौर पर मनाया जा रहा है लेकिन यातायात माह कागजों में दौड़ रहा है। सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत है। कोई ठोस रणनीति नहीं बनाए जाने से पूरा शहर जाम में जकड़ा हुआ है। शहर के कई प्रमुख चौराहों और उसके आसपास सड़कें खराब हैं जिससे ट्रैफिक रेंगता रहता है। घंटों जाम लगता है। इसके अलावा सड़कों के किनारे, चौराहों के आसपास अतिक्रमण के कारण जाम लगता है।

3 नवंबर को ट्रैफिक लाइन में पुलिस कमिश्नर ने इस माह की शुरुआत की थी जिसमें ट्रैफिक अधिकारियों ने बड़े-बड़े वादे किये थे। जागरुकता रैली भी निकली, स्कूलों में जागरूक भी करने की सूचनाएं मिल रही हैं लेकिन शहर में कहां किस चौराहे पर कितने बजे कितना जाम लग रहा है, इसकी जानकारी ट्रैफिक विभाग को नहीं है।

स्थिति ये है कि जीटी रोड, एक्सप्रेस रोड, कालपी रोड, भौंती हाईवे जाम से कराह रहा है। शहर के कई ऐसे व्यस्तम चौराहे हैं, वहां यदि इलाकाई पुलिस ट्रैफिक व्यवस्था नहीं संभाले तो शायद शहर में निकलना दूभर हो जाए। शहर के सभी चौराहों, प्रमुख मार्गों पर पूरे फुटपाथ पर अतिक्रमण हैं, दुकानें लगी रहती हैं, कई स्थान पर आधी सड़क बंद करके वहीं बाजार लगती है। इसके लिए यातायात विभाग को नगर निगम से सहयोग करना होगा।

हालसी रोड में लगा जाम। अमृत विचार

टेंपो, ऑटो, ई रिक्शा चालक अचानक लगाते ब्रेक : शहरभर में कोई स्टापेज नहीं होने के कारण कदम कदम पर टेंपो, ऑटो, ई रिक्शा वाले सवारी उतारते और बिठाते हैं। ऐसे में सवारी दिखते ही टेंपो, ऑटो, ई रिक्शा चालक अचानक ब्रेक मार देते हैं। पीछे जाम लगता रहता है, लोग हार्न बजाते रहते हैं लेकिन सवारी के आगे टेंपो, ऑटो, ई रिक्शा चालक को कुछ दिखाई नहीं देता है, शहर में स्टापेज पर ही सवारी उतारने बिठाने की व्यवस्था होना चाहिए। इसके लिए यातायात की टीम को भी भूमिका निभाना चाहिए।

किस रूट पर कितने बजे कितना ट्रैफिक लोड, पता नहीं

कानपुर में आधी से अधिक आबादी कानपुर दक्षिण में निवास करती है लेकिन सारा कारोबार, कार्यालय, हॉस्पिटल, कचेहरी, स्कूल, कालेज सब उत्तरी क्षेत्र में ही हैं। ऐसे में सुबह दक्षिण की ओर से उत्तर की ओर लाखों लोग आते हैं और शाम को उत्तर से दक्षिण की ओर लाखों लोग जाते हैं जिसके लिए ट्रैफिक विभाग को ये देखना होगा कि किस रूट पर कितने बजे, कितना ट्रैफिक लोड है।

सिटी ब्रीफ

सांसद-विधायक खेल स्पर्धा आज से

कानपुर। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी आरती जायसवाल ने बताया कि आर्यनगर विधानसभा क्षेत्र में युवा कल्याण विभाग द्वारा सांसद-विधायक खेल स्पर्धा 18 से 20 नवंबर 2025 तक आयोजित होगी। प्रतियोगिताओं में कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबॉल, फुटबॉल, जूडो, बैडमिंटन, भारोत्तोलन, एथलेटिक्स, शतरंज, रस्साकसी एवं खो-खो जैसी विभिन्न खेल विधाओं का आयोजन पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में कराया जाएगा।

सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगा बीएस-4

कानपुर। बीएस-4 कानपुर मंडल की लक्ष्मीपुरवा कार्यालय में बैठक हुई जिसकी मंडल के मुख्य प्रभारी अध्यक्षता संजय सिंह ने की। संचालन मंडल प्रभारी फूलमती गौतम ने किया। सर्वसम्मत से तय हुआ कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में बीएस-4 प्रदेश की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारेगा जिसके लिए कानपुर मंडल में आने वाली मलिन व दलित बस्तियों में जागरुकता अभियान चलाया जाएगा।

उद्यमियों के बीच चर्चा

कानपुर। लघु उद्योग भारती कानपुर संभाग की ओर से मंगलवार को होटल लैंडमार्क में कार्यक्रम होगा जिसमें एसजीएसटी के एडिशनल कमिश्नर आरएस विद्यार्थी और पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सुमन उद्यमियों के बीच चर्चा करेंगे। लघु उद्योग भारती की महिला इकाई की अध्यक्ष प्रेरणा वर्मा ने बताया कि में अधिकारी एसजीएसटी और प्रदूषण से संबंधित चुनौतियों के हल की जानकारियां देंगे। अपने विभागों से जुड़ी हुई उद्यमीयो की समस्याओं और समाधान पर भी चर्चा करेंगे।

मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ. महेंद्र सिंह का पदयात्रा में स्वागत किया गया। अमृत विचार

शास्त्री नगर में स्कूली बच्चों ने स्वागत किया। अमृत विचार

नेताओं की परीक्षा और कामकाज की समीक्षा

- भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष कल आएंगे
- कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के जिलों के नेताओं की बैठक लेंगे

विशेष संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष 19 नवम्बर को कानपुर प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वह कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जिलों की संगठनात्मक कामकाज की समीक्षा करेंगे।

क्षेत्रीय बैठक में जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, जिला प्रवासी, सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित संगठन के प्रमुख पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। बी.एल. संतोष पार्टी द्वारा संचालित चल रहे अभियानों एवं कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा करेंगे तथा आगामी संगठनात्मक योजनाओं पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। बताया जाता है कि पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों, विधायकों और सांसदों के साथ बातचीत कर उनके कामकाज के बारे में पूछेंगे। पार्टी के अभियानों और कार्यक्रमों में किसने कितनी दिलचस्पी ली, यह भी फीडबैक लेंगे और फिर आगे की रणनीति तय करेंगे। बिहार चुनाव के बाद इस बैठक को भाजपा की चुनावी तैयारी के मद्देनज़र महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा का राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष भी शीघ्र ही तय होना है। साथ ही लंबित क्षेत्रीय और जिला कामेटियों के अलावा बोर्ड, आयोग का गठन और सभासदों का मनोनयन भी होना है। इस बैठक के दौरान कामकाज की समीक्षा के बाद इसे अंजाम दिया जाएगा। इसी क्रम में सोमवार को देर शाम भाजपा क्षेत्रीय मुख्यालय, कानपुर में क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल की अध्यक्षता में तैयारियों को लेकर बैठक हुई। क्षेत्रीय टोली के सदस्यों को बैठक की व्यवस्थाओं से संबंधित विभिन्न दायित्व सौंपे गए सभी से कहा गया है होमवर्क करके ही बैठक में आएं। क्षेत्रीय महामंत्री पूनम द्विवेदी, जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, अनूप अवस्थी, मोहित सोनकर, आलोक शुक्ला, वीरेंद्र तिवारी, पवन पांडे, जितेंद्र सचान, संदीप ठाकुर थे।

बी.एल. संतोष।

सरदार पटेल और भारत माता की जय के नारे

गोविंद नगर विधानसभा में आयोजित की गई एकता यात्रा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर सोमवार को गोविंद नगर विधानसभा में एकता यात्रा आयोजित की गई। सुबह 9 बजे रामलला विद्यालय रावतपुर से निकली यात्रा रावतपुर बाजार नमक फैक्ट्री चौराहा, डबल पुलिया होते हुए शास्त्री नगर छैया चौराहा पहुंची। इसके बाद शास्त्री नगर पुलिस चौकी से ज्ञान निकेतन स्कूल लक्ष्मी अतिथि गृह से लेबर कॉलोनी के अंदर से राहुल स्वीट होकर विजयनगर गंदा नाला चौराहा से पहले फल मंडी पहुंची जहां सभा का भी आयोजन किया गया। पदयात्रा के दौरान जगह-जगह स्वागत किया गया। यहां मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के प्रभारी पूर्व मंत्री एमएलसी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि सरदार साहब के आदर्शों, राष्ट्रभक्ति, संगठन शक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संदेश को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि पदयात्रा देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने और सरदार पटेल के योगदान को स्मरण करने का अवसर है। विधायक सुरेंद्र मैथानी के नेतृत्व में निकली यात्रा में सरदार वल्लभभाई पटेल अमर रहें, भारत माता की जय के नारे लगे। ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ जय श्रीराम के उद्घोष से पूरी पदयात्रा गूंज उठी। जगह-जगह यात्रा का फूल बरसाकर स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, सुनील बजाज, दीपू पांडे, मनोज सिंह एडवोकेट, दीपक सिंह, सत्येंद्र पांडे, मंडल अध्यक्ष दीपक शुक्ला, सुमित पावा, विजय पटेल, देवेंद्र द्विवेदी, अवधेश सोनकर, पार्षद घनश्याम गुप्ता, नीरज गुप्ता, गुंजन शर्मा, नीरज कुरील, नीरज रक्सेल, कविता वीरेंद्र चौहान, आरती त्रिपाठी, किरन तिवारी, शीलू त्रिपाठी, अवधेश सोनकर, प्रेमसिंह आदि रहे।

पार्टी कार्यालय में वीरांगना ऊदा देवी पासी को दी गई श्रद्धांजलि। अमृत विचार

देशवासियों के लिए प्रेरणा हैं वीरांगना ऊदा देवी

कानपुर। केशव नगर स्थित भाजपा दक्षिण पार्टी कार्यालय में सोमवार को वीरांगना ऊदा देवी पासी के बलिदान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता में वीरों और वीरांगनाओं का योगदान अविस्मरणीय है और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता समर का केंद्र बिंदु उत्तर प्रदेश रहा है। शहीद मंगल पांडे, वीर सिंह कोलवाल, महारानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे और ऊदा देवी जैसे महानायक और अंग्रेजी हुकूमत से लोहा लेने वाले अनगिनत क्रांतिकारियों की गाथाएं आज भी प्रेरणा देती हैं। राम बहादुर यादव ने कहा कि विदेशी शक्तियां जब हमारे देश पर कब्जा करना चाह रही थीं, तब देशवासियों ने एकजुट होकर अंग्रेजी हुकूमत का विरोध किया। ऊदा देवी ने महिला शक्ति की अदम्य साहसिकता का परिचय दिया था। उन्होंने 1857 के युद्ध में अंग्रेजी सेना के 32 सैनिकों को अपने अद्भुत साहस और शौर्य के बल पर मार गिराया था। वीरांगना ऊदा देवी का बलिदान हर भारतीय के लिए प्रेरणादायक है। संजीव बेरी ने कहा कि उनका देश की आजादी और समाज के स्वाभिमान के लिए उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान गणेश शुक्ला, जसविंदर सिंह, मनीष त्रिपाठी,अनुराग शुक्ला, अरविंद वर्मा, ज्ञानू अवस्थी, शिवम मिश्रा, एलबी पटेल, बीएल पांडेय बिट्टू परिहार, प्रवीण मिश्रा ,पंकज द्विवेदी, अशोक त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

कर्मचारी नामांकन अभियान की शुरुआत

कानपुर। प्रधानमंत्री-विकसित भारत रोजगार योजना एवं कर्मचारी नामांकन अभियान 2025 (ईईसी 2025) की शुरुआत की गई। इस मौके पर लेदर क्लस्टर, उन्नाव व सहायक श्रम आयुक्त, उनाव भी मौजूद रहे। भविष्य निधि के क्षेत्रीय आयुक्त प्रतीश सिंह द्वितीय की अगुवाई में उन्नाव के लेदर क्लस्टर प्रतिष्ठानी के साथ जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। आयुक्त ने बताया कि केंद्र सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार योजना व श्रमिकों के व्यापक कवरेज के उद्देश्य से 'कर्मचारी नामांकन अभियान 2025' (ईईसी-2025) की शुरुआत की गयी है।

पूर्व राष्ट्रपति ने की गंगा आरती

कानपुर। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सोमवार दोपहर बिठूर पहुंचे। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, विधायक अभिजीत सिंह सांगा आदि ने उनका स्वागत किया। इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति ने पुराना बिठूर में गौशाला से थोड़ी दूर पर गुरुकुल आश्रम की भूमि को देखा। वे मैनावती मार्ग होते हुए पत्थर घाट पहुंचे। घाट पर गंगा पूजन और आरती की। इससे पहले सर्किट हाउस में महापौर प्रमिला पांडेय व अन्य भाजपा नेताओं ने उनसे मुलाकात की। अमृत विचार

मेट्रो के कॉरिडोर-2 डिपो में सिग्नलिंग का कार्य शुरू

- 27 पॉइंट मशीन, 31 सिग्नल और 55 एक्सल काउंटर लगाए जाएंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-2 के सीएसए यूनिवर्सिटी परिसर स्थित निर्माणाधीन डिपो में सिग्नलिंग प्रणाली के इंस्टॉलेशन का कार्य शुरू हो गया। डिपो में सोमवार को पहला पॉइंट मशीन इंस्टॉल की गई। सिग्नलिंग एवं टेलीकॉम विभाग के अपर महाप्रबंधक दीपक पांडे, सेफ्टी विभाग के अपर महाप्रबंधक प्रीतिश प्रकाश परिदा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दीपक पांडे ने बताया कि डिपो में कुल 27 पॉइंट मशीन स्थापित की जाएंगी। पॉइंट मशीन सिग्नलिंग प्रणाली का महत्वपूर्ण घटक है, जिसका उपयोग ट्रैक के टर्नआउट को संचालित, लॉक एवं मॉनिटर करने के लिए किया जाता है। यह उपकरण ट्रेनों को एक लाइन से दूसरी लाइन पर सुरक्षित और स्वचालित रूप से शिफ्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बता दें कि कॉरिडोर-2 डिपो में कुल 15 ट्रैकों के निर्माण की योजना है, जिनका विभिन्न कार्यों में विभाजन किया गया है। 4 लाइनों का प्रयोग वर्कशॉप के लिए, 4 का स्टेबलिंग, 4 का शंटिंग, 1 का कोच अनलोडिंग, 1 का पिट व्हील और 1 का टेस्ट ट्रैक के रूप में प्रयोग किया जाना है।

यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने बताया, "कॉरिडोर-2 की ट्रेनों के संचालन एवं रखरखाव के लिए सीएसए परिसर में अत्याधुनिक डिपो विकसित किया जा रहा है। भविष्य में इस डिपो में ही कॉरिडोर-2 की ट्रेनों की अनलोडिंग की जाएगी।

सिग्नलिंग प्रणाली के इंस्टॉलेशन का शुभारंभ किया गया। अमृत विचार

301 मीटर का टेस्ट ट्रैक

- 301 मीटर लंबे टेस्ट ट्रैक पर भी सिग्नलिंग उपकरण लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। यहां मेनलाइन जैसा सॉफ्टवेयर और सिग्नलिंग सेटअप लागू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त एक्सल काउंटर, ट्रेन रेडियो एक्सेस एंटीना की मार्किंग व फाउंडेशन कार्य तथा सिग्नल इक्विपमेंट रूम का निर्माण प्रगति पर है।

शिविर में सैकड़ों लोगों की जांच और दी निशुल्क दवा

- चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ हेमंत मोहन का सम्मान किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विश्व हिंदू महासम्मेलन एवं राष्ट्रीय महाधिवेशन गोरखपुर में चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ हेमंत मोहन ने योगी प्रेक्षाग्रह में निशुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर लगाया। इस शिविर में डॉ हेमंत मोहन और उनकी टीम ने भारत एवं बाहर से आए 1250 से अधिक लोगों का परीक्षण किया। उच्च रक्तचाप, शुगर, जुखाम, खांसी, बुखार, जोड़ों में दर्द, चर्म रोग, गुर्दे में पथरी के साथ डेंगू, चिकनगुनिया के बाद शरीर में कमजोरी की निशुल्क होम्योपैथिक दवाएं निशुल्क वितरित की गईं।

शिविर का शुभारंभ धर्मार्थ प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ हरिओम पाठक और विश्व हिंदू महासंघ के अध्यक्ष भिखारी प्रजापति जी ने किया। इस मौके पर डॉ हेमंत मोहन को उनके अभूतपूर्व स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए हनुमान जी की गदा, तलवार, और प्रतीक चिन्ह गीता प्रेस गोरखपुर की पुस्तक एवं भगवा वस्त्र पहनकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यानंद जी महाराज, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री तेजपाल सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता विक्रम गोस्वामी, प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राणा, राष्ट्रीय अध्यक्ष अस्मिता भंडारी, शुभम शर्मा समेत 3000 से अधिक लोग उपस्थित रहे।

शिविर में डॉ. हेमंत मोहन का सम्मान किया गया। अमृत विचार

देशभक्ति-त्याग का प्रतीक थे लाला जी

- निर्वाण दिवस पर कांग्रेस ने पुष्प अर्पित किए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लाला लाजपत राय के निर्वाण दिवस पर कानपुर महानगर कांग्रेस द्वारा यूको बैंक चौराहा लाजपत नगर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए। लाला लाजपत राय अमर रहें के नारे लगे।

महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि लाला लाजपत राय जिन्हें पंजाब केसरी कहा जाता है, उनका 17 नवंबर 1928 को साइमन कमीशन के विरुद्ध शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस लाठीचार्ज में घायल होने के कारण निधन हो गया था। मुख्य वक्ता पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्रा ने कहा कि वे पंजाब में स्वदेशी, शिक्षा और सामाजिक सुधारों के अग्रदूत थे। उन्होंने कहा कि वे आजादी के लिए लाल-बाल-पाल तिकड़ी (लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, बिपिन पाल) के प्रमुख नेता थे। अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि लाला जी सदैव राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और त्याग के प्रतीक के रूप में याद किए जाएंगे। संचालन दीपक धवन ने किया। पूर्व अध्यक्ष हरप्रकाश अग्निहोत्री, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष अनिल यादव, पार्षद अमनदीप सिंह गम्भीर, बृजेश गुप्ता, अजय श्रीवस्तव शीलू, सैमुअल लकी सिंह, बृजेश शर्मा थे।

राजनीति

सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए कोऑर्डिनेटर तय, किदवई नगर और छावनी से शहर अध्यक्ष पवन गुप्ता के बेटे भी शामिल

कांग्रेस शहर अध्यक्ष के दोनों बेटों के लिए राजनीतिक गोटियां 'सेट'

- कामकाज की होगी समीक्षा और फिर मिलेगा चुनाव लड़ने का मौका, एसआईआर के दौरान निगरानी का काम शुरू

विशेष संवाददाता कानपुर

अमृत विचार। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है और इस कड़ी में सभी क्षेत्रों में कोऑर्डिनेटर बना दिए हैं, जो एसआईआर की निगरानी के साथ संगठन की मजबूती पर भी ध्यान देंगे। इन कोऑर्डिनेटरों को 2027 में दावेदार भी बताया जा रहा है। दरअसल कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व ने हर विधानसभा क्षेत्रों के प्रभावशाली और सक्रिय कांग्रेस नेताओं की सूची मांगी थी, ताकि एसआईआर की निगरानी के साथ संगठन की मजबूती पर भी काम हो सके। संकेत यह भी दिया गया कि इनमें से समर्पण से काम करने वालों को विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

इसके बाद कानपुर जिले से नेताओं की सूची भेज दी गई। खास बात यह कि इसमें शहर अध्यक्ष पवन गुप्ता के एक बेटे का अभिमन्यु गुप्ता का नाम किदवई नगर और दूसरे सिद्धार्थ काशीवार का नाम छावनी विधानसभा क्षेत्र से है और इन्हें भी कोऑर्डिनेटर बना दिया गया है। इसे लेकर पार्टी के स्थानीय नेताओं में खुसुर-फुसुर शुरू हो गई। ऊपर तक शिकायत की गई। कहा गया कि अभिमन्यु सपा तो सिद्धार्थ भाजपा के लिए काम करते रहे हैं, अभिमन्यु तो सपा के टिकट पर विधानसभा का चुनाव भी लड़ चुके हैं। लेकिन पवन गुप्ता इसका खंडन करते हैं। सबसे ज्यादा नौ नाम गोविन्दनगर और तीन -तीन नाम बिठूर और बिल्हौर से हैं।

पवन गुप्ता।

अभिमन्यु गुप्ता।

ये हैं प्रमुख नाम

- गोविन्दनगर-करिश्मा ठाकुर, जेपी पाल, प्रतिभा अटल पाल, कृष्ण मणि सिंह, अमनदीप सिंह, प्रभात मिश्रा, अवनीश सलूजा, महेन्द्र त्रिपाठी और शक्ति पांडे।
- कल्याणपुर-उमेश दीक्षित, नरेश चंद्र त्रिपाठी, सुमन तिवारी, ममता तिवारी और अरविंद सिंह।
- सीसामऊ-हर प्रकाश अग्निहोत्री, संजीव द्विवेदी, नौशाद आलम, सुहैल अहमद और हाजी मोहम्मद वसीक।
- आर्यनगर-शरद मिश्रा, अरविंद चतुर्वेदी, मदन मोहन शुक्ला, निजामुद्दीन खां, कृपा शंकर त्रिपाठी और अमन त्रिपाठी।
- किदवई नगर-विकास अवस्थी, अजय प्रकाश तिवारी, अभिमन्यु गुप्ता, आनंद शुक्ला, पूजा भारद्वाज और अमित सिंह भदौरिया।
- छावनी-सुहैल अंसारी, हाजी वसीक खां, रितेश यादव, सिद्धार्थ काशीवार, इकलाख अहमद डेविड और नुरेन अहमद।
- महाराजपुर-संदीप शुक्ला, अंकित कनौजिया, कनिष्क पांडे और राजू कश्यप।
- घाटमपुर-कृपा शंकर शंखवार, नंद राम सोनकर, दीन बाबू सोनकर और विकास सोनकर।
- बिल्हौर-उषा रानी कोरी, अनिल धानविक और आनंद वर्मा।

यह प्रभावशाली नेताओं की सूची है, दावेदार नहीं

- शहर अध्यक्ष पवन गुप्ता का कहना है कि प्रभावशाली नेताओं की सूची भेजी थी, जिसे नेतृत्व ने कोऑर्डिनेटर बनाया है। इन्हें एसआईआर निगरानी, संगठन के लिए काम करने संपर्क करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। ये दावेदार नहीं हैं। हां, अच्छा काम करने और पार्टी के मानकों पर खरा उतरने पर प्रत्याशी बनाया जा सकता है। मेरे बेटे कभी सपा और भाजपा में नहीं रहे। वे दावेदार भी नहीं हैं। समाज के काम करते हैं, इसलिए मौका दिया गया है।

12000 से अधिक नाम मतदाता सूची से हटेंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अभियान एसआईआर के पहले चरण में लगभग 12000 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में हटेंगे। इनमें कई मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है, कई मतदाता दूसरे स्थान पर शिफ्ट हो गये हैं और कई मतदाताओं के पास दो दो पहचानपत्र हैं।

एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ. विवेक चतुर्वेदी का कहना है कि एसआईआर अभियान पूरी तरह पादर्शिता के साथ संचालित हो रहा है। शिकायत मिलने पर जांच कराकर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। सहायक निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत घर घर पहुंचकर गणना पत्र का बड़ा लक्ष्य पूरा कर लिया गया है। 4 नवंबर से शुरु हुए अभियान के पहले 14 दिनों में बीएलओ 35 लाख 24 हजार 378 घरों तक गणना पत्र पहुंच चुके हैं। बीएलओ ने अब तक 35 लाख से अधिक घरों में गणना पत्र वितरित किया है जिसमें 12 हजार से अधिक मतदाताओं के नाम हटाने की सिफारिश की है। उनका कहना है कि इस अभियान का लक्ष्य त्रुटि रहित मतदाता सूची को शुद्ध बनाना है ताकि कोई भी पात्र मतदान से वंचित न रह जाए। अब तक 4678 मतदाता पहचान पत्र ऐसे मिले हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी है जबकि 549 मतदाता ऐसे हैं जो वर्षों से अपने पहचान-पत्र वाले मकान में नहीं रह रहे हैं।

सिटी ब्रीफ

जैन न्याय की उपयोगिता पर संगोष्ठी

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर में स्थित आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ में 18 से 24 नवम्बर तक 'भारतीय संस्कृति को जैन न्याय की उपयोगिता' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन होगा। इस संगोष्ठी में न्याय शास्त्र के विशेषज्ञों डॉ. वीरसागर, दिल्ली, डॉ. अनेकांत जैन, दिल्ली, डॉ धर्मेन्द्र जैन, जयपुर, डॉ. नरेंद्र कुमार जैन, टीकमगढ़, प्रो. धर्मचन्द्र जैन, जयपुर, डॉ. अनिल कुमार जैन, जयपुर, प्रो. अशोक कुमार जैन, कानपुर एवं प्रो. विजय कुमार जैन, दिल्ली के द्वारा न्याय शास्त्र के विभिन्न विषयों पर व्याख्यानों का आयोजन होगा। यह संगोष्ठी में व्याख्यानों का आयोजन दोपहर 2 बजे से ऑनलाइन माध्यम से आयोजित होगा | इस कार्यक्रम का संयोजन आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ निदेशक प्रो. अशोक कुमार जैन एवं आचार्य राहुल जैन, डॉ.कोमल चंद्र द्वारा कराया जायेगा।

राजन लाल हुए सम्मानित

कानपुर। शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए स्टेट अवॉर्डी शिक्षक राजन लाल को गिजुभाई बधेका शिक्षक के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय शिक्षक सारथी सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। राजन लाल ने प्राथमिक शिक्षा में गुणात्मक बदलाव, आनंददाई शिक्षण,शिक्षा में नवाचार और बाल केंद्रित शिक्षण तथा रचनात्मकता और मानवीय मूल्यों जैसे विषयों पर लेख और संपादन किया है। बच्चों के भविष्य को आकार देने में भी निरंतर लगे हुए हैं। अपने विद्यालय को आनंद घर बनाने में सार्थक प्रयासरत हैं।

8 परीक्षार्थी नकल में पकड़े गए

कानपुर। सीएसजेएमयू की सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में सोमवार को 62,269 परीक्षार्थी उपस्थित रहें। जिसमें 28167 छात्र एवं 34102 छात्रायें थी। 1864 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें जिसमें 989 छात्र व 875 छात्रायें थी। अर्मापुर पीजी कालेज में बीसीए प्रथम सेमेस्टर का 1 छात्र, डॉ वीरेन्द्र स्वरूप इन्स्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर स्टडीज के 2 छात्र तथा दयानन्द एकेडमिक ऑफ मैनेजमेन्ट, स्टडीज, गोविन्द नगर के बीसीए तृतीय सेमेस्टर के 4 छात्र व चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय, उन्नाव का 1 छात्र अनुचित साधन प्रयोग में पकड़ा गया।

ओंकारेश्वर में मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। अमृत विचार

प्रदर्शनी में मौजूद प्रतिभागी और अतिथि। अमृत विचार

विवि में ललित कला संस्थान के आयोजन में रचनात्मकता, संवेदना और आधुनिक दृष्टि का रहा संगम

'अंतर-दर्शन' समूह कला प्रदर्शनी से दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के ललित कला संस्थान की ओर से सोमवार को प्रदर्शनी आयोजित हुई। संस्थान स्थित कृतित्व कला दीर्घा में 'अंतर-दर्शन' शीर्षक के जरिए युवाओं ने प्रतिभा दिखाई। इस दौरान कला प्रेमियों ने युवाओं को टिप्स भी दिए। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलसचिव राकेश मिश्रा ने की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता, मनोभावों और आंतरिक दृष्टि को जिस संवेदनशीलता और प्रौढ़ कलाभिव्यक्ति के साथ प्रस्तुत किया है।

वह उनके भीतर छिपे कलाकार के साथ-साथ एक मनोवैज्ञानिक दृष्टा के रूप में भी परिलक्षित होता है। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री शास्त्रीय संगीत गायिका डॉ. सुमित्रा गुहा ने कहा कि कला प्रत्येक मनुष्य के भीतर किसी न किसी रूप में विद्यमान रहती है, परंतु एक सच्चा कलाकार वह है जो निरंतर साधना, लगन और आत्मअनुशासन के साथ आगे बढ़ता रहता है। प्रदर्शनी के क्यूरेटर डॉ. मंतोष यादव, सहायक प्रोफेसर, ललित कला संस्थान ने बताया कि इस प्रदर्शनी में बीएफए चतुर्थ वर्ष के पेंटिंग विभाग के 12 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनी में 30 से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। जिनमें चित्रों के साथ दो प्रभावशाली इंस्टॉलेशन कला कृतियां भी शामिल रहीं। ये इंस्टॉलेशन आधुनिक समाज की जटिलताओं, मीडिया की बदलती भूमिका और सोशल मीडिया के मानव-मन पर पड़ने वाले प्रभावों को दर्शाती हैं।

देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करें

- **कानपुर।** ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। शिविर के अंतिम दिन मुख्य अतिथि के रूप में जिला सचिव भारत स्काउट और गाइड कानपुर नगर सर्वेश तिवारी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सबने इस तीन दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होकर अनेक प्रकार के प्रशिक्षण प्राप्त किये। स्काउट को सबसे पहले ईश्वर और देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करना, दूसरों की सेवा करना, प्रत्येक दिन भलाई का एक कार्य करना और स्काउट नियमों का पालन करना चाहिए। समारोह में ओंकारेश्वर ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के वरिष्ठ संरक्षक डॉ. अंगद सिंह व प्रबंध निदेशक डॉ. पूजा अवस्थी ने भी विचार व्यक्त किए। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य राममिलन सिंह, आराध्या सिंह गौड़, मिथिलेश पांडेय, प्रीति तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप के लिए यूपी की टीम चुनी गई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ओडिशा के सम्भलपुर में 2 से 6 दिसंबर तक राष्ट्रीय रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप होगी

अमृत विचार। यूपी साइकिलिंग एसोसिएशन की ओर से ओडिशा के सम्भलपुर में 2 से 6 दिसंबर तक राष्ट्रीय रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप होगी। इसके लिए ट्रायल के आधार पर यूपी की टीम का सिलेक्शन किया गया। ट्रांस गंगा सिटी में हुए ट्रायल में प्रदेश भर के 80 से ज्यादा साइकिलिस्ट ने दावेदारी पेश की। सब जूनियर बॉयज कैटेगरी में शहर के राजवीर यूपी टीम में जगह बनाने में सफल रहे।

यूपी साइकिलिंग एसोसिएशन के महासचिव आरके गुप्ता ने बताया कि चैंपियनशिप के लिए कानपुर के नदीम अहमद को मैनेजर, अयोध्या के अवधेश कुमार को कोच बनाया गया है। वहीं बॉयज कैटेगरी में किरन पाल सिंह कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने बताया कि सीनियर मेल कैटेगरी में बुलंदशहर के दक्ष चौधरी, मेरठ के वासु गौड़, गाजियाबाद के दीपक सिंह, लखनऊ के रवि सिंह, नोएडा के राजू शाह और आगरा के मनीष का सिलेक्शन हुआ। मेल कैटेगरी में एटा के आकाश वर्मा, मेरठ के विवेक पनवर, गाजियाबाद के आशीष राठौर, अयोध्या के सचिन चौरसिया, जूनियर बॉयज कैटेगरी में गाजीपुर के विपुल यादव, मीरजापुर के संदीप बिंद, मेरठ के अतुल चौधरी, लखनऊ के देव मिश्रा, प्रतापगढ़ के देवेश कुमार वैश्य का चुनाव हुआ। इसी तरह सब जूनियर कैटेगरी में मेरठ के दक्ष, मीरजापुर के सूर्यकुमार, कानपुर के राजवीर, लखनऊ के शौर्य, यूथ बालक वर्ग में अयोध्या के अभ्युदय राव, सीनियर महिला वर्ग में लखनऊ की कुसुम लता, रत्ना सेन, अयोध्या की चांदनी, तथा यूथ गर्ल्स वर्ग में लखनऊ की काव्या, प्राकृति व त्रिशा का सिलेक्शन उप्र की टीम में हुआ।

बेंगलुरु में अभय ने जीता स्वर्ण

कानपुर। बेंगलुरु में 14 और 15 नवम्बर को आयोजित राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग और बेन्च-प्रेस प्रतियोगिता में शहर में राजीव ने स्वर्ण पदक जीता। 51 किलो वजन कैटगरी में पक्का तालाब कालोनी मसवानपुर निवासी अभय सिंह ने यह कमाल दिखाया। अभय सिंह एसएएफ डिफेन्स इम्पलाईज यूनियन के महामंत्री राजीव सिंह के बेटे हैं।

पदक के साथ अभय।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का स्वागत किया गया। अमृत विचार

- जुगल देवी सरस्वती विद्या मन्दिर में हुआ वार्षिकोत्सव

अमृत विचार। जुगल देवी सरस्वती विद्या मन्दिर में सोमवार को वार्षिकोत्सव व सांस्कृतिक समारोह आयोजित हुआ। समारोह के दौरान स्कूली बच्चों ने मंच पर सांस्कृतिक आयोजनों के जरिए प्रतिभा दिखाई। समारोह के दौरान बच्चों को ईमानदारी व देशप्रेम का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय संगठन मंत्री विज्ञान भारती मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'दीपदान' रहा जो पन्नाधाय के जीवन वृत पर आधारित एक लघुनाटिका थी। इसमें विद्यार्थियों ने देश प्रेम, त्याग और बलिदान की भावनाओं को प्रस्तुत किया। समारोह में मुख्य अतिथि शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल आधार त्याग, समर्पण और सेवा है। विद्यालयों में ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में मील का पत्थर साबित होते हैं। विशिष्ट अतिथि शिवकुमार ने कहा कि भारत की शक्ति उसके युवाओं में निहित है। जब शिक्षा में संस्कार जुड़ते हैं, तब राष्ट्र का भविष्य उज्जवल बनता है। कार्यक्रम का संयोजन समीर दीक्षित, अमित गुप्ता, सूरज श्रीवास्तव ने किया। संचालन आशीष द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भवानी भीख (प्रांत संघचालक), श्रीराम (प्रांत प्रचारक) सहित अन्य मौजूद रहे।

पांडुनगर गुरुद्वारा रोड बदहाल

कानपुर। अति व्यस्त और पॉश इलाकों में शुमार पांडु नगर की मुख्य सड़क साल भर से ज्यादा समय से बदहाल पड़ी है। शास्त्री नगर मोड़ से लेकर गुरुद्वारे के आगे तक रोड पर दजनों गड्ढे हैं जिनपर दोपहिया वाहन सवार अक्सर डगमगा जाते हैं। कई गड्ढे से दो मीटर से भी ज्यादा चौड़े हैं। गड्ढों से गिट्टी और बजरी निकलकर भी फैल गई है जिसपर वाहन रपट जाते हैं। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि आसपास की गलियों में पैचवर्क और सड़क निमार्ण करा दिया गया है लेकिन मुख्य सड़क का कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसके अलावा सड़क किनारे भारी मात्रा में मौरंग जमा है जो बिखर कर सड़क तक आ गई है। इससे रास्ता रुकता है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं IMTIYAZ S/O LATIF निवासी 125/1 वीरपुर बगही पोस्त बीरपुर थाना सिरसिया जिला श्रावस्ती रहने वाला हूं। अब मैंने अपना नाम बदलकर KANE रख लिया है। अब मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना हुआ पहचाना जाए।

सूचना

मैने अपना नाम NIAMAT ALI से बदलकर NIYAMAT ALI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **FATHER NAME - RAHMAT ALI ADD - 3/170 VIKAS KHAND GOMT NAGAR DIST - LUCKNOW - 226010 (U.P).**

सूचना

सूचित हो कि मै केता पत्नी शिव बालक निवासी ग्राम पोस्ट मूसापुर तहसील लालगंज रायबरेली की हूं। मेरा दूसरा नाम रामरती भी है। मुझे केता उर्फ रामरती पत्नी शिव बालक निवासी उपरोक्त जाना जाये।

सूचना

मेरा नाम आधार कार्ड में राम स्वरूप अंकित है, जो शुद्ध व सही है। जबकि अन्य दस्तावेजों में अंकित नाम स्वरूप राम गलत है। यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। **राम स्वरूप पुत्र रमेश निवासी ग्राम झामपुर, परगना सरेनी, तहसील लालगंज, जिला रायबरेली।**

सूचना

मेरा पहले नाम HANIFA PARVEEN था। अब मैने अपना नाम बदलकर SONI KHATOON कर लिया है। मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाये। **SONI KHATOON W/O MOHD HAMID RAZA, निवासी नई बाजार, चौक बाजार बलरामपुर।**

सूचना

मेरा पहले नाम MOHAMMAD QAVI ANSARI था। अब मैने अपना नाम बदलकर ABDUL QAVI ANSARI कर लिया है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **ABDUL QAVI ANSARI S/O ABUL KALAM ANSARI ग्राम भीखमपुर पोस्ट कटरा शंकर नगर बलरामपुर।**

सूचना

मैने अपना नाम HAMZA AHMAD से बदलकर HAMZA ALI AHMED रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **FATHER NAME- MOHAMMED AHMED ADD - PLOT NO-32 BARAURA HUSSAIN BARI, MARI MATA MANDIR, HASRAT TOWN. DIST-LUCKNOW - 226003 (U.P)**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री सौम्या की जन्मतिथि त्रुटिवश 01-01-2010 शैक्षिक अभिलेखों में अंकित हो गई है। जिसकी वास्तविक जन्मतिथि 12-08-2012 आधार कार्ड पर अंकित है, शैक्षिक व अन्य अभिलेखों में दर्ज कर सही माना जाए। **शिवपाल निवासी ग्राम व पोस्ट ईश्वरपुर साई परगना मल्लावां हरदोई।**

सूचना

मैं महेश कुमार (MAHESH KUMAR) पुत्र बाबूलाल निवासी ग्रा. तिवारीपुर कला पो. भोजपुर विकासखंड व थाना सरेनी त. लालगंज जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरी पुत्री का नाम स्नेहा (SNEHA) व जन्मतिथि 01-05 2009 सही एवं वास्तविक है। जबकि आधार में जन्मतिथि 01-01-2009 व नाम अंशिका गुप्ता गलत अंकित हो गया है।

सूचना

मैं सुरेन्द्र बहादुर पुत्र श्रीपाल ग्रा. पूरे नजरी मजरे कूढ़ा चक सगुनपुर थाना गाड़गंज प. त. डलमऊ जिला रायबरेली का निवासी हूं। मैं अपने बेटे संजय कुमार के गलत आचरण से परेशान होकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में मेरे बेटे संजय कुमार द्वारा किए गए किसी भी कृत्य से मै और मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र मोहम्मद नदीम को उसके खराब चाल-चलन एवं मेरे साथ हर समय लड़ाई-झगड़ा, गाली-गलौज करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति के बेदखल कर दिया है। अब उसके द्वारा किये गये किसी भी कार्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार का उससे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **मोहम्मद रईस पुत्र स्व0 श्री मो0 अली निवासी- 482/92, भाण्डों टोला, इरादतनगर, लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि, मैं Shabana Khan पत्नी Sarfaraz Ahmad Khan निवासिनी:- 290/396, अनुपमनगर, मोतिझील ऐशबाग, लखनऊ की हूँ, मेरा नाम Shabana Khan हैं, त्रुटिवश मेरे पति के पासपोर्ट में Shahida Bano अंकित हो गया हैं, जो कि यह मेरा नाम घर में पुकारने वाला हैं, मेरे सारे दस्तावेजों पासपोर्ट, निकाहनामा में मेरा नाम Shabana Khan हैं, अतः पति के पासपोर्ट में मेरा नाम Shabana Khan अंकित किया जाये।

सूचना

सूचित हो कि, मैं Sarfaraz Ahmad Khan पुत्र Jawwad Ahmad Khan निवासी:- 290/396, अनुपमनगर, मोतिझील ऐशबाग, लखनऊ का हूँ, मेरे नाम में Sarfaraz की स्पेलिंग Sharfaraz अंकित हैं, जो गलत हैं, मेरे सारे दस्तावेजों में मेरा नाम Sarfaraz Ahmad Khan अंकित हैं, अतः मेरे नाम को Sarfaraz Ahmad Khan लिखा जाये।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम नगर पालिका परिषद खैराबाद जिला सीतापुर के अभिलेखों में बुशरा अंकित हो गया है जबकि मेरे आधार कार्ड व हाई स्कूल प्रमाण पत्र तथा अन्य दस्तावेजों में बेबी बुशरा अंकित है मेरे आधार कार्ड व हाई स्कूल प्रमाण पत्र में जो नाम बेबी बुशरा अंकित है वह नाम सही व सत्य है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **बेबी बुशरा पुत्री मो. जावेद निवासी मोहल्ला कमाल सरायं करबा व थाना खैराबाद तहसील व जिला सीतापुर**

पुस्तक मेले में मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। अमृत विचार

रोल ऑफ सोसाइटी पर चर्चा

कानपुर। कानपुर पुस्तक मेले में मुस्कुराए कानपुर द्वारा विजन कानपुर 2047 रोल ऑफ सोसाइटी पर परिचर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरुआत रिटायर्ड आईपीएस रतन कुमार श्रीवास्तव व डॉ सिधांशु राय द्वारा की गई। मुख्य वक्ता रतन कुमार श्रीवास्तव ने बृहद दृष्टिकोण के साथ कार्य करने पर बल दिया। डॉ सुधांशु राय ने कहा कि सामाजिक संस्थाएं एक साथ कार्य करें तो शहर का स्वरूप बदल सकती है। शिक्षाविद दीपिका श्रीवास्तव ने कहा मुस्कुराए कानपुर का उद्देश्य मिशन हैप्पीनेस है। हैप्पीनेस सेंटर और हैप्पीनेस स्कूल की भी स्थापना की जाए। परिवर्तन संस्था के राजेश ग्रोवर ने कहा एक ऐसी संस्था बने जो सर्वांगीण विकास पर कार्य करें। मोटिवेशनल काउंसलर वंदना श्रीवास्तव ने कानपुर को हैप्पीनेस पर कार्य करने को कहा राहुल दीक्षित ने मानवीय मूल्य की शिक्षा पर बल दिया।

आसानी से होगा रोजगार संगम पर पंजीयन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शिक्षण संस्थानों में अधिकारी खुद जाकर भराएंगे आवेदन
- युवाओं को पोर्टल और विदेश नौकरी के बारे में बताएंगे

अमृत विचार। रोजगार संगम पोर्टल पर युवाओं को पंजीकरण कराना अब और अधिक आसान होगा। सेवायोजन विभाग से जुड़े अधिकारी अब उनके शिक्षण संस्थानों में जाकर खुद युवाओं के पंजीकरण कराएंगे। इस दौरान शिक्षण संस्थान का भी रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर होगा। पूरे जिले में पोर्टल पर सिर्फ 153 संस्थान ही पंजीकृत हुए हैं।

सेवायोजन विभाग का रोजगार संगम पोर्टल परर तकनीकी संस्थानों व उसमें पढ़ाई करने वाले युवाओं का पंजीकरण होना है। इस पोर्टल से युवाओं को विदेश तक की नौकरी करने में सहायता मिल सकेगी। पूरे जिले में 272 ऐसे संस्थान है जिनका पंजीकरण पोर्टल पर होना है। पोर्टल पर अब तक लगभग 26 हजार युवा पूरे जिले में अपना रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर करा चुके हैं। पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराने के लिए दिसंबर महीने के दूसरे सप्ताह से अधिकारी खुद संस्थानों में जाकर ऑनलाइन पोर्टल में पंजीकरण कराएंगे। इसके अलावा अधिकारी छोटी कार्यशाला के माध्यम से युवाओं को पोर्टल के लाभ भी बताएंगे। सहायक निदेशक सेवायोजन उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि पोर्टल युवाओं को उनके शिक्षण संस्थानों में खुद जाकर अधिकारी पंजीकरण कराएंगे।

काउंसिलिंग भी होगी

- रोजगार संगम पोर्टल पर युवाओं को अधिकारी मौजूद सुविधाएं भी बताएंगे। पोर्टल की खासियत यह है कि इसमें युवा ऑनलाइन काउंसिलिंग की सुविधा का लाभ भी पोर्टल पर ही उठा सकेंगे। करियर काउंसलर का भी पंजीकरण कराया जा रहा है। फिलहाल पोर्टल पर 80 से अधिक काउंसलर का पंजीकरण हो चुका है। युवाओं की ओर से पोर्टल पर डाली जाने वाली प्रोफाइल के आधार पर ही उन्हें नियोक्ता संपर्क कर सकेंगे। इसके लिए नियोक्ता का भी पंजीकरण पोर्टल पर कराया जा रहा है।

विदेश तक की नौकरी

- सेवायोजन विभाग के अधिकारियों की ओर से बताया गया कि पोर्टल पर युवाओं को विदेश तक की नौकरियां ऑफर होती है। फिलहाल पोर्टल पर इजराइल, जापान, यूएई सहित अन्य देशों में कार्य करने वाले युवाओं की तलाश की जा रही है। संस्थानों में युवाओं के बीच जाकर पोर्टल के लाभ बताने वाले अधिकारियों की टीम बनाए जाने का कार्य विभाग में शुरू हो गया है। 22 नवंबर तक सभी टीमों को तैयार कर उन्हें लक्ष्य दिया जा सकेगा।

वाहे गुरु

हिंदुत्व की रक्षा के लिए श्री गुरु तेग बहादुर साहिब ने शहादत दी थी

नगर कीर्तन में दिखेगी औरंगजेब की क्रूरता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उनके तीन शिष्यों को भी शहीद करने में सारी हदें पार कर दी गईं

अमृत विचार। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350 वें शहीदी पर्व पर 23 नवंबर से 25 नवंबर तक विभिन कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। पहले दिन 23 नवंबर को गुरुद्वारा बाबा श्री चंद गोविंद नगर से नगर कीर्तन निकाला जाएगा। इस नगर कीर्तन के लिए कई चित्र प्रदर्शनी की तैयारियां चल रही हैं जिसमें ये दर्शाया गया है कि हिंदुत्व की रक्षा के लिए आगे आए श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी एवं उनके शिष्यों के साथ किस प्रकार औरंगजेब ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। ये शहीदी पर्व श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के द्वारा मनाया जाएगा।

सोमवार को श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर की अशोक कार्यालय में बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता सभा के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह ने की। बैठक में सभा के प्रधान सरदार सिमरनजीत सिंह, प्रिंस वासु, सुखप्रीत सिंह बंटी, गुरविंदर सिंह आदि मौजूद रहे। चेयरमैन ने कहा कि नगर कीर्तन में झांकियों के माध्यम से लोगों को ये संदेश दिया जाएगा कि औरंगजेब ने किस प्रकार क्रूरता की थी।

चेयरमैन ने कहा कि 1675 में औरंगजेब के अत्याचार के विरोध में कश्मीरी पंडित कृपाराम के साथ लगभग 500 कश्मीरी पंडित श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के पास सुरक्षा के लिए पंजाब में अनंतपुर साहिब आए थे और गुरु महाराज को बताया कि औरंगजेब ब्राह्मणों से तिलक जनेऊ उतारकर इस्लाम धर्म स्वीकार करने का दबाव बना रहा है। इसके बाद श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जत्थे के साथ दिल्ली के रवाना हो गये। आगरा में औरंगजेब के सिपहसालार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गुरु महाराज के साथ तीन शिष्य भाई मतीदास, भाई सतीदास, भाई दयाला को भी कैद करके दिल्ली ले जाया गया। गुरु महाराज के एक लोहे के पिंजरे में इस प्रकार रखा गया तो वे हिल भी नहीं सकें।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के सामने ही उनके तीनों शिष्यों को शहीद किया गया कि शायद गुरु महाराज डर कर इस्लाम धर्म कबूल कर लें लेकिन उसके बाद भी वह नहीं डरे तो सिपाहियों ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शीश काट कर उन्हें शहादत दे दी। सरदार कुलदीप सिंह ने प्रमुख सचिव को पत्र लिखा है कि 25 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी पर्व पर सावर्जनिक अवकाश घोषित करें।

इतनी दर्दनाक शहादत को अंजाम दिया

- भाई मतीदास : औरंगजेब के सिपाहियों ने दो पटरों के बीच इन्हें दबा दिया और फिर आरा के जरिए बीच से चीर कर शहीद कर दिया।
- भाई सतीदास : मुगल सिपाहियों ने इनका पूरा शरीर रुई में लपेटकर उसमें आग लगा जिससे उनकी दर्दनाक शहादत हो गयी।
- भाई दयाला जी : इनको खौलते तेल में बिठा दिया गया और नीचे आग लगा दी गई जिससे उन्हें शहादत मिली।

उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

पीएचडी शोधार्थियों की कक्षाएं शुरू कीं

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में पीएचडी कोर्स वर्क 2025-26 की कक्षाएं सोमवार से शुरू हो गईं। विश्वविद्यालय के छह अनुसंधान केंद्र-अटल बिहारी वाजपेयी स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज़, स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज, स्कूल ऑफ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज़, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी तथा स्कूल ऑफ टीचर एजुकेशन में यह कार्यक्रम एक साथ शुरू किया गया है। इस दौरान डीन, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ डॉ नमिता तिवारी ने कहा कि कोर्स वर्क का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण संचालन शोधार्थियों को उत्कृष्ट शोध के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा। डॉ मानस उपाध्याय ने कहा कि कोर्स वर्क का संचालन शुरू कर दिया गया है, जिससे मध्यावधि एवं सत्रांत परीक्षा समय पर होंगी।

न्यूज ब्रीफ

डीएम-एसपी ने राज्यपाल के प्रस्तावित कार्यक्रम की परखीं तैयारियां

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार। लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। सोमवार को कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेने डीएम गौरांग राठी व एसपी जय प्रकाश सिंह ने यूनिवर्सिटी पहुंचकर कार्यक्रम स्थल व परिसर का निरीक्षण किया और तैयारियों का जायजा लेने के साथ सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं के लिए संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम सुशील कुमार, एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह, एसडीएम हसनगंज प्रज्ञा पाण्डेय, सीओ हसनगंज अरविंद चौरसिया आदि अधिकारी रहे।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा की बैठक 20 नवंबर को

उन्नाव। अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा की जिला शाखा की बैठक मोर्चा के जिला संयोजक उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनुपम मिश्र की अध्यक्षता में 20 नवंबर को 3:30 बजे से निराला उद्यान में आहूत की गई है। इसमें सभी विकासखंडों के ब्लॉक अध्यक्ष, महामंत्री व अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा में शामिल सभी घटक संगठनों के जिलाध्यक्ष व महामंत्री प्रतिभाग करेंगे। बैठक में 24 नवंबर को जंतर मंतर नई दिल्ली में होने वाले धरने में जाने वाले शिक्षकों के संदर्भ में योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। यह जानकारी जिला महामंत्री रामजन्म सिंह ने दी।

गोला दगा रहा किशोर झुलसा, हुआ रेफर

बांगरमऊ। नगर के मोहल्ला नसीमगंज निवासी यामीन का 14 वर्षीय बेटा तोहित सोमवार दोपहर बाद आतिशबाज़ी का गोला दगा रहा था। तभी अचानक वह गोले की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन आनन-फानन उसे नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाज़ुक देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

रेडीमेड व्यवसायी के साथ भागी महिला

सफीपुर। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 13 नवंबर को उसकी 32 वर्षीय पत्नी बैंक में काम होने की बात कहकर सफीपुर कस्बा जाने को निकली थी। देरशाम तक जब वह वापस नहीं लौटी तो खोजबीन की। जानकारी हुई कि सफीपुर कस्बा स्थित एक बैंक के पास रेडीमेड का व्यवसाय करने वाला कस्बे के दबियाना मोहल्ला निवासी राम किशोर रावत पुत्र गुरु दयाल उसे बहला फुसलाकर भगा ले गया है। पत्नी अपने साथ घर से 62 हजार रुपये नगद व करीब छह लाख के जेवरात भी ले गई है। एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के अनुसार केस दर्ज के महिला की तलाश की जा रही है।

जीरो पावर्टी अभियान के तहत पात्र व्यक्तियों का कराएं चिन्हांकन

उन्नाव, अमृत विचार। सीडीओ कृति राज ने पावर्टी अभियान के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के नवीनीकरण व योजनाओं से लाभान्वित कराने के संबंध में विचार-विमर्श किया। निर्देश दिए कि बीओसी सभी पात्र निर्माण श्रमिकों का पंजीयन कराकर बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाएं। संबंधित सभी विभाग हर हाल में एक हफ्ते में जीरो पावर्टी संबंधी कार्यवाही पूर्ण करें। इसमें विकासखंड सुमेरपुर, हिलौली व गंजमुरादाबाद के खंड विकास अधिकारी, श्रम प्रवर्तन अधिकारी व सभी ब्लाकों के ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी व ग्राम रोजगार सेवक उपस्थित रहे।

बड़े बकाएदारों के विरुद्ध सख्ती कर करें गिरफ्तारी : जिलाधिकारी

विभागों को वसूली का लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा करने के दिशा-निर्देश

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में कर करेत्तर व राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इसमें जिलाधिकारी ने वाणिज्य कर, आबकारी, नगर निकाय, परिवहन, खनन, सिंचाई, वन, कृषि, मंडी, स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन आदि विभागों द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा की।

इसमें जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित करें कि किसी भी स्थिति में जिले में वसूली में लापरवाही न हो। जिन विभागों को वसूली का जो लक्ष्य मिला है वह शत-प्रतिशत हो। ऐसा न होने पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने वसूली में लापरवाह विभागों पर नाराजगी जता वसूली के लिये अभियान चलाने के निर्देश दिए। सभी एसडीएम को बड़े बकाएदारों की प्राथमिकता से वसूली कराने के निर्देश देते हुए कहा कि बड़े बकाएदारों को कतई न बख्सा जाए। गिरफ्तारी कर कार्यवाही करें। यदि संबंधित अमीन की लापरवाही संज्ञान में आ रही है तो कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने तहसील न्यायालयों में लंबित वादों की भी समीक्षा की। कहा कि स्वामित्व योजना का कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। एडीएम वित्त एवं राजस्व, एडीएम न्यायिक, सिटी मजिस्ट्रेट, सचिव उन्नाव विकास प्राधिकरण व एसडीएम सदर आदि मौजूद रहे।

बैठक में मातहतों को निर्देशित करते डीएम गौरांग राठी। अमृत विचार

महिला आयोग की उपाध्यक्ष का भ्रमण कार्यक्रम कल

उन्नाव, अमृत विचार। उप्र राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव 19 नवंबर को महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, जागरूकता चौपाल व महिला जनसुनवाई कार्यक्रम के दृष्टिगत 9:30 बजे जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण करेंगी और नवजात शिशुओं को बेबी किड्स वितरित करेंगी। 10:45 बजे वे कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण करेंगी व 12:15 पर महिला बंदी गृह का निरीक्षण करेंगी। इसके अलावा पौधारोपण, भोजन व्यवस्था की जानकारी व भोजन की गुणवत्ता को भी परखेंगी। 2:30 बजे उपाध्यक्ष जिला स्तरीय अधिकारियों से महिला उत्पीड़न के प्रकरणों पर विचार विमर्श व महिला जनसुनवाई का कार्यक्रम करेंगी।

कौमी एकता सप्ताह पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिले में 19 से 25 नवंबर तक कौमी एकता सप्ताह मनाया जाएगा। इसके तहत रोजाना विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।

डीएम गौरांग राठी ने कहा कि कौमी एकता सप्ताह19 नवंबर से शुरू होगा और हर दिन अलग-अलग विभागों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को संयोजक अधिकारी नियुक्त करते हुए भव्यता के साथ सभी कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। कहा कि हर कार्यक्रम को शासनादेश के अनुसार भव्यता से सम्पन्न कराएं। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। 19 नवंबर को राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन होगा। इसमें सभी सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई जाएगी। 20 को अल्पसंख्यक कल्याण दिवस का आयोजन होगा। 21 को विद्यालयों में भाषाई सद्भावना दिवस का आयोजन होगा। साहित्यिक समारोह व कवि सम्मेलन होगा। 22 को कमजोर वर्ग दिवस मनेगा। इसमें बैठक व रैली आयोजित होगा। 23 को सांस्कृतिक एकता दिवस के साथ पेंटिंग वाद विवाद प्रतियोगिता सेमिनार आदि का आयोजन होगा। 24 को महिला दिवस आयोजित होगा। इसमें भारतीय समाज में महिलाओं के महत्व व राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के विषय पर चर्चा होगी। 25 को पर्यावरण संरक्षण दिवस आयोजित होगा इसमें पर्यावरण को संरक्षित करने के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया जाएगा तथा समारोह का आयोजन होगा।

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर अटेवा का दिल्ली में प्रदर्शन 25 को

उन्नाव, अमृत विचार। ऑल टीचर्स एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन (अटेवा) प्रदेश कार्यालय में कार्यकारिणी की बैठक प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें उन्नाव का प्रदेश की टॉप 10 सूची में आने पर जिले के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। कहा गया कि दिल्ली में 25 नवंबर को पुरानी पेंशन बहाली को लेकर होने वाले प्रदर्शन में अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

प्रदेश अध्यक्ष ने जिलाध्यक्ष अर्पित मिश्रा, जिला महामंत्री राजकरन, जिला प्रवक्ता सौरभ राज भारती, अम्बरीश कुमार, प्रदीप यादव को सम्मानित किया गया तथा राम मिलन को ब्लॉक संयोजक मियागंज मनोनीत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने अधिकारी, कर्मचारी व शिक्षकों से आह्वान किया कि 25 नवंबर को दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में बड़ी संख्या में प्रतिभाग करें। जिससे पुरानी पेंशन के आंदोलन को मूर्तरूप दिया जा सके।

टॉप 10 सूची में आने पर सम्मानित हुए जिले के पदाधिकारी। अमृत विचार

तालाब में उतराता मिला युवक का शव

उन्नाव। मौरावां के रेवला गांव स्थित तालाब में युवक का शव उतराता देख लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। बता दें कि सोमवार सुबह मर्दानपुर गांव के मजरा रेवला गांव निवासी राजेश (40) पुत्र बुद्धीलाल का शव मां सागर माता तालाब में उतारता देख लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। पत्नी सावित्री देवी, बेटी सरिता, संजना, साहनी, रेनू, बेटा आनंद का रो-रोकर बुरा हाल रहा। सूचना पर मौरावां एसओ कुंवर बहादुर सिंह ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजनों के मुताबिक वह रविवार को पत्नी के साथ खेत में पानी लगाने गया था। दो बजे रात में पत्नी घर लौट आई और वह वहीं सो गया। सुबह परिजन तलाश करने निकले तभी उन्हें लोगों से घटना की जानकारी हुई।

सड़क किनारे मिली नवजात भेजा गया जिला अस्पताल

हसनगंज, उन्नाव, अमृत विचार। भोरपहर शौच को जा रहे ग्रामीणों ने खंती से बच्चे के रोने की आवाज सुनी तो वहां जाकर देखा तो एक नवजात बच्ची पड़ी थी। उसे देख लोगों ने पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। सोमवार भोरपहर लालपुर गांव निवासी ग्रामीण शौच के लिए जा रहे थे तभी उन्हें सड़क किनारे खंती से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। इस पर उन्होंने वहां जाकर देखा तो एक नवजात बच्ची पड़ी थी। उसे देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस व एंबुलेंस को दी। एंबुलेंस से बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हसनगंज लाया गया। जहां डॉक्टर ने बच्ची का प्राथमिक उपचार कर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां पहुंचे कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि एक नवजात बच्ची सड़क किनारे खंती में पड़ी मिली थी। उसे सीएचसी हसनगंज लाया गया था। जहां से उसे जिला अस्पताल भेज दिया गया।

नवजात बच्ची। अमृत विचार

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

उन्नाव। हसनगंज के सेमरामऊ गांव निवासी उमेश पंडित (31) पुत्र महेंद्र प्रताप भाइयों के साथ हरियाणा में एक फैक्ट्री में नौकरी करता था। बीती 5 नवंबर को वह गांव लौटा था। दो दिन पहले वह दही थानाक्षेत्र के राजेपुर मोहल्ला निवासी मौसी सीमा पत्नी स्व. नीरज के घर आया था। रविवार रात वह आवास विकास से मौसी के घर लौटने के लिए राजेपुर रेलवे क्रासिंग के पास लखनऊ-कानपुर रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। तभी वह डाउन लाइन पर आई ट्रेन से टकरा गया। सिर पर आई गंभीर चोटों से उसकी मौत हो गई। मालगाड़ी के लोको पायलट ने स्टेशन अधीक्षक को सूचना दी कि डाउन लाइन पर शव पड़ा है।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

उन्नाव, अमृत विचार। किशोरी से दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए उसे 20 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

हरदोई जिला के एक गांव निवासी व्यक्ति ने एसपी को शिकायती पत्र देकर बताया था कि वह बांगरमऊ-संडीला मार्ग स्थित एक भट्ठे में मजदूरी करता है। भट्ठे के पास झोपड़ी डालकर वह परिवार के साथ रहता था। 4 अप्रैल-2017 की शाम वह भट्ठे पर पत्नी के साथ काम कर रहा था। तभी हरदोई के शहाबाद थानाक्षेत्र के बख्शीपुर निवासी विकट राम उसकी नाबालिग बेटी को बहलाकर ले गया। बेटी उसके बहकावे में घर में रखे 30 हजार रुपये व जेवर भी ले गई। एसपी के निर्देश पर बांगरमऊ पुलिस ने 26 अप्रैल-2017 को रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी को बरामद किया। मेडिकल के बाद अपने बयान में किशोरी ने युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। आईओ ने 9 अगस्त-2019 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। सोमवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद शासकीय अधिवक्ता प्रदीप श्रीवास्तव की दलील व साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश ने विकट राम को दोषी ठहराते हुए 20 साल की सजा सुनाई है।

फंदे से लटका मिला फैक्ट्री कर्मी का शव

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली अंतर्गत मानस विहार कालोनी में किराए पर रह रहे फैक्ट्री श्रमिक का शव कमरे में लगे पंखे के कुंडे से लटका मिला। सूचना पर पहुंचे अस्पताल चौकी इंचार्ज अंजनी सिंह दरवाजा अंदर से बंद मिलने पर काफी प्रयास के बाद उसे तोड़कर दाखिल हुए। युवक की पहचान सतेंद्र निवासी रघु बेस पुरवा जिला गोंडा के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक वह अकरमपुर स्थित एक इस्पात फैक्ट्री में आपरेटर था। सोमवार दोपहर वह ओवरटाइम कर लौटा था। इसके बाद से दरवाजा नहीं खुला। पुलिस ने इसकी सूचना परिजनों को दी है।

सतेंद्र (फाइल फोटो)।

एचटी लाइन की चपेट में आकर झुलसा युवक, मौत

नवाबगंज, उन्नाव, अमृत विचार। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के बौरीखेड़ा गांव में बीती रविवार रात खेत में धान पिटाने जा रहा युवक जर्जर एचटी लाइन की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। इसमें उसकी मौके पर मौत हो गई। भाई की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

बाल्हेमऊ गांव के मजरा बौरीखेड़ा निवासी गोविंद (21) पुत्र सूर्यपाल यादव रविवार रात आठ बजे खेत पर धान पिटाने जा रहा था। रास्ते में गांव के जगदीश के खेत से 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन सरकारी नलकूप में आपूर्ति के लिए गई थी। बताते हैं कि यह लाइन काफी समय से जर्जर होकर लटक रही थी। उधर से निकलते समय गोविंद ने किसी को बुलाने के लिये हाथ उठाया तभी वह करंट की चपेट आकर झुलस गया। आवाज सुन आसपास खेतों में मौजूद लोगों ने उसे झुलसा पड़ा देख परिजनों को सूचना दी। जब तक उसे अस्पताल ले जाया जाता इससे पहले उसने दम तोड़ दिया। बड़े भाई अरविंद ने बताया कि गोविंद दो भाइयों में छोटा था। उसकी मौत से मां गुड्डी रो-रोकर बेहाल है। भाई की सूचना पर पहुंचे दरोगा मो. असलम ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा।

पाठकपुर विद्युत उपकेंद्र के जेई संतोष कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। जिस लाइन पर यह हादसा हुआ है वह काफी पुरानी है। इससे तार लटक गए हैं। बताया कि लाइन बदलने का करीब 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

गोविंद (फाइल फोटो)।

कपड़े फैलाने गई महिला की करंट की चपेट में आने से मौत

औरास, उन्नाव, अमृत विचार। औरास थानाक्षेत्र के मुरौवन खेड़ा गांव निवासी मनीष मौर्य की 25 वर्षीय पत्नी शांती सोमवार सुबह 11 बजे घर में लोहे के तार पर गीले कपड़े फैला रही थी। परिजनों के मुताबिक तार के पास विद्युत बल्ब लगा था। जिसमें आपूर्ति के लिए आया तार कहीं से कटा था। इससे लोहे के तार में करंट दौड़ गया। शांति उसकी चपेट में आकर झुलस गई। चीख सुन पहुंचे परिजनों ने मेन स्विच बंद उसे अचेत हालत में सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। यह सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर मायके वालों को जानकारी देकर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

शांति (फाइल फोटो)

टैलेंट हंट कार्यक्रम में लिया नई पीढ़ी को तराशने का संकल्प

कांग्रेस कार्यालय में टैलेंट हंट का पोस्टर दिखाते पदाधिकारी। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में सोमवार को टैलेंट हंट कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय प्रतिभा खोज में युवाओं को जोड़ना व उन्हें पार्टी की विचारधारा के लिए तैयार करना है। इसमें जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि इस कार्यक्रम का लक्ष्य युवाओं को तराशना, प्रशिक्षित कर सशक्त बनाना है। हमारा उद्देश्य कांग्रेस के लिए एक नई पीढ़ी की दमदार आवाज तैयार करना है। बताया कि युवाओं को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा एक प्रतिवेदन के माध्यम से जोड़ा जाएगा। चयनित युवाओं का साक्षात्कार ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित होगा। बैठक में जिला उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमंत सिंह, उपाध्यक्ष जावेद कमाल, जिला कोषाध्यक्ष शिवम अवस्थी, अजय गौतम शामिल थे।

पूर्व सांसद ने पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

शुक्लागंज। सोमवार को सरैया रेलवे क्रॉसिंग के पास सपा नेता वीरेंद्र सिंह यादव के पिता स्व. रामधनी यादव की सातवीं पुण्यतिथि पर हुए कार्यक्रम में पूर्व सांसद अन्नू टंडन पहुंचीं। उन्होंने श्रद्धांजलि समारोह में पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा को नमन किया। कार्यक्रम में नगर व जिले के सपा नेताओं ने भाग लिया और रामधनी यादव को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष राजेश यादव, वीरेंद्र शुक्ला के अलावा अंकुर शुक्ला आदि मौजूद रहे।

सूने घर से चोरों ने पार किये लाखों के जेवरात व हजारों की नकदी

उन्नाव, अमृत विचार। पुरवा कोतवाली अंतर्गत कस्बा क्षेत्र के मोहल्ला मझिगवां मोड़ निवासी राजेंद्र अवस्थी रविवार रात रिश्तेदारी में मांगलिक कार्यक्रम में परिवार के साथ घर में ताला बंदकर शामिल होने गया था। सोमवार सुबह बगल में किराए पर दुकान लिए किराएदार ने दरवाजे का ताला टूटा देख फोन से उसे सूचना दी। जिस पर राजेंद्र आनन-फानन घर पहुंचा तो कमरे का ताला टूटा देख दंग रह गया। अंदर जाकर देखा तो अलमारी खुली थी और उसमें रखे करीब छह लाख के जेवरात व 16 हजार की नकदी गायब थी। पीड़ित की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की। कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच की जा रही है।

मुश्किल स्थानीय बता रहे प्रतिदिन 10 से 12 फीट तक कट रही भूमि

मिश्रा कॉलोनी में बढ़ रही कटान, दहशत में लोग

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। गंगा का जलस्तर घटने के बाद मिश्रा कॉलोनी के रिहायशी क्षेत्रों के पास कटान की रफ्तार तेज हो गई है। पिछले कई दिनों से लगातार हो रहे कटान ने अब आबादी वाले इलाकों के बिल्कुल नजदीक पहुंचकर तटवर्ती लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि लोगों में जान-माल का खतरा महसूस होने लगा है।

कटान की इस विकराल स्थिति को देखते हुए क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक निवासियों ने शारदा नगर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को पत्र सौंपकर तुरंत कटान रोकने की मांग की है। पत्र देने वालों में माया शुक्ला, रविशंकर शुक्ला, प्रियंका, गोल्डी शर्मा, आलोक पांडेय, रूपेश पांडेय, सनी गुप्ता, सचिन, नितिन, ज्ञानेन्द्र और आशीष समेत कई लोग शामिल रहे। निवासियों ने पत्र में बताया कि शिव बाबा घाट से लेकर पुराने गंगापुल तक गंगा द्वारा अनियमित और लगातार कटान हो रहा है। लोगों का कहना है कि प्रतिदिन लगभग 10 से 12 फीट तक भूमि कट रही है, जिससे बस्ती के कई हिस्से खतरे की जद में आ गए हैं। कटान की यह गति अनियंत्रित होने के कारण कॉलोनी में भय का माहौल है और किसी भी समय बड़ा नुकसान होने की आशंका बनी हुई है। लोगों ने सिंचाई विभाग से तत्काल मौके का निरीक्षण कर प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र ही कटान रोकने का कार्य शुरू नहीं हुआ, तो कई परिवारों को विस्थापन की नौबत आ सकती है। इस बावत अधिशाषी अभियंता गगन शुक्ला ने बताया कि क्षेत्रीय लोगों की मांग पर कटान की हकीकत देखने के लिये मौके का निरीक्षण कराया जायेगा। उसके बाद कटान रोकने के प्रबंध किये जायेंगे।

मिश्रा कॉलोनी के सामने होती कटान। अमृत विचार

विनायक ने जीती शतरंज प्रतियोगिता

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। मां शक्ति योग साधना केंद्र उन्नाव में 16 नवंबर 2025 को जिला शतरंज एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-15 शतरंज प्रतियोगिता में गंगा प्रसाद महते सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगानगर शुक्लागंज के खिलाड़ी विनायक साहू ने प्रथम स्थान हासिल किया। विनायक ने अपने माता-पिता, विद्यालय और प्रशिक्षक प्रदीप द्विवेदी का नाम रोशन किया।

प्रशिक्षक ने बताया कि विनायक इससे पहले विद्या भारती द्वारा आयोजित संकुल, प्रांत और क्षेत्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीत चुके हैं तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभाग कर चुके हैं। विद्यालय में प्रधानाचार्य डॉ. बृजेंद्र मिश्र, कक्षा आचार्य मंजुल मिश्र सहित सभी शिक्षकों ने विनायक को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि सफलता नियमित अभ्यास से मिलती है और संस्थान में प्रशिक्षक के निर्देशन में खिलाड़ी निरंतर अभ्यास करते हैं। कार्यक्रम में ओम बाबू मिश्रा, अशोक त्रिपाठी, अरविंद द्विवेदी, अरुण दीक्षित सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

विनायक को ट्राफी देते प्रधानाचार्य। अमृत विचार

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री नियाज अहमद पुत्र कल्लू निवासी मोहल्ला सरोजनी नगर बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनाँक 12-11-2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थी ने मोहल्ला नसीमगंज बाँगरमऊ का एक किता प्लाट पूरब से पश्चिम 40 फिट उत्तर से दक्षिण 15 फिट कुल क्षेत्रफल 600 वर्गफीट या 55.77 वर्गमीटर प्लाट विक्रेता श्रीमती शरीफननिशा पत्नी स्व0 दीन मोहम्मद निवासी मोहल्ला बशीरगंज बाँगरमऊ जिला उन्नाव से जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 04-11-2023 को क्रय कर भवन का निर्माण करवा लिया है। उक्त भवन की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब- रास्ता खड़ंजा 10 फिट पश्चिम- मकान मौलाना वारिस उत्तर- प्लाट ए0 के0 सिंह दक्षिण- मकान जैबुन निशा प्रार्थी ने अपने उपरोक्त भवन को नगर पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र,रजिस्टर्ड बैनामा, शपथ पत्र,आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार

मंगलवार, 18 नवंबर 2025

प्रेम की कोई भाषा नहीं होती है, प्रेम का फूल मौन में खिलता है। प्रेम संगीत है, प्रेम अंतर्नाद है और प्रेम ही अनाहद नाद है। – **ओशो**

इसरो की छलांग

इसरो की अगले तीन वर्षों में अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को तीन गुना करने की तैयारी मात्र तकनीकी विस्तार नहीं, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की दीर्घकालिक रणनीति का संकेत भी है। साफ है कि इसरो मात्र प्रक्षेपण सेवा प्रदाता या वैज्ञानिक मिशनों तक सीमित नहीं रहना चाहता, वह वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में एक निर्णायक खिलाड़ी बनना चाहता है। वर्तमान में इसरो की क्षमता अवसंरचना और अल्प प्रक्षेपण अवसरों के चलते सीमित है। एक साथ कई वैज्ञानिक और वाणिज्यिक मिशनों को संभालने में इससे दिक्कत होती है। क्षमता को तीन गुना करना वैज्ञानिक अभियानों की गति बढ़ाने के साथ वैश्विक बाजार के वाणिज्यिक अवसरों को भी भुनाने में मददगार होगा। यह भविष्य में इसरो को मिशनों के ओवरलैप के दबाव से मुक्त करेगा और निजी उद्योगों तथा नई अंतरिक्ष कंपनियों को भी बड़े पैमाने पर जोड़ेगा। वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी अभी लगभग दो प्रतिशत है, जिसे 2030 तक बढ़ाकर आठ प्रतिशत करने का लक्ष्य है। क्षमता विस्तार, उद्योग साझेदारी, तेज प्रक्षेपण चक्र और सस्ते, लेकिन भरोसेमंद मिशनों से इसरो इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य तक पहुंच सकता है। भारत की कम लागत वाली तकनीक और बढ़ती विश्वसनीयता विदेशी ग्राहकों को खूब आकर्षित कर रही है। इसरो जिन कार्यक्रमों पर काम कर रहा है, वे अभूतपूर्व हैं-चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ का अध्ययन करने वाला जापान-भारत संयुक्त मिशन 'लूपेक्स', 2028 के लिए निर्धारित चंद्रयान-4, भारतीय उद्योग द्वारा निर्मित पहला पूरी तरह स्वदेशी पीएसएलवी और भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल की तैयारी। इनमें से हर एक परियोजना न केवल तकनीकी क्षमता बढ़ाने के साथ इसरो की वैश्विक विश्वसनीयता को नई ऊंचाई देगी।

भारतीय निजी उद्योग निर्मित पीएसएलवी अंतरिक्ष क्षेत्र में ठीक उसी तरह भागीदार बनेगा-जैसे अमेरिका में स्पेसएक्स और अन्य निजी कंपनियां नासा के लिए सहायक हैं। इससे न केवल प्रक्षेपण क्षमता बढ़ेगी, बल्कि एक विशाल घरेलू अंतरिक्ष पारिस्थितिकी भी बनेगी। चूंकि इसरो अब अधिकांश, परियोजनाओं को अलग-अलग समर्पित केंद्रों और उद्योग भागीदारी के साथ आगे बढ़ा रहा है इसलिए उसके चलते दूसरे अभियानों में विलंब की आशंका कम है। हालांकि मानवीय उड़ान मिशन बेहद जटिल होते हैं और सुरक्षा के मानक सर्वोपरि रहते हैं, इसलिए समय में नैसर्गिक बदलाव असामान्य नहीं होगा। भारत का प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन, जिसके पांच मॉड्यूल 2035 तक कक्षा में स्थापित होने की योजना है, राष्ट्रीय अंतरिक्ष शक्ति के विकास का निर्णायक कदम होगा। पहला मॉड्यूल 2028 तक बन पाने की संभावना मजबूत है और यह भारत को "लो अर्थ ऑर्बिट रिसर्च पॉवर" के रूप में वैश्विक क्लब में शामिल करेगा। इन सभी उपलब्धियों और लक्ष्यों को देखते हुए यह स्पष्ट है कि इसरो का भविष्य उज्ज्वल है। यह केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों का विस्तार नहीं, यह भारत की आत्मनिर्भरता, प्रौद्योगिकीय नेतृत्व और वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी बढ़ाने की लंबी छलांग है। इससे देश को वैज्ञानिक प्रतिष्ठा, आर्थिक अवसर, वैश्विक साझेदारियां और युवाओं के लिए नई शोध-संभावनाएं प्राप्त होंगी। इसरो की नई छलांग उसे वैश्विक अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा में बहुत आगे ले जाएगा। भारत अब अंतरिक्ष में पहुंचने की ही नहीं, बल्कि वहां अपनी ऊंची जगह बनाने की तैयारी कर चुका है।

प्रसंगवश

आखिर क्यों नहीं टूटते बेड़िया प्रथा के बंधन

हाल ही में राजस्थान के भरतपुर जिले के एक छोटे से गांव की 12 वर्षीय राधा (बदला हुआ नाम) की मर्मस्पर्शी कहानी सामने आई। राधा रोज सुबह स्कूल के दरवाजे तक जाती है, लेकिन अंदर नहीं जाती। वजह पूछो तो धीरे से बताती है कि मां कहती है कि पढ़ाई हमारे लिए नहीं होती। उसके घर में पीढ़ियों से यह तय है कि लड़कियां पढ़ें नहीं, बल्कि घर चलाने में मदद करें। बाहर से देखने पर यह मदद नाच-गाने की लगती है, लेकिन असल में यह बेड़िया प्रथा का दर्द है। यह एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था है, जहां बेटियों की जिंदगी परिवार की परंपरा के बोझ तले कुचल जाती है। असल में यह दर्दनाक बेड़िया की प्रथा की सच्चाई है। बेड़िया समुदाय के बारे में माना जाता है कि यह मूलतः घुमंतू या अर्ध-घुमंतू समुदाय है। इसकी मध्य भारत (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश), राजस्थान और झारखंड जैसे राज्यों में उपस्थिति रही है। राजस्थान की बात करें तो यहां बेड़िया समुदाय की स्थिति विकट है। राजस्थान के भरतपुर,

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

धौलपुर, कोटा, बूंदी, झालावाड़ और सवाई माधोपुर जिलों में बेड़िया समुदाय के परिवार बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भरतपुर जिले के घाटोली गांव में लगभग 70 बेड़िया परिवारों में से 58 परिवारों ने अपनी बेटियों को इस प्रथा में झोंक दिया है। राजस्थान महिला आयोग और ग्रामीण शिक्षा संस्थान की रिपोर्ट में पाया गया कि बेड़िया समुदाय में महिला साक्षरता दर केवल 21 प्रतिशत है और अधिकांश लड़कियां 14-16 वर्ष की उम्र में स्कूल छोड़ देती हैं। वहीं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में कुल 363 मानव तस्करी के मामले पाए गए, जिनमें से 98 फीसदी बच्चे थे। इनमें बड़ी संख्या उन समुदायों से आती है, जहां बेड़िया जैसी परंपराएं सामाजिक रूप में मौजूद हैं। वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में लगभग 8,000 से 10,000 लड़कियां ऐसे पेशे से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ी हुई हैं। इनमें से अधिकांश दलित या घुमंतू जनजातीय समुदाय से हैं, जिनमें बेड़िया भी शामिल है। भीलवाड़ा, बूंदी, टोंक और सवाई माधोपुर जिलों में इस तरह की गतिविधियां सक्रिय रूप से देखी गईं।

आज जब भारत नारी शक्ति वंदन अधिनियम और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे कानूनों से महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसी भारत के कुछ कोनों में बेड़िया समुदाय की बेटियां अब भी परंपरा के नाम पर देह व्यापार में धकेली जा रही हैं। मध्य प्रदेश के मुरैना, श्योपुर, राजस्थान के कोटा, बूंदी और उत्तर प्रदेश के झांसी जिलों में यह प्रथा गहराई से जमी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार इन समुदायों में लगभग 65-70 प्रतिशत महिलाएं अनिच्छा से इस प्रथा का हिस्सा हैं, जबकि पुरुष समुदाय इसे रिवाज के रूप में देखते हैं। इन क्षेत्रों में महिला साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है। जहां भारत में महिला साक्षरता दर लगभग 70 प्रतिशत है, वहीं इन क्षेत्रों में यह मुश्किल से 35-40 प्रतिशत तक पहुंचती है। इसका सीधा प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है। हालांकि अब बदलाव की बयार भी चल पड़ी है। राजस्थान सरकार ने एक नई राह योजना और मिशन परिवर्तन के तहत इस समुदाय की महिलाओं के लिए रोजगार और शिक्षा के अवसर बढ़ाए हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना इन महिलाओं को वैकल्पिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती है। वहीं कई गैर सरकारी संगठन इन समुदायों में जाकर शिक्षा केंद्र और पुनर्वास शिविर चला रहे हैं।

सम्मानित प्रोफेशन में विध्वंस की पनपती सोच

अजय दयाल
लखनऊ

बुद्धिजीवी वर्ग में भी विध्वंस की सोच आतंकवाद का एक घिनौना रूप है, जो दिल्ली धमाके में स्पष्ट तौर पर सामने आ गया। फिलवक्त आतंकवाद से पूरी दुनिया त्रस्त है और इसका जड़ से खत्मा करने को हर स्तर पर पुरजोर कोशिशें की जा रहीं हैं, पर चिंता इस बात की है कि जहां आतंकवाद को उखाड़ फेंकने के भरसक प्रयास जारी हैं, वहीं इसका सामने आ रहा घिनौना रूप हमारे देश की जड़ों, संस्कृति को विषाक्त कर रहा है। जाहिर है लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती दे रहे आतंकवाद के इस घिनौने रूप का नाम है- बौद्धिक आतंकवाद।

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए भीषण धमाके के पीछे कई डॉक्टरों के नाम सामने आए, जिसमें विस्फोट हुआ, उस कार को डॉक्टर उमर चला रहा था। इस घटना के बाद तो एक के बाद उसके कनेक्शन, जो सामने आ रहे हैं, उनमें से तमाम डॉक्टर ही हैं। पुलवामा का उमर उन तीन डाक्टरों का साथी पाया गया, जिनके पास से फरीदाबाद में लगभग तीन हजार किलो विस्फोटक और हथियार मिले थे। इनमें डॉ. मुजम्मिल और डॉ. आदिल कश्मीरी हैं, जबकि तीसरी साथी डॉ. लखनऊ की है। इसी नेटवर्क का एक अन्य मिला डॉ. मोहिउद्दीन, जो गुजरात पुलिस के हत्थे चढ़ा। यह अपनी शैक्षक बौद्धिकता का दुरुपयोग अरंडी के बीज से बेहद घातक जहर राइसिन बना रहा था ताकि सामूहिक नरसंहार के नापाक इरादे को अंजाम दे सके।

हालांकि डॉक्टर्स, इंजीनियर्स और प्रोफेसर पहले भी आतंकवाद के सूत्रधार के रूप में सामने आ चुके हैं। उस पुणे वाले डॉ. अदनान अली को याद कीजिए, जिसे 2023 में दबोचा गया था, शहर का प्रतिष्ठित चिकित्सक माना जाता था, पर वह आतंकी समूह आइएस के लिए काम कर रहा था। दरअसल, डाक्टर्स, इंजीनियर्स, प्रोफेसर के अलावा तमाम हाई एजुकेटेड मुस्लिम युवा आतंकी के रूप में हमारे सुरक्षा दस्ते के हाथ लग चुके हैं, जो समाज में अपने बौद्धिक प्रोफेशनल्स की छवि बनाए हुए थे, लेकिन पर्दे के पीछे घिनौना विध्वंस करने में जुटे थे। तमाम को तो सुरक्षा एजेंसियों ने चिन्हित कर लिया, लेकिन वे समय रहते सीरिया और अफगानिस्तान पहुंचकर आइएस या अलकायदा की गोद में जा बैठे। भारत ही नहीं दुनियाभर की लोकतांत्रिक सरकारों के लिए यह चिंता का विषय होगा कि अब उच्च शिक्षित तमाम युवा भी आतंकवाद की नींव को मजबूत करने में जुटे हैं।

आतंकवाद के शुरुआती चरण में एक वक्त ऐसा था, जब विध्वंसकारियों में अशिक्षित या आर्थिकतौर पर कमजोर ही मजहबी ब्रेनवॉश या अपने कुंठित विचारों के चलते मजबूरी में आतंक की राह पकड़ते थे, लेकिन अब तस्वीर पलटी हुई नजर आती है। अब उच्च शिक्षित अथवा सम्मानित प्रोफेशन रखने के बावजूद देश-दुनिया में ऐसे मुस्लिम युवक बहुतेरे हैं, जो आतंकी बन रहे हैं। अपने देश में ही केरल से लेकर कश्मीर तक में अनेक शिक्षित मुस्लिम युवाओं ने आतंक की राह पकड़ी। ताजा मामलों में कोई कट्टरपंथी मौलवी-मौलाना भी सामने नहीं आया, जिसकी वजह से आतंकवाद का बौद्धिक चेहरा बना हो।

इसी बीच आतंकवाद की नई सूरत अब महिलाओं के रूप में भी सामने आ गई है। ताजा घटनाओं के बाद छानबीन में सामने आया कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन अब महिलाओं को फिदायीन (आत्मघाती हमलावर) के रूप में ट्रेंड कर रहे हैं। माना जाता है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद इन संगठनों ने साजिश की नई व्यूहरचना बनाई है। अब पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी आतंक के इस घिनौने कृत्य में सूत्रधार बन रही हैं। बीते दिनों मीडिया से एक ऐसा वीडियो सामने आया, जिसमें पाकिस्तान के सियालकोट स्थित लश्कर-ए-तैयबा ट्रेनिंग सेंटर में कथित तौर पर पाकिस्तानी सेना और पुलिस के कुछ अधिकारी आतंकियों के साथ मिलकर नई खेप को ट्रेनिंग देते दिखे। उस वीडियो में कई महिलाओं को जिहादी विचारधारा से ब्रेनवॉश कर उन्हें हथियारों का प्रशिक्षण देते देखा जा सकता है। पता चला कि इन कैंपों में भारत और यहां के नेतृत्व को दुश्मन करार देकर जहर भरा जा रहा है।

एक बड़ी हकीकत यह भी है कि डिजिटल दुनिया में मजहबी कट्टरता से जुड़े नापाक संदेश पहुंचाना आसान हो गया है। इस्लाम के नाम पर गुमराह करने वाली मुहिम अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर है। जैश-ए-मोहम्मद ने तो महिलाओं को ध्यान में रखते हुए ही नया कोर्स लांच किया है। इस कोर्स में दाखिला लेने की फीस भी तय है। मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक, इस कोर्स की संचालक आतंकी सरगना मसूद अजहर की बहनें और उमर फारूक की पत्नी है। जैश-ए-मोहम्मद की महिलाओं की भर्ती के लिए एक अलग विंग ऐसी भी है, जो फंड रेज करने के साथ युवतियों को ऑनलाइन जिहाद को ट्रेंड कर रही है। कुलमिलाकर देश-दुनिया के अमन-चैन पसंद देशों को एक-दूसरे के साथ आतंकवाद के खिलाफ सभी निजी स्वार्थों को त्याग एक होना होगा। फिजिकल और डिजिटल दोनों फील्ड पर संयुक्त टीम बनाकर ज्यादा सक्रियता से काम करना होगा। एक खास बात और हर सरकारी व प्राइवेट प्लेटफार्म चाहे वह छोटी सी दुकान ही क्यों न हो ऐसी व्यवस्था लागू करनी होगी कि लंबी छुट्टी पर जाने वाले की सूचना या उसका संदिग्ध व्यवहार अपडेट हो, जो सरकारी सुरक्षातंत्र तक भी पहुंचे।

ऐसा स्कूल स्तर से ही लागू कर दिया जाना चाहिए। स्कूल स्तर से ही आतंकवाद का चेहरा पहचाने की ट्रेनिंग भी देनी होगी कि कहीं बच्चे मोबाइल गेम खेलते-खेलते ही इसका शिकार न बनें।

> इसी बीच आतंकवाद की नई सूरत अब महिलाओं के रूप में भी सामने आई है। ताजा घटनाओं के बाद छानबीन में सामने आया कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन अब महिलाओं को फिदायीन के रूप में ट्रेंड कर रहे हैं।

आमने सामने

कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंजी। सरकार का वादा था जम्मू-कश्मीर सुरक्षित होगा, जबकि अब दिल्ली ही खतरे में आ गई। हिंदुस्तान व जम्मू के लोग बड़े संजीदा हैं और ये देश कुर्बानियों से बना हुआ है। हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके वोट तो मिल सकते हैं, लेकिन देश किस दिशा में जा रहा है।
– **महबूबा मुफ्ती**, पीडीपी प्रमुख

पहले महबूबा मुफ्ती खुद देखें, वह कहां है? 2019 में बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है, तो कभी बेतुके बयान देती हैं। पीडीपी चीफ बताएं कि हालात यहां बेहतर कब थे? महबूबा मुफ़्ती आज दुविधा में है, वो साफ ही नहीं कर पा रही है कि उन्हें जम्मू कश्मीर में कौन सी लकीर खींचनी है।
-सुरेंद्र चौधरी
उप-मुख्यमंत्री, जम्मू-कश्मीर

ब्राजील जलवायु सम्मेलन के लिए पेड़ों पर कुल्हाड़ी

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ लेखक

ब्राजील के नगर बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक संयुक्त राष्ट्र का जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-30 चल रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य विषय उष्णकटिबंधीय वनों को बचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परंतु यहां विरोधाभासी दृष्टिकोण देखने में आया, जो इस सम्मेलन की उपलब्धियों के पाखंड को प्रस्तुत करने वाला है।

ब्राजील के जिस पारा प्रांत में बेलेम नगर स्थित है, वहां रोजाना 50 हजार पेड़ों पर निर्ममता से कुल्हाड़ी चलाई जा रही हैं। जलवायु सम्मेलन के बहाने अमेजन के वर्षावन के करीब एक लाख पेड़ों को काटे जाने का सिलसिला चल रहा है। बेलेम क्षेत्र में काटे जा रहे इन पेड़ों की सबसे ज्यादा खपत अमेरिका और यूरोप में होती है। बेलेम के इन वनों को 'दुनिया के फेफड़े' कहा जाता है। ये जंगल कार्बनडाइऑक्साइड को साफ कर सर्वाधिक ऑक्सीजन दुनिया की मानव आबादी को देते हैं। 8 मील के क्षेत्र में इन पेड़ों को इसलिए काटा गया है, जिससे सम्मेलन में उपस्थित होने वाले 50,000 नेता, पर्यावरणविद एवं जलवायु कार्यकर्ताओं को लाने-ले जाने की सुविधा मिल सके। यानी जो लोग जलवायु संरक्षण के उपायों पर वार्तालाप हेतु एकत्रित हो रहे हैं, उनके लिए पेड़ काटकर ही सुविधाजनक मार्ग बनाया गया है। ऐसे में विचारणीय बिंदू है कि वे लोग जलवायु बदलाव पर अंकुश के उपायों पर क्या बात करेंगे, जो खुद ही जंगल के विनाश का पर्याय बन रहे हैं।

इस सिलसिले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ठीक ही कहा है कि "पर्यावरणवादियों के लिए अमेजन के जंगल को उजाड़ दिया, यह बहुत बड़ा घोटाला है।" किंतु यहां भी विरोधाभास है कि इस घोटाले के लिए जो पेड़ काटे गए हैं, उनका अमेरिका भी बड़ा खरीददार है। पेड़ों की अस्मिता पर ही मनुष्य व अन्य प्राणियों का जीवन टिका हुआ है। गोया पेड़ एक ऐसी प्राकृतिक संपदा है, जिसका यदि विनाश होता है, तो मनुष्य का सुखद जीवन भी संभव नहीं रह जाएगा। जब से मानव सभ्यता के विकास का क्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक वृक्षों की संख्या में 46 प्रतिशत की कमी आई है। पेड़ों की गिनती के अब तक के सबसे समग्र वैश्विक अभियान में दुनियाभर के वैज्ञानिक समूहों ने यह निष्कर्ष निकाला है।

इस अध्ययन का आकलन है कि विश्व में तीन लाख करोड़ वृक्ष हैं। यानी मोटे तौर पर प्रति व्यक्ति 422 पेड़ हैं। हालांकि यह आंकड़ा पूर्व में आकलित अनुमानों से साढ़े सात गुना ज्यादा बताया गया है। दरअसल पूर्व के वैश्विक आकलनों ने तय किया था कि दुनियाभर में महज 400 अरब पेड़ लहरा रहे हैं। मसलन प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या 61 है। यह आकलन व्यक्ति आधारित था, इसलिए इसकी प्रामाणिकता पर संदेह था। पेड़ों की यह गिनती उपग्रह द्वारा ली गई छवियों के माध्यम से की गई थी। इस गणना को तकनीक की भाषा में 'सेटेलाइट इमेजरी' कहते हैं। इस तकनीक से पूरा सर्वे वन-प्रांतरों में लिया गया है। इसमें जमीनी स्तर पर कोई आंकड़े नहीं जुटाए गए हैं।

इस अध्ययन की विस्तृत रिपोर्ट प्रतिष्ठित जनरल 'नेचर' में छपी है। रिपोर्ट के मुताबिक पेड़ों की उच्च सघनता रूस, स्कैंडीनेशिया और उत्तरी अमेरिका के उप आर्कटिक क्षेत्रों में पाई गई है। इन घने वनों में दुनिया के 24 फीसदी पेड़ हैं। पृथ्वी पर विद्यमान 43 प्रतिशत, यानी करीब 1.4 लाख करोड़ पेड़ उष्णकटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय वनों में हैं। इन वनों का चिंताजनक पहलू यह भी है कि वनों या पेड़ों की घटती दर भी इन्हीं जंगलों में सबसे ज्यादा है। 22 फीसदी पेड़ शीतोष्ण क्षेत्रों में हैं। इस अध्ययन की प्रामाणिकता इसलिए असंदिग्ध है, क्योंकि इस सामूहिक अध्ययन को बेहद गंभीरता से किया गया है। इस हेतु 15 देशों के वैज्ञानिक समूह बने। ऐसे समय जब दुनियाभर के पर्यावरणविद् और वैज्ञानिक जलवायु संकट के दिनों-दिन और गहराते जाने की चेतावनी दे रहे हैं।

विकास के नाम पर जंगलों के सफाए में तेजी भूमंडलीय आर्थिक उदारवाद के बाद आई है। पिछले 15 साल में ब्राजील में 17 हजार, म्यांमार में 8, इंडोनेशिया में 12, मेक्सिको में 7, कोलंबिया में 6.5, जैरे में 4 और भारत में 4 हजार प्रति वर्ग किलोमीटर के हिसाब से वनों का विनाश हो रहा है। यानी एक साल में 170 लाख हेक्टेयर की गति से वन लुप्त हो रहे हैं। यदि वनों के विनाश की यही रफ्तार रही, तो जंगलों को 4 से 8 प्रतिशत क्षेत्र, सन् 2030 तक विलुप्त हो जाएंगे। 2040 तक 17 से 35 प्रतिषत सघन वन मिट जाएंगे। इस समय तक इतनी विकराल स्थिति उत्पन्न हो जाएगी कि 20 से 75 की संख्या में दुर्लभ पेड़ों की प्रजातियां प्रति दिन नष्ट होने लग जाएंगी। नतीजतन आगामी 15 सालों में 15 प्रतिशत वृक्षों की प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। इनकी विलुप्ति का असर फसलों पर भी पड़ेगा।

वृक्षों का संरक्षण इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि वृक्ष जीव-जगत के लिए जीवन तत्वों का सृजन करते हैं। वायु व प्रदूषण, भू-क्षरण न हो, पेड़ों की अधिकता से ही संभव है। वर्षा चक्र की नियमित निरंतरता पेड़ों पर ही निर्भर है। वृक्षों की इन्हीं मूल्यवान उपयोगिताओं को ध्यान में रखकार हमारे ऋषि-मुनियों ने इन्हें देव तुल्य माना और इनके महत्व को पूजा से जोड़कर संरक्षण के अनूठे व दीर्घकालिक उपाय किए। इसलिए भारतीय जनजीवन का प्रकृति से गहरा आत्मीय संबंध है, लेकिन आधुनिक विकास और पैसा कमाने की होड़ ने संरक्षण के इन कीमती उपायों का लगभग ठुकरा दिया है।

> इन पेड़ों को इसलिए काटा गया है, जिससे सम्मेलन में उपस्थित होने वाले लोगों के लाने-ले जाने की सुविधा मिल सके। यानी जो लोग जलवायु संरक्षण के उपायों पर वार्तालाप हेतु एकत्रित हो रहे हैं, उनके लिए पेड़ काटकर ही सुविधाजनक मार्ग बनाया गया है।

सोशल फोरम

चार पहाड़ रस्सी

लंदन में एक नायाब करिश्मा हुआ है। ब्रिटिश कलाकार डेविड श्रिगली ने लाखों पाउंड की रस्सी टांगकर कला का स्तर और बाजार का धैर्य दोनों नाप दिया है। स्टीफन फ्राइडमैन गैलरी में उनकी पुरानी रस्सी की प्रदर्शनी खुली है और रस्सियां भी कोई मामूली नहीं, पूरे चार पहाड़। कीमत? बस एक मिलियन पाउंड यानी करीब 10 करोड़ रुपये। श्रिगली का कहना है कि वजन के हिसाब से तो यह बड़ा किफायती

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

सौदा है। दस टन रस्सी, एक मिलियन पाउंड में। अब तो लगता है कि स्थानीय कबाड़ी वाले को भी अंतर्राष्ट्रीय समकालीन कला का कोर्स करना पड़ेगा, वरना कहीं लोहे-लक्कड़ के साथ गलती से किसी कलाकार का कोई मास्टरपीस ही न तौल दे। गैलरी की खिड़की पर नारंगी रंग की चमकीली पट्टी लगी है, जो ऊपर से हस्ताक्षर जैसी दिखती है और नीचे से यह एहसास दिलाती है कि गैलरी वालों ने शायद बजट का बड़ा हिस्सा रस्सी पर खर्च कर दिया, इसलिए नाम के लिए एलईडी स्ट्रिप ही बची।

स्टीफन फ्राइडमैन, गैलरी के मालिक, इस रस्सी को किसी प्राइवेट कलेक्शन या संस्था में भेजने की इच्छा रखते हैं। कल्पना कीजिए, किसी फाउंडेशन की भव्य लॉबी में मेहमान आते ही देखते हैं-चार पहाड़ रस्सी। साथ में बोर्ड: "कृपया छुएं नहीं, यह कला है।" लोग समझ ही नहीं पाएंगे कि यह चेतावनी रस्सी के लिए है या कला बाजार के लिए। वैसे कला बाजार में ऐसे चमत्कार अब आम हो चले हैं। पिछले साल तो मौरिजियो काटेलान का एक केला, जिसे डक्ट टेप से चिपकाया गया था, 6.2 मिलियन डॉलर में बिक गया। 2024 में समकालीन कला का कारोबार करीब 65 बिलियन डॉलर का रहा और कहा जा रहा है कि बाजार गिर रहा है। हालांकि गिर रहा है या कला खरीदारों की आंखें खुल रही हैं, यह अभी शोध का विषय है। श्रिगली ने यह रस्सियां अलग-अलग द्वीपों, बंदरगाहों, पवन चक्कियों और ब्रिटेन के किनारे से इकट्ठा की हैं। समुद्र में हर साल करीब 6.4 लाख टन पुरानी जाल और रस्सियां फेंकी जाती हैं। श्रिगली ने उनको साफ कर के कला बना दिया। यानी दूसरे लोग समुद्र प्रदूषित करें और कलाकार उनकी सफाई को भी कला कहकर करोड़ों कमा लें। यह है असली सर्कुलर इकोनॉमी, लेकिन श्रिगली का कमाल यही है। वे रस्सी को रस्सी नहीं, सवाल बना देते हैं। कला क्या है? कीमत क्या है? और खरीददार कौन है? यह सब सोचने के लिए उन्हीं की रस्सी में उलझना पड़ता है। फर्क बस इतना है कि इस रस्सी को काटने के लिए आपका दिमाग चाहिए, चाकू नहीं।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बिहार की जीत से एनडीए का बढ़ा मनोबल

बिहार के चुनाव नतीजे जिस तरह सामने आए हैं, कहना गलत नहीं होगा कि बीजेपी का अगला कदम पश्चिम बंगाल से ममता सरकार को हराना रहेगा। निश्चित तौर पर बीजेपी का मनोबल कई गुना बढ़ चुका है, जिसके पीछे पार्टी के कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा है। आरजेडी या यूं कहें तो बिहार में महागठबंधन की ऐसी करारी हार की कल्पना किसी ने नहीं की होगी। इस बार के बिहार चुनाव में एनडीए तो उत्साहित थी ही, लेकिन महागठबंधन का उत्साह भी कम देखने को नहीं मिला था। महागठबंधन की बात करें, तो इस बार 66.91 प्रतिशत मतदान, जो 1951 के बाद का राज्य में दर्ज किया गया सबसे ज्यादा मतदान था, बदलाव की ओर जाता दिखाई दे रहा था। वहीं यह प्रतिशत एनडीए को

शिवालिक अवस्थी
स्तंभकार

अपने पक्ष में जाता दिखाई दे रहा था या यूं कहें तो नीतीश कुमार के साथ जाता दिखाई दे रहा था। वहीं एक दृष्टिकोण यह भी था कि इस बार महिलाओं का समर्थन शुरू से ही एनडीए के पक्ष में रहेगा और महिला मतदाता का 71.6 प्रतिशत मतदान एनडीए के आत्मविश्वास को बढ़ावा देता नजर आ रहा था।

बहरहाल इस बार मतदाताओं का रुझान एनडीए के पक्ष में रहा जिस कारण एनडीए 202 सीटें जीतने में कामयाब रही। अब बीजेपी वाली एनडीए बिहार में सरकार बना चुकी है और नीतीश कुमार फिर से बिहार के सीएम नजर आएंगे। नीतीश कुमार की सरकार चलाने की आगे क्या रणनीति रहती है इस पर सभी की नजरें टिकी हैं। वहीं दूसरी ओर किसी समय राजनीति की अच्छी-खासी जानकारी रखने वाले प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज बिहार में अपना खाता तक खोलने में असमर्थ रही है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में प्रशांत किशोर ने साफ कहा था कि इस बार नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। बिहार चुनाव नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय पहुंचकर एनडीए के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई दी एवं बिहार की जनता का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने विकसित और समृद्ध बिहार के लिए मतदान किया है। वहीं दूसरी ओर बीजेपी ने प्रचंड जीत के तुरंत बाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के सिंह ने नीतीश सरकार पर अत्यंत गंभीर आरोप लगाए थे, उन्होंने एनडीए नेतृत्व पर भी सवाल खड़े किए थे। यहां आपको बताते चलें कि आर.के सिंह एनडीए कैबिनेट में केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं।

खैर! अब बात करें विपक्ष की तो विपक्ष ने बिहार चुनावों में हेरा-फेरी से चुनाव जीतने के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस नेता अजय माकन ने बिहार में एनडीए की बड़ी जीत पर आरोप लगाते हुए कहा है कि दाल में जरूर कुछ काला है। वहीं केरल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि 202 सीटों में से 128 सीटों पर एनडीए केवल एसआईआर आधारित विलोपन के कारण जीती हैं, उन्होंने पूरी तरह से मतदाता सूची संशोधन को इसका जिम्मेदार ठहराया है। यहां आपको बताते चलें, तो एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रयास यही रहता है कि मतदाता सूची में कोई भी पात्र व्यक्ति छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न होने पाए। सीधे तौर पर देखें तो विपक्ष ने वोट चोरी का आरोप लगाना शुरू कर दिया है। विपक्ष के वोट चोरी का आरोप कब तक चलता है और विपक्ष इसके लिए क्या नए कदम उठाता है यह देखना भी दिलचस्प होगा। फिलहाल तो एनडीए अपनी नई सरकार के साथ आगामी रणनीति बनाने में मशगूल है और अब एनडीए की नजरें आने वाले पश्चिम बंगाल के चुनावों पर टिकी हैं। 294 सीटों वाले पश्चिम बंगाल राज्य में अगले वर्ष चुनाव होना संभव है, जिसके लिए एनडीए अथवा बीजेपी ने अभी से कमर कसना शूरी कर दी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

सियाराम किला झुनकी घाट मंदिर का मुख्य द्वारा।

जिस रूप में चाहेंगे यहां मिलेंगे राम

अयोध्या की धरती ऐसी है, जहां आप जिस रूप में चाहेंगे राम मिलेंगे। श्रीराम एक हैं, लेकिन रंग में काले, सांवले और गोरे राम भी मिलेंगे। राम की आराधना की परंपरा भी यहां अनेक है। एक सामान्य मानव से जुड़े, जितने रिश्ते होते हैं। अपनी जन्मभूमि में वह उन सभी मानवीय रिश्तों का निर्वाह करते महसूस किए जा सकते हैं। उसी भाव से उनकी आराधना कर भक्त अपना अभीष्ट भी प्राप्त कर लेते हैं। लंबे संघर्ष के बाद श्रीराम की जन्मभूमि का स्थान नियत हुआ। यहां मंदिर में बाल रूप रामलला प्रतिष्ठित हुए। दर्शन के लिए देश से विदेश तक के श्रद्धालु उमड़े। राम मंदिर में सांवले राम हैं। यह तो अयोध्या की पहचान है।

– राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या।

सद्गुरु सेवा सदन मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार और गर्भगृह में स्थापित विग्रह

राम की पूजा पूरे विश्व में होती है। वह सर्वव्यापी हैं, लेकिन परंपरा की दृष्टि से अयोध्या कुछ अलग है। भक्त, भगवान के वश में होते हैं। यह भी यहां चरितार्थ होता है। सद्गुरु सदन में गुरु का चित्र श्रीराम के विग्रह के ऊपर रखकर अर्चन किया जाता है। यहां राम की पूजा शिष्य भाव से की जाती है। अयोध्या में वह सभी मानवीय रिश्तों में हर समय मौजूद रहते हैं। रिश्तों को आधार मानकर की गई आराधना को स्वीकार करते हैं। बिअहुति भवन, लक्ष्मण किला जैसे मंदिर में दूल्हे के रूप में उनकी आराधना की जाती है। सियाराम किला मंदिर में राम सखाभाव से पूजे जाते हैं। यहां संत माता सीता को अपनी सखी मानते हैं। वह महिला का श्रृंगार करते हैं। राम की जीजा के रूप में आराधना करते हैं। इन मंदिरों से सिद्ध साधको की लंबी जमात रही है। कनक भवन जैसे मंदिर में बाल और युगल सरकार के रूप में पूजा होती है।

काले, गोरे और सांवले राम

परंपरा की दृष्टि से अयोध्या छोटा विश्व है। यहां महाराष्ट्रीयन पद्धति का कालेराम मंदिर है, जहां राम का विग्रह काले रंग का है। सरयू तट के करीब गोरे राम का मंदिर भी है, जहां राम की मूर्ति गोरे रंग की है। निर्माणाधीन राम मंदिर में सांवले राम के साथ अब ऊपरी मंजिल पर राजा राम का दरबार सज गया है। अयोध्या के ऐसे बहुत से मंदिर हैं, जहां राजा राम के दरबार की स्थापना है।

सरयू के साथ राम की पहचान

नेत्रजा, वाशिष्ठी जैसे नामों से पुकारी जाने वाली पावन सलिला माता सरयू की पहचान राम के साथ है। भक्त और श्रद्धालु मानते हैं कि बालक के रूप में राम सरयू के तट पर खेले, स्नान किया। कहते हैं भगवान राम, सरयू को मां की तरह मानते थे। इसलिए अयोध्या आने के बाद सरयू का स्नान, दर्शन, पूजन संत और श्रद्धालु पहले करते हैं।

500 साल बाद अयोध्या

यूं तो अयोध्या को पहचान की न कभी जरूरत थी और न होगी। यह सृष्टि की आदि नगरी है, लेकिन लगभग 500 साल के संघर्ष के बाद श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने के बाद नए परिवेश में अयोध्या को नई पहचान जरूर मिली। इन दिनों राम मंदिर अयोध्या का आकर्षण है, लेकिन इसके साथ अयोध्या की यात्रा करें, तो यहां के अन्य मंदिरों के साथ पौराणिक स्थलों तक पहुंचेंगे तो आनंद कुछ ज्यादा मिलेगा।

सियाराम किला मंदिर में विराजमान भगवान का स्वरूप

विभूति भवन मंदिर में विराजमान विग्रह

कालेराम मंदिर का विग्रह

गोरे राम मंदिर का विग्रह

बोध कथा

अंतर्मन का दीपक

नदी के किनारे बसे सुंदर से एक गांव में लोग अपनी सरलता और परिश्रम के लिए जाने जाते थे। इसी गांव में एक बालिका रहती थी, जिसका नाम रिया था। यूं तो रिया बहुत ही बुद्धिमान, विनम्र और मेहनती थी, किंतु उसमें एक कमी थी। वह प्रत्येक कार्य दूसरों की प्रशंसा पाने के उद्देश्य से करती थी। यदि काम की सराहना होती, तभी वह प्रसन्न रहती। वहीं यदि कोई उसके कार्य पर ध्यान न देता, तो उसका मन निराश हो जाता। एक दिन उसके विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी की घोषणा हुई। प्रधानाचार्य ने बच्चों को अपने-अपने प्रोजेक्ट तैयार करने को कहा। रिया ने खूब मेहनत करके एक सुंदर जल-चक्र मॉडल बनाया। उसने सोचा, "इस बार तो मेरी खूब प्रशंसा होगी।" प्रदर्शनी के दिन उसने अपना मॉडल सजाकर रखा, लेकिन लोगों की भीड़ उसे अनदेखा करते हुए एक अन्य बच्चे के विज्ञान प्रयोग के पास जा रही थी। रिया का मॉडल एक कोने में जस का तस पड़ा था। वह उदास हो गई, उसकी आंखों में आंसू आ गए। उसे लगा कि उसकी सारी मेहनत व्यर्थ गई। वह सर झुकाकर बैठी थी कि अचानक उसके पास गांव के सबसे वृद्ध व्यक्ति रामू बाबा आए, जो अपने ज्ञान और अनुभव के लिए जाने जाते थे। उन्होंने रिया से पूछा, "बेटी, रो क्यों रही हो?" रिया ने सिसकते हुए कहा, "बाबा, मैंने इतना सुंदर मॉडल बनाया, लेकिन इसे किसी ने देखा तक नहीं। ऐसी मेहनत का क्या लाभ, यदि लोग उसकी प्रशंसा ही न करें?" बाबा मुस्कुराए और बोले, "आओ, मेरे साथ चलो।" वे उसे पास बने एक कुएं के पास ले गए। वहां उन्होंने दीपक जलाया और कहा, "बेटी, यह दीपक देखो। क्या यह इसलिए जल रहा है कि कोई इसकी प्रशंसा करे? नहीं, यह इसलिए जल रहा है, क्योंकि इसका स्वभाव ही प्रकाश देना है। चाहे कोई इसे देखे या न देखे, यह हमेशा अपना कर्तव्य निभाता रहता है।"

रिया बड़े ध्यान से दीपक को देखने लगी। बाबा बोले, "ठीक इसी प्रकार मनुष्य का कर्तव्य है-अपने कार्य में पूर्णता और सत्यता लाना। यदि हम प्रत्येक कार्य केवल प्रशंसा के लिए करें, तो हमारा मन बाहर के संसार पर निर्भर हो जाएगा, लेकिन यदि हम अपने भीतर के संतोष के लिए काम करें अर्थात अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तो हमारी मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाएगी।" उन्होंने रिया के मॉडल को ध्यान से देखा और कहा, "यह बहुत सुंदर और उपयोगी है, लेकिन वास्तविक मूल्य तुम्हारी मेहनत और सीखने की इच्छा में है, न कि दूसरों की तालियों में।"

रिया के अंधेरे मन में मानो किसी ने ज्ञान का दीप जला दिया था। वह समझ चुकी थी कि सच्चा आनंद अपने प्रयासों में निष्ठा और तत्परता से आता है, न कि बाहरी प्रशंसा से। वह मुस्कुराकर बोली, "अब मैं हर काम अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए करूंगी, न कि लोगों को दिखाने और उनकी प्रशंसा पाने के लिए।" प्रदर्शनी समाप्त होने के बाद जब विद्यालय के शिक्षकों ने सभी मॉडलों का मूल्यांकन किया, तो उन्होंने पाया कि रिया का मॉडल ही सबसे सटीक और सुंदर बना था। परिणामस्वरूप उसे प्रथम पुरस्कार मिला। किंतु इस बार रिया की खुशी का कारण पुरस्कार नहीं था, बल्कि यह कि उसने अंतर्मन के दीपक को प्रज्वलित करना सीख लिया था।

–शिशिर शुक्ला, शाहजहांपुर

पौराणिक कथा

कृष्ण की गुरु दक्षिणा

कंस वध के बाद जब मथुरा में शांति लौट आई, तब वसुदेव और देवकी ने निश्चय किया कि अब कृष्ण के औपचारिक शिक्षा-दीक्षा का समय आ गया है। इसी उद्देश्य से वे उन्हें अवंतिका नगरी (आज का उज्जैन) स्थित महान ऋषि सांदीपनि के गुरुकुल में भेजते हैं। वहां कृष्ण और बलराम ने वेद-शास्त्र, राजनीति, युद्धकला और विविध विद्याओं में अल्प समय में अद्भुत प्रगति की। गुरु सांदीपनि इस दिव्य प्रतिभा को देखकर अत्यंत प्रसन्न थे। शिक्षा पूर्ण होने पर कृष्ण ने विनम्रता से गुरु दक्षिणा की बात की। ऋषि सांदीपनि ने सहज ही कहा-"वत्स, तुमसे क्या मांगूं? ऐसा कुछ नहीं जो तुम दे न सको।" पर कृष्ण ने आग्रह किया- "गुरुदेव, दक्षिणा के बिना विद्या अपूर्ण रहती है। कृपया कुछ भी बताइए।"

कुछ क्षण मौन रहने के बाद ऋषि सांदीपनि ने कहा-"शंखासुर नाम का एक दैत्य मेरे पुत्र को उठा ले गया था। यदि तुम मेरी दक्षिणा देना चाहते हो, तो मेरे पुत्र को वापस ले आओ।" कृष्ण ने तुरंत इसे स्वीकार किया और बलराम के साथ खोज यात्रा पर निकल पड़े।

दोनों भाई सागर तट तक पहुंचे। समुद्र से पूछने पर उसने बताया कि पंचज जाति का शंखासुर, शंख का रूप धारण कर समुद्र की गहराइयों में छिपा है। संभवतः उसी ने गुरु-पुत्र को ग्रस लिया होगा। कृष्ण समुद्र में उतरे और भयंकर युद्ध के बाद शंखासुर का वध कर दिया। उसके पेट में उन्होंने गुरु-पुत्र की खोज की, परंतु वह वहां नहीं

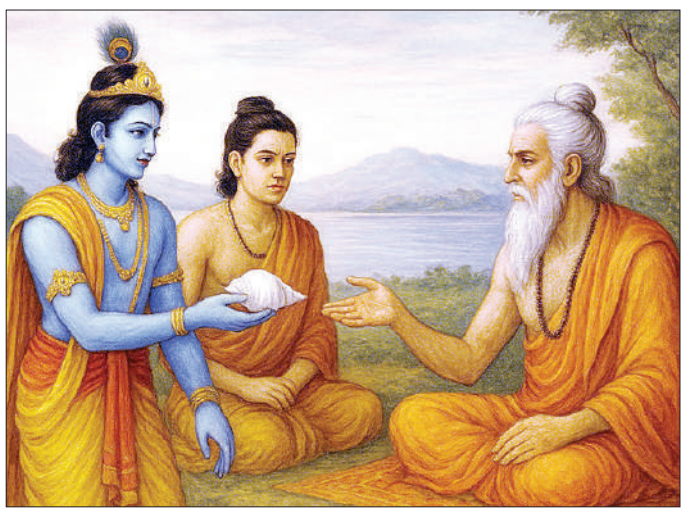

मिला। कृष्ण खोजते हुए यमलोक पहुंचे। यमराज ने भगवान की प्रार्थना स्वीकार की और सांदीपनि के पुत्र को जीवित कर कृष्ण को सौंप दिया। कृष्ण उसे लेकर गुरु के पास लौटे। गुरुकुल में अपने पुत्र को देखकर ऋषि सांदीपनि भाव-विभोर हो उठे। उन्होंने कृष्ण की भक्ति और दायित्वबोध की महिमा का गुणगान किया और यही माना कि इससे बढ़कर गुरु-दक्षिणा कोई हो ही नहीं सकती। इस प्रकार कृष्ण ने न सिर्फ अपने गुरु का ऋण चुकाया, बल्कि यह बताया कि विद्या तब तक पूर्ण नहीं होती जब तक उसमें गुरु-सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का तत्व न हो। **– फीचर डेस्क**

सप्ताह के प्रमुख व्रत

20 नवंबर-मार्गशीष अमावस्या

सनातन धर्म में मार्गशीर्ष महीने को बेहद पवित्र माना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद्गीता में कहा है कि 'मासानां मार्गशीर्षोऽहम्' यानी 'महीनों में मैं मार्गशीर्ष हूं।' इस माह में आने वाली अमावस्या का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। मार्गशीर्ष अमावस्या को पितरों के तर्पण और भगवान विष्णु की पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इस दिन शाम में पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का एक दीपक जलाएं। इससे पितृ दोष शांत होता है। मान्यता है कि पीपल में सभी देवी-देवताओं और पितरों का वास होता है। ऐसा करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही जीवन का अंधकार दूर होता है।

कोउ कह संकर चाप कठोरा...

विश्व के सर्वाधिक देशों की विभिन्न भाषाओं में रामकथा के विभिन्न प्रसंग अद्भुत संवाद योजना और अभिनय की दृष्टि से एकाधिक रूप में मिलते हैं, उन समस्त प्रसंगों में श्री जानकी-रामविवाह सर्वाधिक आनंदप्रद और सम्मोहनकारी है। कविकुल-शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी की भक्ति की पृष्ठभूमि दास्य भावना पर आधारित है। वे विनयभाव से रामकथा के अप्रतिम प्रस्तोता हैं, परंतु इस प्रसंग का उल्लेख वे बड़े नेहपगे मन से करते हैं। रस प्रधानता की दृष्टि से रामचरितमानस भक्ति रस प्रधान ग्रंथ है। कवि की प्रत्येक चौपाई में शील और सम्मान तथा भक्तिभावना की व्याप्ति है।

मानस के बालकांड में श्रीरामजानकी के विवाह में विदेहराज जनक जी द्वारा आयोजित सीता-स्वयंवर में दशरथनंदन राजकुमार द्वय- राम और लक्ष्मण ऋषि विश्वामित्र के साथ रंगभूमि में आकर्षण के केंद्र बिंदु हैं। गोस्वामी जी बालकांड में जनकपुर नगर, हाट, भवन तथा वीथियों सहित निवासियों की प्रशंसा प्रमुखता से करते हैं-

चारु बजारु बिचित्र अंबारी। मनिमय बिधि जनु स्वकर संवारी।।
पुर नर नारि सुभग सुचि संता। धरमसील ग्यानी गुनवंता।।
अति अनूप जहं निवासू। विथकहिं बिबुध बिलोकि बिलासू।।

ऋषि विश्वामित्र के जनकराज से मिलने पर दोनों भाईओं का परिचय कराते हुए बताते हैं कि ये दोनों बालक सामान्य बालक नहीं हैं। इनकी स्तुति तो ब्रह्मा जी भी गाते हैं। परम पौरुषवान होने के फलस्वरूप मैंने यज्ञ की रक्षा हेतु दोनों बालकों को अयोध्या नरेश दशरथ से मांगा है। यह दोनों चक्रवर्ती दशरथ जी की संतान हैं। उनका परिचय यज्ञभूमि तक सीमित नहीं रह जाता। दोनों भाईयों को जनकपुर नगर भ्रमण करते देख स्त्रियां परस्पर बातें करती हैं कि राजा दशरथ और कौशल्या के यह दोनों पुत्र मानो हंसों का जोड़ा है। मेरा मन तो यही कहता है कि फूल जैसी सुकुमारी सीता के लिए इन्हें वर रूप में वरण हेतु विधाता ने यहां भेजा है। यह संयोग अद्भुत ही नहीं मंगलकारी भी है। वहीं दूसरी सखी कोउ कह संकर चाप कठोरा, ए स्यामल मृदु गात किसोरा कहकर संदेह व्यक्त करती

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

है, लेकिन तीसरी स्त्री संदेह दूर करते हुए कहती है कि इनके जैसा कोई और नहीं है। ये देखने में छोटे हैं, परंतु इनका प्रताप असीम है। शील-गुण-धाम श्रीराम जी अनुज लक्ष्मण को लेकर पुष्पवाटिका में उपस्थित हैं तभी गिरिजापूजन के लिए सीता सखियों सहित प्रवेश करती हैं। दोनों एक-दूसरे को देखते हैं, मिथिलेश नंदिनी रूप-अनूप देखकर थोड़ी मुदित, थोड़े संकोच में पड़ जाती हैं। आमंत्रित राजा-महाराजाओं के अलावा भी सीता स्वयंवर देखने के लिए रंगभूमि में किन्नर, यक्ष, गंधर्व, नाग सहित तीनों लोकों के महिपाल भिन्न-भिन्न रुपों में उपस्थित थे। सीता के हाथों वरमाला पहनने की उत्कंठा भला कौन गंवाना चाहेगा। शुभ मुहुर्त में सयानी सखियों के संग सीता स्वयंवर स्थल की ओर चल पड़ीं। देवताओं ने फूल बरसाए, अप्सराएं नृत्यमग्न हो गईं। सीता तिरछे नैन से राम की ओर देखकर आगे बढ़ती हैं, उनकी इस भंगिमा में पुकार, सत्कार भी और प्रथम-दर्शन का अनुराग भी एक साथ अंतर्निहित था। यह प्रेमपगा अद्भुत प्रसंग रामचरितमानस सहित समस्त रामकथा की अनूठी निधि है। साक्षात जगत जननी जगदंबा को भार्यारूप में प्राप्त करने की दिग्गज महीपालों में होड़ है, परंतु धनुष को भंग करना तो दूर उसे लेशमात्र वे समस्त स्वनामधन्य राजागण हिला तक नहीं पाए। वस्तुतः उनकी अभिलाषा वासनाजनित और उत्कंठा में अहंकार-पोषित थी। विभिन्न राजा-महाराजाओं को लंबी-लंबी डींगें मारने और लज्जित होकर वापस अपने स्थान पर बैठने के पश्चात विश्वामित्र ने राजा जनक की निराशा दूर करते हुए रामजी को आदेश दिया। वे अत्यंत सहज भाव से शिव के धनुष को तिनके के समान उठाकर खंडित कर देते हैं। धनुष खंडन के पूर्व और पश्चात सम-भावी श्रीराम गुरु विश्वामित्र को प्रणाम करते हैं। सीता के आनंद का कोई ओर-छोर नहीं। वे प्रेम-विवश हो गईं। जनक जी ने अयोध्या संदेश भेजा। राजा दशरथ अनुरोध स्वीकारते हुए बारात लेकर जनकपुर पहुंचते हैं। राम सहित तीनों भाइयों के एक ही मंडप के विभिन्न कोबहरों में विवाह तीनों लोक के देवी-देवताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,950.95	26,013.45
बढ़त	388.17	103.40
प्रतिशत में	0.46	0.40

सोना 1,29,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,63,800 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 18 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

प्लैटिनम आभूषणों के आयात पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली। सरकार ने कुछ प्रकार के प्लैटिनम आभूषणों के आयात पर अगले साल अप्रैल तक प्रतिबंध लगाने की सोमवार को घोषणा की। सरकार ने सितंबर में कुछ चांदी के आभूषणों के आयात पर अगले साल 31 मार्च तक प्रतिबंध लगाया था। इस कदम का उद्देश्य थाईलैंड से बिना जड़ाऊ आभूषणों के नाम पर चांदी के आयात पर अंकुश लगाना था। भारत का आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संघ) के साथ मुक्त व्यापार समझौता है। थाईलैंड इस 10 राष्ट्र समूह का सदस्य है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा कि प्लैटिनम आभूषणों की आयात नीति के तहत रोक लगाया गया है।

मास्टर कैपिटल जल्द उतरेगा एमएफ में

नई दिल्ली। मास्टर कैपिटल सर्विसेज को म्यूचुअल फंड (एमएफ) कारोबार में उतरने के लिए सेबी से मंजूरी मिल गई है। इस अनुमोदन से कंपनी को एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) स्थापित करने और म्यूचुअल फंड योजनाएं शुरू करने के लिए अतिरिक्त विनियामक कदम उठाने की अनुमति मिल गई है, बशर्ते कि वह सेबी की अंतिम पंजीकरण जरुरतों को पूरा करे। मास्टर ट्रस्ट की अनुषंगी कंपनी मास्टर कैपिटल सर्विसेज ने इसकी जानकारी दी।

पावर ग्रिड बॉण्ड से जुटाएगी 3,800 करोड़

नई दिल्ली। पावर ग्रिड की निदेशकों की समिति ने उसे निजी नियोजन के आधार पर बॉण्ड जारी कर 3,800 करोड़ तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि आधार निर्गम आकार 1,000 करोड़ होगा। इसमें 2,800 करोड़ का ग्रीन शू विकल्प भी होगा। दस समान वार्षिक किस्तों में विमोच्य इन बॉण्ड पर ब्याज का भुगतान सालाना आधार पर होगा।

किंग्स इन्फ्रा ने आंध्र प्रदेश से किया समझौता

नई दिल्ली। किंग्स इंफ्रा वेंचर्स लिमिटेड ने श्रीकाकुलम के निकट 2,500 करोड़ की लागत से जलीय कृषि प्रौद्योगिकी पार्क विकसित करने के वास्ते आंध्र प्रदेश सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने की सोमवार को घोषणा की। किंग्स इन्फ्रा ने कहा कि 500 एकड़ में फैला पार्क पहला एआई-संचालित जलीय कृषि पार्क होगा जो प्रौद्योगिकी-सक्षम टिकाऊ समुद्री खाद्य उत्पादन के केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

निर्यात 11.8% घटकर 34.38 अरब डॉलर पर

अमेरिका के लगाए भारी शुल्क से अक्टूबर माह में आई गिरावट, व्यापार घाटा भी रिकॉर्ड 41.68 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- देश का आयात 16.63 प्रतिशत बढ़कर 76.06 अरब डॉलर हुआ
- सोने का आयात 200% बढ़ा, चांदी में 528.71% की वृद्धि

अमेरिका के लगाए भारी शुल्क के प्रभाव से अक्टूबर में भारत का निर्यात 11.8% घटकर 34.38 अरब डॉलर रह गया। वहीं सोने के आयात में उछाल के कारण व्यापार घाटा बढ़कर 41.68 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सोना, चांदी, कपास कच्चा/अपशिष्ट, उर्वरक और सल्फर की अधिक आवक से देश का आयात 16.63 प्रतिशत बढ़कर 76.06 अरब डॉलर हो गया। व्यापार घाटा सितंबर में बढ़कर 31.15 अरब डॉलर रहा था। सोने का आयात अक्टूबर में लगभग 200 प्रतिशत बढ़कर 14.72 अरब डॉलर हो गया, जबकि चांदी का आयात 528.71 प्रतिशत बढ़कर 2.71 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अक्टूबर में कच्चे तेल का आयात घटकर 14.8 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल इसी महीने में 18.9 अरब डॉलर था।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान निर्यात मामूली रूप से 0.63 प्रतिशत बढ़कर 254.25 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 6.37 प्रतिशत बढ़कर 451.08 अरब डॉलर हो गया। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान व्यापार घाटा 196.82 अरब रह गया जो अप्रैल-अक्टूबर, 2024 के दौरान 171.40 अरब डॉलर था।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, हम अपनी स्थिति पर कायम हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीने निर्यात में गिरावट का कारण आधार प्रभाव (अक्टूबर, 2024 में 38.98 अरब डॉलर) भी हो सकता है। मुख्य क्षेत्रों जैसे कि इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न और आभूषण, परिधान और वस्त्र, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, फार्मास्युटिकल्स, और प्लास्टिक उत्पादों में स्पष्ट कमी देखी गई, जिसने कुल निर्यात प्रदर्शन को प्रभावित किया। हस्तशिल्प, कालीन, चमड़ा, लौह अयस्क, चाय, चावल, तंबाकू, मसाले और तेल खली के निर्यात में भी अक्टूबर में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 10.5 प्रतिशत घटकर लगभग चार अरब डॉलर रह गया, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 16.71 प्रतिशत घटकर 9.37 अरब डॉलर रह गया। अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी-भरकम शुल्क लगा रखा है, जिसका असर देश के निर्यात पर पड़ रहा है।

निर्यात में यह कमी व्यापक वैश्विक आर्थिक सुस्ती का प्रतीक : फियो अध्यक्ष रल्हन

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि निर्यात में यह कमी व्यापक वैश्विक आर्थिक सुस्ती का प्रतीक है, जो भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, कई प्रमुख बाजारों में कम मांग और वस्तुओं की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के चलते है। बढ़ते व्यापार घाटे पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्णायक और समय पर नीतिगत हस्तक्षेप का आग्रह किया। उन्होंने निर्यात समर्थन उपायों को बढ़ाने, विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ को तेजी से जारी करने, बेहतर और किफायती ऋण पहुंच और अनुपालन बोझ को कम करने की आवश्यकता दोहराई ताकि निर्यातक चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिवेश में प्रतिस्पर्धी बने रह सकें। अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में सेवाओं के निर्यात का अनुमानित मूल्य 38.52 अरब डॉलर है, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 34.41 अरब डॉलर था।

अमेरिका से 22 लाख टन एलपीजी का होगा आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय कंपनियों ने किया एक साल का समझौता

भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने 2026 में अमेरिका से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आयात करने के लिए एक वर्ष का समझौता किया है। इस कदम को अमेरिका के साथ भारत के व्यापार अधिशेष को कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। यह मुद्दा राष्ट्रपति ट्रंप के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है।

सोमवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने अनुबंध वर्ष 2026 के लिए अमेरिकी खाड़ी तट से 22 लाख टन एलपीजी आयात करने को एक वर्षीय संरचित अनुबंध किया है। अनुबंधित मात्रा भारत के वार्षिक एलपीजी आयात का 10% है और यह भारतीय बाजार के लिए पहला ऐसा अमेरिकी एलपीजी अनुबंध है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) वर्ष 2026 में 48 बहुत बड़े गैस वाहक जहाजों के बराबर एलपीजी आयात करेंगी। इनकी आपूर्ति अमेरिकी कंपनियां शेवरॉन, फिलिप्स और टोटलएनर्जीज़ ट्रेडिंग एसए करेंगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस एलपीजी समझौते की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक शुरुआत! दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते एलपीजी बाजारों में से एक अब अमेरिका के लिए खुल रहा है।

निवेशकों की संख्या दोगुना करेगी सेबी : पांडेय

मुंबई, एजेंसी

- सेबी प्रमुख ने हाल ही में कराए सर्वेक्षण का दिया हवाला

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि बाजार नियामक तीन से पांच साल में शेयर बाजार निवेशकों की संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। पांडेय ने हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के सर्वेक्षण के निष्कर्षों का हवाला दिया। यह सर्वेक्षण निवेश के प्रति उत्सुकता को दर्शाता है।

सर्वेक्षण में 20% से अधिक लोगों ने कहा कि वे प्रतिभूति बाजार में निवेश करने की योजना बना रहे हैं। पांडेय ने कहा कि हम निवेशकों की संख्या को दोगुना करने की उम्मीद कर रहे हैं। अगर हम 10 करोड़ और निवेशक जोड़ दें तो यह कई देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक होगा। भारत में विशिष्ट निवेशकों की कुल संख्या अक्टूबर तक 12.2 करोड़ थी और 2020 में कोविड के बाद से यह संख्या तेजी से बढ़ी है। पांडेय ने उद्योग मंडल सीआईआई वित्त पोषण शिखर सम्मेलन में कहा कि पूंजी बाजार परिवेश में यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है कि बाजार में अच्छी गुणवत्ता वाली प्रतिभूति आएं जो निवेशकों का ध्यान आकर्षित करें। निवेशकों की रुचि उच्च आर्थिक वृद्धि, सरकार के किए सुधारों और निवेश और कारोबार सुगमता से प्रेरित है। घरेलू निवेशक आने वाले झटकों के खिलाफ ढाल बनेंगे। सेबी का एजेंडा नए नियम जोड़ना नहीं है, बल्कि बेहतर नियम पुस्तिका तैयार करना है जो आसान हो। जिन जोखिमों का समाधान करना है उनके अनुपात में हो और नवाचार का समर्थन करे।

बाजारों से मिले विश्वास के कई संकेत

पांडेय ने कहा कि बाजारों में परिपक्वता और लोगों के विश्वास के कई संकेत मिले हैं और इस संदर्भ में उन्होंने कुछ आंकड़े भी दिए। पांडेय ने कहा कि 2025-26 में, इक्विटी पूंजी 2.5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जबकि कॉरपोरेट बॉण्ड सात महीनों में 5.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गए। ये जनता के इस विश्वास को दर्शाते हैं कि बाजार दीर्घकालिक वित्तपोषण को कुशलतापूर्वक और विश्वसनीय रूप से पूरा कर सकते हैं।

यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड से वार्ता अंतिम चरण में

नई दिल्ली, एजेंसी

मुक्त व्यापार समझौता

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड के साथ भारत की मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत अंतिम चरण में है और जल्द ही पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एक भारतीय दल दोहरे योगदान सम्मेलन (डीसीसी) समझौते पर चर्चा के लिए ब्रिटेन में है।

अग्रवाल ने कहा, हमें उम्मीद है कि यह जल्द ही पूरा हो जाएगा ताकि दोनों (डीसीसी और एफटीए) एक साथ शुरू किए जा सकें। भारत और ब्रिटेन ने व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया है क्योंकि इसके लिए ब्रिटेन की संसद की मंजूरी की जरूरत है। अग्रवाल ने यूरोपीय संघ के साथ बातचीत के बारे में कहा कि बातचीत अंतिम चरण में है। लेकिन अंतिम चरण हमेशा कठिन होता है। सचिव ने कहा कि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत भी अंतिम चरण में है। हमें उम्मीद है कि हम जल्द से जल्द बातचीत को पूरा कर लेंगे। अंतिम चरण में समय लग सकता है।

सचिव ने कहा कि इसके अलावा दो दक्षिण अमेरिकी देशों पेरू और चिली के साथ भी बातचीत जारी है। पेरू के साथ, प्रगति हो रही है और हमें इसमें प्रगति देखने की उम्मीद है। चिली से भी बातचीत अच्छी गति से बढ़ रही है और चौथे दौर की वार्ता दिसंबर में होने वाली है। उन्होंने आसियान के साथ मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा के संबंध में कहा कि यह एक कठिन समीक्षा है, लेकिन हम प्रगति कर रहे हैं। अग्रवाल ने कहा कि दिसंबर में वार्ता का एक और दौर होने की संभावना है जहां हमें कुछ और सकारात्मक प्रगति देखने को मिल सकती है।

आसियान के 10 देश ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलिपीन, सिंगापुर, थाइलैंड और वियतनाम हैं।

भारत-अमेरिका का पहला चरण पूरा होने के करीब

नई दिल्ली। प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का पहला चरण लगभग पूरा होने वाला है और इसमें अमेरिकी बाजार पहुंच संबंधी मुद्दों के अलावा भारतीय वस्तुओं पर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी शुल्क का समाधान भी शामिल होगा। एक सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका ने भारत पर 25% और रूसी कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाली भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25% शुल्क लगाया है। अधिकारी ने कहा कि हम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिका से बातचीत कर रहे हैं। इसके दो चरण हैं। एक चरण की बातचीत में समय लगेगा। दूसरा चरण एक पैकेज है जो शुल्कों को संबोधित कर सकता है। हम दोनों पहलुओं पर काम कर रहे हैं। शुल्कों को संबोधित करने वाला पैकेज पूरा होने के करीब है और हमें इसे जल्द ही प्राप्त हो जाना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि इस समझौते से भारत पर 25% जुर्माने के मुद्दे का समाधान होने की उम्मीद है, अन्यथा इस समझौते का कोई मतलब नहीं होगा।

- समझौते से भारत पर 25% जुर्माने के मुद्दे का समाधान होने की उम्मीद

राष्ट्रीय

निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को पार न करें : सुप्रीम कोर्ट

महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा- उल्लंघन होने पर चुनाव पर लगा देंगे रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार से कहा कि अगले महीने होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक न हो तथा चेतावनी दी कि यदि आरक्षण की सीमा का उल्लंघन हुआ, तो चुनाव पर रोक लगा दी जाएगी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव 2022 की जेके बांठिया आयोग की रिपोर्ट से पहले की स्थिति के अनुसार ही कराए जा सकते हैं, जिसमें ओबीसी श्रेणियों में 27% आरक्षण की सिफारिश थी। महाराष्ट्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध पर पीठ ने मामले की सुनवाई 19 नवंबर के लिए तय की, लेकिन राज्य सरकार से कहा कि वह 50% की सीमा से आगे न बढ़े।

शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर नामांकन शुरू हो गया है और अदालत को काम रोक देना चाहिए, तो हम चुनाव पर रोक लगा देंगे। अदालत की शक्तियों का इम्तिहान न लें। पीठ ने कहा कि हमारा संविधान पीठ द्वारा तय 50% आरक्षण सीमा को पार करने का इरादा नहीं था। हम दो न्यायाधीशों वाली पीठ में बैठकर ऐसा नहीं कर सकते। बांठिया आयोग की रिपोर्ट अब भी विचाराधीन है, हमने पहले की स्थिति के अनुसार चुनाव कराने की अनुमति दी थी।

दिल्ली प्रदूषण : दीर्घकालिक समाधान पर जोर, साल भर पाबंदी से इन्कार

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक समाधान की वकालत करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रेप) के तहत प्रतिबंधों को साल भर लागू नहीं किया जा सकता। 'ग्रेप' प्रदूषण नियंत्रण के लिए आपातकालीन उपायों का समूह है। शीर्ष अदालत ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से कहा कि वे दोनों राज्यों में पराली जलाने के मुद्दे पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों का सख्ती से पालन करें। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि अगर सीएक्यूएम द्वारा पंजाब और हरियाणा को दिए सुझावों पर अमल किया जाता है, तो पराली जलाने की समस्या से पर्याप्त रूप से निपटा जा सकता है। इसलिए हम दोनों राज्यों को एक संयुक्त बैठक करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश देते हैं कि सीएक्यूएम के सुझावों का ईमानदारी से पालन किया जाए। पीठ ने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने 11 नवंबर को बैठक की थी और एक दिन के भीतर प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश दिए जा सकते हैं। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी को अगली सुनवाई की तारीख 19 नवंबर को पूरी कार्ययोजना से अदालत को अवगत कराने के लिए कहा गया है, जब अदालत इस मामले में निर्देश भी जारी करेगी। शुरुआत में पीठ ने कहा कि समय-समय पर वायु प्रदूषण के उच्च स्तर से निपटने के लिए कई आदेश पारित किए गए हैं।

बुजुर्ग महिला वकील से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी के आरोपियों की रिहाई रोकी

सुप्रीम कोर्ट ने एक दुर्लभ कदम उठाते हुए उन लोगों को जेल से रिहा करने से रोक दिया जिन पर शीर्ष अदालत की 72 वर्षीय महिला वकील से डिजिटल अरेस्ट कर 3.29 करोड़ की ठगी करने का आरोप है। कोर्ट ने कहा कि मामले में असाधारण आदेश की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, हमें इन मामलों से सख्ती से निपटना होगा ताकि सही संदेश जाए। एक असाधारण घटना के लिए असाधारण हस्तक्षेप की जरुरत है। पीठ नेसुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) द्वारा दायर हस्तक्षेप आवेदन को रिकॉर्ड में लिया, जिसमें महिला वकील के मामले को आगे बढ़ाया गया और अपराध के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आग्रह किया गया। एससीएओआरए के अध्यक्ष विपिन नायर ने कहा कि बुजुर्ग महिला वकील की सारी जमा पूंजी चली गई और इस वर्ष मई में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किए गए आरोपी वैधानिक जमानत पर रिहा होने वाले हैं।

टेट्रा पैक में शराब की बिक्री बेहद खतरनाक और भ्रमित करने वाली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि टेट्रा पैक में शराब की बिक्री बेहद खतरनाक और भ्रमित करने वाली है। साथ ही शीर्ष अदालत ने पूछा कि क्या टेट्रा पैक में शराब की बिक्री की अनुमति दी जानी चाहिए? न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने देश की दो बड़ी शराब कंपनियों के बीच ट्रेडमार्क विवाद पर सुनवाई के दौरान यह तल्ख टिप्पणी की। वरिष्ठ अधिवक्ता ने दोनों कंपनियों के टेट्रा पैक पीठ के समक्ष पेश किए तथा उनके बीच समानता की ओर इशारा किया। पीठ ने आश्चर्य जताया कि सरकार ने टेट्रा पैक में शराब की बिक्री की अनुमति दे दी है। उसने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है। यह मामला जॉन डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड (जो ओरिजिनल चॉइस व्हिस्की बेचती है) और एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड (जो ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाती है) के बीच ट्रेडमार्क विवाद से जुड़ा है। शीर्ष अदालत ने दोनों कंपनियों के बीच विवाद को सुलझाने के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एल. नागेश्वर राव को मध्यस्थ नियुक्त किया।

हवाई किराए में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव रोकने संबंधी याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें भारत में निजी विमानन कंपनियों द्वारा लागू हवाई किराए और अन्य शुल्कों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए बाध्यकारी नियामक दिशानिर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है। शीर्ष अदालत सामाजिक कार्यकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर सुनवाई को सहमत हो गई, जिन्होंने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्री सुरक्षा के लिए मजबूत, स्वतंत्र नियामक स्थापित करने की मांग की है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी कर याचिका पर उनका जवाब मांगा और मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की। इसमें याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रवींद्र श्रीवास्तव और अधिवक्ता चारु माथुर तथा अभिनव वर्मा उपस्थित हुए। सभी निजी एयरलाइन ने बिना ठोस कारण के, इकोनॉमी क्लास के यात्रियों के लिए मुफ्त चेक-इन बैगेज भत्ते को 25 से घटाकर 15 किग्रा कर दिया है, जिससे पहले टिकट सेवा का हिस्सा रहे सामान को राजस्व के नए स्रोत में बदला गया है। चेक-इन के लिए एक सामान ले जाने की अनुमति की नई नीति और यात्रियों को किसी भी प्रकार की छूट, मुआवज़ा या लाभ न देना, इस उपाय की मनमानी और भेदभावपूर्ण प्रकृति को दर्शाता है।

केरल : एसआईआर कार्य का बीएलओ ने किया बहिष्कार

एसआईआर कार्य के विरोध में प्रदर्शन करते बीएलओ।

तिरुवनंतपुरम। केरल में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने काम के तनाव के कारण एक अधिकारी द्वारा आत्महत्या करने की घटना के बाद कार्य का बहिष्कार किया, जिससे राज्य में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया सोमवार को प्रभावित रही।

कन्नूर के पय्यान्नूर में बीएलओ के रूप में कार्यरत 44 वर्षीय अनीश जॉर्ज रविवार को अपने घर में फांसी पर लटके पाए गए थे। स्थानीय लोगों और जॉर्ज के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि उन्होंने यह कदम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े काम के दबाव में उठाया। राज्य सरकार कर्मचारी एवं शिक्षक कार्य परिषद और शिक्षक सेवा संगठनों की संयुक्त समिति समेत कर्मचारियों के श्रमिक संगठनों ने जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और मांग की कि बीएलओ पर अत्यधिक दबाव न डालें एवं एसआईआर को स्थगित करने पर विचार करें।

केरल एनजीओ एसोसिएशन ने भी प्रदर्शन किया और मांग की कि आत्महत्या की और घटनाओं को रोकने के लिए एसआईआर को रोका जाए।

वानी को आत्मघाती हमलावर बनाना चाहता था डॉ. उमर

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई महीने की ब्रेनवाश करने की कोशिश मगर नहीं हो सका कामयाब
- पूछताछ में जैश की आत्मघाती हमलावर तैयार करने की साजिश का किया खुलासा

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से गिरफ्तार किए गए दिल्ली विस्फोट के दूसरे आरोपी जसीर बिलाल वानी ने पूछताछ में कई राज खोले हैं। आतंकी संगठन जैश की भारत में हमलों के लिए आत्मघाती हमलावर तैयार करने की मुहिम का खुलासा करते हुए उसने बताया कि विस्फोट को अंजाम देने वाला डॉ.उमर उन नबी आत्मघाती हमलावर बनने के लिए कई महीने तक उसका ब्रेनवाश करने की कोशिश करता रहा था लेकिन उसने आत्महत्या के लिए इस्लाम में मनाही का जिक्र करते हुए इन्कार कर दिया था।

एनआईए के मुताबिक वानी राजनीति विज्ञान में स्नातक है। उमर की कोशिशों के बाद वह पिछले वर्ष अक्टूबर में कुलगाम की एक मस्जिद में 'डॉक्टर मॉड्यूल' से मिलने को तैयार हुआ, जहां से उसे हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय में रहने के लिए ले जाया गया था। वानी को पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिया था और पूछताछ में उसने खुलासा किया था कि मॉड्यूल के अन्य लोग उसे प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद के लिए ओवर-ग्राउंड वर्कर बनाना चाहते थे, जबकि उमर कई महीनों से उसका ब्रेनवॉश कर आत्मघाती हमलावर बनने के लिए तैयार कर रहा था। उमर की यह कोशिश इस साल अप्रैल में उस समय नाकाम हो गई जब वानी ने खराब आर्थिक स्थिति और इस्लाम में आत्महत्या को निषिद्ध मानने का हवाला देते हुए इससे इंकार कर दिया था। एनआईए के मुताबिक आत्मघाती हमलावर बनाने की मुहिम की साजिश जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े अंतरराज्यीय आतंकी नेटवर्क की जांच में एक खतरनाक आयाम जोड़ती है।

तुर्किए से लौटने के बाद उमर ने विस्फोटकों का किया भंडारण

जम्मू-कश्मीर पुलिस को वानी ने बताया कि उमर में बदलाव 2021 में सहआरोपी डॉ. मुजम्मिल अहमद गनई के साथ तुर्किये की यात्रा के बाद आया, जहां दोनों जैश-ए-मोहम्मद के ओवर ग्राउंड वर्कर से मिले थे। एजेंसी के मुताबिक तुर्किये की यात्रा के बाद अल फलाह विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाले उमर और गनई ने खुले बाजार से भारी मात्रा में रसायन इकट्ठा करना शुरू कर दिया, जिसमें 360 किग्रा अमोनियम नाइट्रेट, पोटेशियम नाइट्रेट और सल्फर शामिल थे, जिनमें से अधिकांश को विश्वविद्यालय परिसर के पास संग्रहीत किया गया था।

6 माह महिला को रखा डिजिटल अरेस्ट, 32 करोड़ ठगे

बेंगलुरु, एजेंसी

- सीबीआई बनकर महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर दबाव डालकर कराए 187 बैंकिंग लेनदेन

कर्नाटक के बेंगलुरु की 57 वर्षीय महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने छह महीने से अधिक समय तक चले डिजिटल अरेस्ट में करीब 32 करोड़ गंवा दिए। कर्नाटक में यह सबसे बड़ी साइबर धोखाधड़ी है और इस संबंध में मामला दर्ज हुआ है।

धोखेबाजों ने सीबीआई बनकर स्काइप से महिला की निगरानी कर उसे डिजिटल अरेस्ट कर रखा था। ठगों ने महिला को गिरफ्तारी की धमकी दी और उससे सारी वित्तीय जानकारी ली तथा 187 बैंकिंग लेनदेन का दबाव डाला। शहर के इंदिरानगर की सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने शिकायत में कहा कि क्लीयरेंस लेटर मिलने तक धोखबाजों ने उसे छह महीने तक 'डिजिटल अरेस्ट' के धोखे में रखा। इसकी शुरुआत 15 सितंबर, 2024 को एक व्यक्ति के फोन से हुई, जिसने डीएचएल अंधेरी से होने का दावा करते हुए आरोप लगाया कि उसके नाम से बुक किए पार्सल में क्रेडिट कार्ड, पासपोर्ट और एमडीएमए है और उसकी पहचान का दुरुपयोग हुआ है।

मेथिलीन-डाइऑक्सीमेथाम्फेटामीन (एमएमडीए) मादक पदार्थ होता है। इससे पहले कि महिला कोई जवाब दे पाती, कॉल स्थानांतरित की गई, जिसने कॉल ली उसने खुद को सीबीआई बताया और दावा किया कि सारे सबूत आपके खिलाफ हैं। जालसाज़ों ने उसे पुलिस से संपर्क नहीं करने की चेतावनी दी और कहा कि वे उसके घर पर नजर रख रहे हैं। परिवार और बेटे की होने वाली शादी के डर से, वह चुप रही। शिकायत के अनुसार महिला को दो स्काइप आईडी बनाने और वीडियो पर बने रहने का निर्देश दिया गया था। इसके अनुसार मोहित हांडा नामक एक व्यक्ति ने दो दिन तक उस पर नजर रखी, उसके बाद राहुल यादव ने एक हफ्ते तक उस पर नजर रखी। एक और जालसाज प्रदीप सिंह ने खुद को सीबीआई का वरिष्ठ अधिकारी बताया और उस पर अपनी बेगुनाही साबित करने का दबाव डाला। शिकायतकर्ता ने कहा कि ऐसा प्रतीत हुआ कि समूह को उसकी फ़ोन गतिविधि और लोकेशन की जानकारी थी, जिससे उसका डर और बढ़ गया। इस ठगों ने फायदा उठाकर बैंकिंग लेने देने कराएं।

वर्ल्ड ब्रीफ

टॉम क्रूज़ को मिला मानद ऑस्कर

लॉस एंजिल्स। मशहूर अभिनेता टॉम क्रूज़ को गवर्नर्स अवार्ड्स के दौरान अकादमी मानद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। क्रूज़ को मिशन इम्पॉसिबल श्रृंखला और टॉप गन फ्रेंचाइजी जैसी बड़ी फिल्मों में शानदार अभिनय के लिए जाना जाता है। यह पुरस्कार फिल्म निर्माता एलेजांद्रो जी. इनारितु ने क्रूज को प्रदान किया। पुरस्कार ग्रहण करते वक्त 63 वर्षीय अभिनेता ने उन सभी लोगों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने फिल्मों को संभव बनाया। क्रूज़ ने कहा कि सिनेमा मुझे दुनिया भर में ले जाता है। इससे मुझे मतभेद दूर करने में मदद मिलती है।

इजराइल से निर्यात प्रतिबंध हटाएगा जर्मनी

बर्लिन। जर्मनी की सरकार ने सोमवार को कहा कि वह इजराइल को सैन्य उपकरणों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने जा रही है। यह प्रतिबंध तीन महीने पहले लगाए गए थे। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अगस्त की शुरुआत में कहा था कि बर्लिन इजराइल को ऐसे किसी भी सैन्य उपकरण के निर्यात को अधिकृत नहीं करेगा जिसका इस्तेमाल गाजा में किया जा सकता है। यह इजराइली कैबिनेट द्वारा गाजा शहर पर कब्जा करने के निर्णय की प्रतिक्रिया थी। चांसलर मर्ज के प्रवक्ता स्टीफन कोर्नेलियस ने जर्मनी की न्यूज एजेंसी डीपीए को बताया कि प्रतिबंध 24 नवंबर से हटा लिए जाएंगे।

प्रवासी सम्मान पाने वाले बेजालेल का निधन

यरुशलम। इजराइल में एक चरवाहे के रूप में काम करने से लेकर अपने अथक परिश्रम से कृषि क्षेत्र में जाना पहचाना नाम बनने, साथ ही प्रवासी भारतीय सम्मान प्राप्त करने वाले भारतीय मूल के उद्यमी एलियाहू बेजालेल का रविवार को 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बेजालेल मूल रूप से केरल के गांव चेन्दमंगलम के रहने वाले थे लेकिन 1955 में 25 वर्ष की आयु में वह इजराइल आ गए थे। लेकिन यहां आने के बाद भी उनका अपनी मातृभूमि के साथ मजबूत भावनात्मक संबंध बना रहा था। उन्हें 2006 में प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान किया गया था जो भारत द्वारा प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

शंघाई उड़ान बहाल करेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक फरवरी, 2026 से दिल्ली और शंघाई के बीच उड़ानें फिर से शुरू करेगी और लगभग छह वर्ष बाद चीन के लिए सीधी विमान सेवा बहाल होगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने 2020 की शुरुआत में कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर शंघाई के लिए सेवाएं बंद कर दी थीं। एक फरवरी से दिल्ली-शंघाई उड़ानें फिर से शुरू करने की सोमवार को घोषणा करते हुए एयर इंडिया ने यह भी कहा कि वह 2026 में मुंबई और शंघाई के बीच उड़ान की योजना बना रही है।

कांगो में खदान पर पुल ढहने से 32 की मौत

बुकावु। दक्षिण-पूर्वी कांगो में एक तांबा और कोबाल्ट खदान में अत्यधिक भीड़ के कारण एक पुल ढह गया जिससे 32 लोगों की मौत हो गई। प्रांत के गृह मंत्री रॉय कौम्बा मायोंडे ने बताया कि लुआलाबा प्रांत के मुलोंडो में कलांडो खदान का पुल शनिवार को ढह गया। खनन विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि घटनास्थल पर सैनिकों की गोलीबारी से खनिकों में दहशत फैल गई और वे पुल की ओर भागे जिससे पुल ढह गया तथा वे एक-दूसरे के ऊपर गिर गए जिससे कई लोग हताहत हुए।

नाइजीरिया में 25 छात्राओं का विद्यालय से अपहरण

अबुजा, एजेंसी

- बंदूकधारियों ने स्कूल के एक कर्मचारी की हत्या भी की

अफ्रीकी देश नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित एक हाई स्कूल पर बंदूकधारियों ने सोमवार सुबह हमला कर 25 छात्राओं का अपहरण कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नाइजीरिया के उत्तरी क्षेत्र में स्कूल अपहरण की नवीनतम घटना में स्कूल का एक कर्मचारी मारा गया तथा एक अन्य घायल हो गया। उसने बताया कि केब्बी राज्य के बोर्डिंग स्कूल से अपहरण की इस घटना की जिम्मेदारी अब तक किसी समूह ने नहीं ली है।

पुलिस के मुताबिक घटना स्थानीय समयानुसार तड़के चार बजे हुई और लड़कियों को उनके छात्रावास से अगवा किया गया। पुलिस प्रवक्ता नफीउ अबुबकर कोटारकोशी ने बताया कि बोर्डिंग स्कूल राज्य के डैंको-वासागु इलाके के मागा में स्थित है। कोटरकोशी ने बताया कि हमलावर अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे और लड़कियों का अपहरण करने से पहले उन्होंने सुरक्षाकर्मियों के साथ गोलीबारी की। एक संयुक्त टीम संदिग्धों के भागने के मार्गों और आसपास के जंगलों में समन्वित खोज और बचाव अभियान चला रही है, जिसका उद्देश्य अपहृत छात्राओं को छुड़ाना और अपराधियों को गिरफ्तार करना है।

सत्ता के सिंहासन से फांसी के तख्त तक

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को उनके देश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) द्वारा मौत की सजा सुनाई गई है। हसीना ने फैसले की निंदा करते हुए इसे पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया। बांग्लादेश की अदालत द्वारा सुनाया गया यह फैसला दुनिया में पहला नहीं है, अब तक दुनिया भर में कई राष्ट्राध्यक्षों या राष्ट्र प्रमुखों को उनके देश में मौत की सजा दी गई या उन्हें अन्य गंभीर दंड दिए गए हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक देश के अपने कानून और न्याय प्रणाली हैं, और मौत की सजा का उपयोग और प्रावधान भिन्न होता है।

राष्ट्राध्यक्षों को मौत की सजा

हसीना के मामले में भारत के पास विकल्प

- **प्रत्यर्पण संधि :** भारत और बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि है, जिसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के अनुरोध पर वांछित व्यक्तियों को सौंप सकते हैं।
- **राजनयिक प्रयास :** भारत सरकार बांग्लादेश के साथ राजनयिक प्रयास कर सकती है ताकि शेख हसीना के मामले का समाधान निकाला जा सके।
- **अंतर्राष्ट्रीय मंच :** भारत इस मामले को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी उठा सकता है, जैसे कि संयुक्त राष्ट्र या अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में, ताकि बांग्लादेश पर दबाव बनाया जा सके।
- **शरण की स्थिति :** भारत सरकार शेख हसीना को शरण देने का निर्णय ले सकती है, अगर उन्हें लगता है कि बांग्लादेश में उनके जीवन को खतरा है या उन्हें न्याय नहीं मिलेगा।

इन राष्ट्राध्यक्षों को मिली थी फांसी

- **निकोले चाऊशेस्कु :** रोमानिया के पूर्व राष्ट्रपति को 1989 में नरसंहार, क्रूर दमन, भ्रष्टाचार और राष्ट्र की संपत्ति लूटने जैसे गंभीर आरोपों में दोषी पाया गया और तुरंत मौत की सजा सुनाई गई।
- **जुल्फिकार अली भुट्टो :** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री को 1979 में एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के आरोप में फांसी दी गई थी।
- **सद्दाम हुसैन :** इराक के पूर्व राष्ट्रपति को 2006 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए फांसी दी गई थी।
- **लिबिया के पूर्व नेता मुअम्मर गद्दाफी :** उन्हें 2011 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए पीट-पीटकर मार दिया गया था।
- **फ्रांसिस्को मैकियास नगुएमा :** इक्वेटोरियल गिनी के पूर्व राष्ट्रपति को 1979 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए फांसी दी गई थी।
- **बेनिटो मुसोलिनी :** इटली के फासीवादी नेता बेनिटो मुसोलिनी को दूसरे विश्व युद्ध के दौरान मार दिया गया था।
- **मोहम्मद नजीबुल्लाह :** अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नजीबुल्लाह को तालिबान ने मौत की सजा दी थी।

भारत के सामने चुनौतियां

- **बांग्लादेश के साथ संबंध :** भारत को इस मामले में बहुत सावधानी से कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि बांग्लादेश के साथ संबंध खराब न हों।
- **क्षेत्रीय स्थिरता :** भारत को क्षेत्रीय स्थिरता को भी ध्यान में रखना होगा, क्योंकि इस मामले में कोई भी गलत कदम उठाने से क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।
- **शेख हसीना का भविष्य :** भारत को शेख हसीना के भविष्य को भी ध्यान में रखना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें न्याय मिले और उनके अधिकारों का हनन न हो।

रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अब लगाएंगे बहुत कड़ी पाबंदियां

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दी चेतावनी, कहा-हम कड़े कानून पर आगे बढ़ रहे

- ट्रंप प्रशासन ने भारत पर लगाया है 50 प्रतिशत शुल्क

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि जो भी देश रूस के साथ व्यापार करेगा, उस पर बहुत कड़ी पाबंदियां लगाई जाएंगी। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन और रिपब्लिकन सांसद मॉस्को को निशाना बनाने वाले कड़े कानून पर आगे बढ़ रहे हैं। रविवार को एक प्रेस वार्ता में ट्रंप से पूछा गया कि क्या रूस और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालने के लिए कांग्रेस द्वारा उपाय लागू करने का समय आ गया है, इस पर उन्होंने कहा कि मैंने सुना है कि वे ऐसा कर रहे हैं और यह ठीक है।

ट्रंप ने कहा, वे कानून पारित कर रहे हैं, रिपब्लिकन कानून ला रहे हैं, रूस के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर बहुत कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। वे उसमें ईरान को भी शामिल कर सकते हैं, यह सुझाव मैंने दिया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोहराया, जो कोई भी देश जो रूस के साथ व्यापार करेगा, उसे बहुत कड़ी पाबंदियों का सामना करना पड़ेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप।

प्रस्ताव को अमेरिकी संसद का समर्थन

इस प्रस्ताव को संसद की विदेश संबंध समिति में लगभग सर्वसम्मत समर्थन मिला है। ग्राहम और सांसद रिचर्ड ब्लूमेंथल ने संयुक्त रूप से रूस प्रतिबंध अधिनियम 2025 पेश किया है, जिसका उद्देश्य उन देशों पर द्वितीयक शुल्क और प्रतिबंध लगाना है जो यूक्रेन में पुतिन के बर्बर युद्ध को जारी रखने के लिए धन मुहैया कराते हैं। इस प्रस्तावित कानून के संसद में 85 सह-प्रायोजक हैं।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो से बात करेगा अमेरिका

वेस्ट पाम बीच। अमेरिका के सबसे उन्नत विमानवाहक पोत की तैनाती के जरिए वेनेजुएला के पास सैन्य उपस्थिति बढ़ाए जाने के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनका देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के साथ बातचीत कर सकता है। ट्रंप ने मादुरो के साथ संभावित चर्चा के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी लेकिन उन्होंने कहा कि वेनेजुएला बातचीत करना चाहेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने मादक पदार्थों के परिवहन के संदेह में पोतों के खिलाफ कई सैन्य हमले किए हैं। अमेरिकी नौसेना ने एक बयान जारी कर यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड और अन्य युद्धपोतों की तैनाती की घोषणा की। अमेरिकी प्रशासन इसे मादक पदार्थ के खिलाफ अभियान के लिए महत्वपूर्ण मानता है लेकिन इसे मादुरो के विरुद्ध दबाव बढ़ाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप से रविवार को पूछा गया कि उनकी इस बात का क्या मतलब है कि मादुरो बातचीत करना चाहते हैं तो उन्होंने कहा कि इसका क्या मतलब है? आप ही बताइए, मुझे नहीं पता। अमेरिका के 'ऑपरेशन सदर्न स्पीयर' मिशन के तहत नौसेना के लगभग एक दर्जन पोत और लगभग 12,000 नाविक और मरीन क्षेत्र में तैनात किए गए हैं।

हम इसमें ईरान को भी शामिल कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है जो दुनिया में सबसे अधिक शुल्कों में से एक है। इसमें रूसी तेल की खरीद को लेकर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। सांसद लिंडसे ग्राहम द्वारा पेश किए गए एक विधेयक में रूसी तेल की द्वितीयक खरीद और पुनः बिक्री पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव है।

कोर्ट का फैसला पक्षपातपूर्ण व राजनीति से प्रेरित : शेख हसीना

- बांग्लादेश अपराध न्यायाधिकरण ने सुनाई है मौत की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को उनके देश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) द्वारा उन्हें मौत की सजा सुनाए जाने के फैसले की निंदा करते हुए इसे पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया। हसीना ने न्यायाधिकरण के फैसले के बाद जारी एक बयान में कहा न्यायाधिकरण में धांधली की गई थी और इसे बिना किसी लोकतांत्रिक जनादेश वाली अनिर्वाचित सरकार द्वारा चलाया जा रहा था।

मेरे खिलाफ सुनाए गए फैसले एक धांधली वाले न्यायाधिकरण के हैं और पक्षपातपूर्ण तथा राजनीति से प्रेरित हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश की घरेलू युद्ध अपराध अदालत, अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने पिछले साल सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर कार्रवाई के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई है और इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया है। मानवता के खिलाफ विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराई गईं हसीना पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया और वह फिलहाल भारत में निर्वासन में हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने स्थिति पर नियंत्रण खो दिया है लेकिन जो हुआ उसे नागरिकों पर पूर्व-नियोजित हमला नहीं कहा जा सकता। निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के तहत मुकदमे का सामना करने की अपनी इच्छा दोहराते हुए उन्होंने कहा, मैं अपने आरोपों का सामना उचित न्यायाधिकरण में करने से नहीं डरती जहां सबूतों का निष्पक्ष रूप से मूल्यांकन और परीक्षण किया जा सकता है। बांग्लादेश अवामी लीग की नेता ने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार ने अवामी लीग को एक राजनीतिक ताकत के रूप में निष्प्रभावी करने के लिए मौत की सजा को एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। हसीना को सजा सुनाए जाने के बाद उनके समर्थकों ने राजधानी ढाका में विरोध प्रदर्शन किया

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के बाद राजधानी ढाका में सुरक्षा के लिए तैनात सैन्य बल।

संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक से की अपील

हसीना ने अंतर्राष्ट्रीय मीडिया को दिए कई साक्षात्कारों में सभी आरोपों का खंडन किया और बताया कि प्रदर्शनकारियों को मारने के लिए इस्तेमाल की गई गोलियों की क्षमता बांग्लादेश पुलिस द्वारा इस्तेमाल की गई गोलियों से अलग थी। कई विश्लेषकों ने संकेत दिया है कि ये गोलियां स्नाइपर्स द्वारा चलाई गई हो सकती हैं। हसीना की कानूनी टीम ने निष्पक्ष सुनवाई के अधिकारों और उचित प्रक्रिया के अभाव को लेकर गंभीर चिंताओं का हवाला देते हुए न्यायेतर, मनमाने ढंग से की गई फांसी के मामलों में संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक से अपील की है।

टाइम्स स्क्वायर पर दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- प्रवासी भारतीय समुदाय ने मनाया साड़ी गोज ग्लोबल जश्न

न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर में भारतीय प्रवासी समुदाय और अन्य देशों की महिलाओं ने एक विशेष कार्यक्रम के दौरान साड़ी की खूबसूरती, विरासत, कलात्मकता और समुदाय के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण का जश्न मनाया। इस दौरान रंग-बिरंगी और विभिन्न शैलियों की साड़ियां इस लोकप्रिय स्थल पर छा गईं।

साड़ी गोज़ ग्लोबल कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का आयोजन रविवार को न्यूयॉर्क स्थित परोपकारी संगठन उमा ग्लोबल ने न्यूयॉर्क के भारतीय वाणिज्य दूतावास के सहयोग से किया।

उमा ग्लोबल द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस वर्ष के उत्सव में भारत, बांग्लादेश, ब्रिटेन, वेस्ट इंडीज, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका, अमेरिका के कई शहरों और स्थानीय न्यूयॉर्क निवासियों ने हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में काउंसलर (चांसरी प्रमुख) प्रज्ञा सिंह ने साड़ी के गहन सांस्कृतिक इतिहास और विविधता पर प्रकाश डाला।

यूक्रेन फ्रांस से 100 राफेल लड़ाकू विमान खरीदेगा

पेरिस। यूक्रेन ने फ्रांस से 100 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए अभिरुचि पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। पेरिस स्थित यूक्रेन के दूतावास और फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यालय ने बताया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने सोमवार को एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कहा गया है कि यूक्रेन राफेल विमानों सहित फ्रांसीसी रक्षा उपकरण खरीदने पर विचार कर रहा है।

भारत-चीन के बीच लंबे समय से जमी बर्फ पिघली

नई दिल्ली, एजेंसी

- सेना प्रमुख बोले-सीमा पर स्थिति में बड़ा बदलाव आया

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा है कि भारत और चीन के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर निरंतर बातचीत से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति में काफी सुधार हुआ है और लंबे समय से जमी बर्फ पिघली है। सेना प्रमुख ने कहा कि भारत और चीन की सेनाओं के बीच पिछले एक वर्ष में 1100 बार जमीनी स्तर पर बातचीत हुई है और इनके अच्छे परिणाम मिले हैं।

जनरल द्विवेदी ने सोमवार को यहां 'चाणक्य रक्षा संवाद' के उद्घाटन कार्यक्रम में सवालों के जवाब में कहा, मैं कहना चाहूँगा कि पिछले एक साल में काफ़ी प्रगति हुई है। अक्टूबर 2024 से लेकर आज तक हमारे संबंधों में काफ़ी सुधार हुआ है। यह सुधार इसलिए हुआ है क्योंकि हमने अपने राजनीतिक नेताओं के साथ काफ़ी बातचीत की है। और दोनों ही इस बात पर आश्वस्त थे कि हम वहां जितनी सामान्य स्थिति लाएंगे, दोनों देशों के लिए उतना ही बेहतर होगा।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि अगर आप देखें, तो पिछले एक साल में, हमने लगभग 1,100 ज़मीनी स्तर की बातचीत की है। यानी, हर दिन लगभग तीन बातचीत हुई हैं। तो इसका मतलब है कि ज़मीनी स्तर पर हमारी बातचीत, पहले सिर्फ़ कोर कमांडर स्तर पर होती थी। अब हम इसे बटालियन कमांडर, कंपनी कमांडर स्तर, और फिर ज़मीनी कमांडर तक ले आए हैं। तो इसका क्या फ़ायदा? कई चीज़ें ऐसी होती हैं कि अगर हम ऊपरी स्तर पर जाते हैं, तो हम मुश्किल में पड़ जाते हैं। लेकिन अगर हम निचले स्तर पर जाते हैं, तो उनका हमेशा समाधान हो जाता है। इसलिए हमारी कोशिश यही है कि हम इस मामले का बोझ न बनें। जितना हम ज़मीनी स्तर पर हल कर सकते हैं, उतना हम कर सकते हैं।" जनरल द्विवेदी ने कहा कि बातचीत की प्रवृत्ति से निचले स्तर पर ही समस्याओं का समाधान हो रहा है लेकिन बड़े फैसले अभी भी उच्च स्तर पर ही लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़े फैसले अभी भी हमारे उच्च स्तर पर लिए जाएंगे। तो सबसे बड़ी बात जो हो रही है, वह यह है कि हम ज़मीनी स्तर पर जो समाधान खोज रहे हैं, उसके साथ जो हुआ है, वह यह है कि दोनों पक्षों में बातचीत करने की प्रवृत्ति है। दोनों पक्षों, क्योंकि ऊपर से भी निर्देश हैं, कि बातचीत में, जितना हल हो सके, जितना समाधान मिल सके, उसे भी खोजने की कोशिश करें।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 18 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 07.12 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

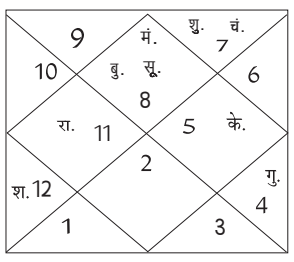

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-स्वाती पूर्ण रात्रि तक।

मेष — आज धार्मिक अनुष्ठानों में आप रुचि ले सकते हैं। किसी घटना को लेकर मन व्यथित हो सकता है। आप थोड़े नकारात्मक मूड में हो सकते हैं। बदहजमी और गैस की शिकायत हो सकती है। गरिष्ठ भोजन का सेवन न करें।

वृष — आज अपने मन की करें। युवाओं को नए करियर के अवसर मिलेंगे। राजनीतिक लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। दूसरों से अधिक सलाह न लें। मित्रों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर होंगे।

मिथुन — आज फाइनेंस संबंधी कार्यों को लेकर परेशानी होगी। महत्वपूर्ण पेपर्स को संभालकर रखें। रिश्तेदारों की चिंता हो सकती है। आपकी उपलब्धियों के कारण लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर चिंतित रहेंगे।

कर्क — आज आपके सभी कार्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। कमीशन संबंधी कार्यों से आपको लाभ प्राप्त होगा। समाज में आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। रुका हुआ धन आपको मिल सकता है।

सिंह — आज आपको यात्रा नहीं करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थलों पर जाने से बचें। किसी परिजन को लेकर चिंता रहेगी। गलत खानपान के कारण सेहत खराब हो सकती है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

कन्या — आज अटके हुए कार्यों को पूरा करने का तनाव रहेगा। अचानक पुराने मित्रों से मिलने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। आपकी सलाह से लोगों के काम बनेंगे।

तुला — आज आपको पहले किए गए कठिन परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा। बहुप्रतीक्षित कार्यों में आपको सफलता मिल सकती है। विरोधियों के बीच आपका सामर्थ्य बढ़ेगा। माता-पिता आपका मनोबल बढ़ाएंगे और आप से किसी महत्वपूर्ण विषय पर राय भी लेंगे।

वृश्चिक — आज पुराना लोन चुका सकते हैं। बिना मांगे किसी को राय देने से बचें। पिता को लेकर चिंता हो सकती है। अपना दृष्टिकोण सकारात्मक रखें। आपको सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी को दिया हुआ वचन पूरा करें।

धनु — आज दिनचर्या के प्रति लापरवाही न रखें। घर में अकेलापन और बोरियत जैसा महसूस हो सकता है। अधिक काम के कारण पैरों में दर्द हो सकता है। नकारात्मक लोगों की संगत से दूर रहें। मानसिक उदासीनता के कारण परेशान हो सकते हैं।

मकर — आज व्यवसाय में आपका मन लगेगा। जीवनसाथी के प्रति विश्वास बनाये रखें। किसी नए कार्य की योजना बना सकते हैं। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ने वाला है। आप छुट्टी के मूड में हो सकते हैं। आवश्यक कार्य समय से पूर्ण हो जाएंगे।

कुंभ — आज बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। ससुराल से मान-सम्मान प्राप्त होगा। सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन करें। परिजनों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। योजनाओं को उचित तरीके से क्रियान्वित करने का प्रयास करें।

मीन — आज नए व्यवसाय में आपका मन लगेगा। विद्यार्थियों को उन्नति के नए मार्ग मिलेंगे। आपकी बुद्धि और ज्ञान की प्रशंसा होगी। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। सेहत का ध्यान रखें, क्योंकि सर्दी की समस्या हो सकती है।

सुडोकू-164

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

					1		3	
		4						
				7				
								1
2								
					2			
			7					
							6	
	5							

सुडोकू - 163 का हल

9	7	1	2	3	4	8	5	6
6	3	5	1	9	8	2	4	7
2	8	4	6	5	7	9	3	1
1	2	3	4	6	9	5	7	8
4	9	7	5	8	1	6	2	3
8	5	6	3	7	2	1	9	4
7	1	2	9	4	6	3	8	5
5	6	8	7	2	3	4	1	9
3	4	9	8	1	5	7	6	2

घरेलू मैदान पर हर कोई भारत से जीत की उम्मीद करता है। शुभमन गिल पर काफी अधिक दबाव है। वह में सभी प्रारूपों का कप्तान बनने की क्षमता है लेकिन मुझे नहीं लगता कि भारत के पास अब सभी प्रारूपों में एक अलग कप्तान होना चाहिए।

-अभिनव मुकुंद

स्टेडियम

कानपुर नगर, मंगलवार 18 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

प्रधानमंत्री ने तीरंदाजी टीम की तारीफ की

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एशियाई तीरंदाजी चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये भारतीय तीरंदाजी टीम को बधाई दी। मोदी ने एक्स पर लिखा कि भारतीय टीम ने छह स्वर्ण समेत दस पदक जीते और रिकर्व पुरूष वर्ग में 18 साल बाद ऐतिहासिक स्वर्ण जीता। उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस यादगार प्रदर्शन से देश भर में अनगिनत उदीयमान खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी।

एयर पिस्टल में अनुया प्रसाद ने स्वर्ण जीता

नई दिल्ली : युवा अनुया प्रसाद और प्रांजलि प्रशांत धूमल ने टोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक में सोमवार को महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक हासिल किया। अनुया ने अपने जन्मदिन पर बधिर फाइनल विश्व रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया जबकि प्रांजलि ने क्वालीफिकेशन में विश्व रिकॉर्ड तोड़कर फाइनल में जगह बनाई थी। पुरुषों की दस मीटर एयर पिस्टल में अभिनव देशवाल ने क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की और रजत पदक जीता। भारत के दूसरे दिन निशानेबाजी में सात पदक हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन आज से

सिडनी : भारत की शीर्ष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार से सिडनी में शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में वापसी करते हुए इस सीजन का अपना पहला खिताब जीतने मैदान में उतरेंगे। पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में सातवें स्थान पर मौजूद सात्विक और चिराग बीडब्ल्यूएफ 2025 वर्ल्ड टूर में अपने 14 मुकाबलों में से आठ में सेमीफाइनल तक पहुंचे, लेकिन इस सीजन में अपने किसी भी अच्छे प्रदर्शन को खिताब में नहीं बदल पाए हैं। भारतीय जोड़ी ने साल की शुरुआत में हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई थी, पर दोनों ही मौकों पर उन्हें उपविजेता से संतोष करना पड़ा था।

कोलकाता में हार के बाद उठे सवाल

क्या घरेलू पिच को लेकर एकमत हैं शुभमन और गंभीर? गिल बोले थे- टीम 'टर्निंग' नहीं, अच्छी पिच चाहती है

कोलकाता, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में 30 रन से भारत की शर्मनाक हार के बाद उपजे पिच विवाद के बीच बड़ा सवाल यह है कि युवा कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर क्या आदर्श घरेलू पिच को लेकर एक राय हैं? लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के अपनी सरजमीं पर न्यूनतम स्कोर पर सिमटने के बाद कई सवाल उठने लगे हैं।

एक महीना पहले ही अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले गिल ने कहा था कि टीम अब 'टर्निंग' नहीं बल्कि अच्छी पिच पर खेलना चाहती है। उन्होंने कहा था हम ऐसी पिचों पर खेलना चाहते हैं जिनसे गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को मदद मिले। इसके बावजूद भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट ऐसी पिच पर खेला जो उसके ठीक विपरीत थी जिसकी कप्तान गिल ने पैरवी की थी।

ईडन गार्डंस की पिच पर एक सप्ताह से अधिक पानी नहीं दिया गया था और कवर के भीतर रखी गई थी। पिच पूरी तरह से सूखी थी और पहले ही सत्र से टूटने लगी थी।

कोलकाता टेस्ट से पहले कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल ने किया था पिच का निरीक्षण। फाइल फोटो

इस पिच पर 38 विकेट गिरे जिनमे स्पिनरों ने 22 और तेज गेंदबाजों ने 16 विकेट लिए।

गंभीर ने हालांकि मैच के बाद कहा था कि पिच वैसी ही थी जैसी टीम प्रबंधन ने चाही थी। उन्होंने कहा अगर आप अच्छा नहीं खेलते तो क्या होगा। विकेट में कोई खराबी नहीं थी। अगर हम जीत गए होते तो पिच पर सवाल ही नहीं उठते। कप्तान गिल पहले ही दिन गर्दन में ऐंठन के कारण बाहर हो गए थे जिनकी गैर मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी में अनुशासन नजर नहीं आया। भारत ने अपनी सरजमीं पर पिछले छह में से चार टेस्ट गंवाये हैं जिससे अपनी धरती पर अजेय रहने की उसकी छवि को ठेस पहुंची है।

गंभीर के कोच रहते भारत ने 18 में से आठ टेस्ट जीते हैं जिनमे से चार बांग्लादेश और वेस्टइंडीज जैसी कमजोर टीमों के खिलाफ जीते। भारतीय टीम के कोलकाता आने के बाद से पिच पर फोकस बना हुआ था। क्यूरेटर सुजन मुखर्जी से लगातार बैठकें होती रही। आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2001 में हुए मैच में लक्ष्मण. द्रविड़ . के चमत्कारिक प्रदर्शन के साक्षी रहे ईडन की पिच पर हरभजन सिंह भी भड़के हुए हैं।

चेतेश्वर पुजारा ने टीम के बदलाव के दौर से गुजरने की बात को खारिज करते हुए कहा अपने देश में हार स्वीकार्य नहीं है। बदलाव का दौर हो या नहीं।

गिल का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

कोलकाता : भारतीय कप्तान शुभमन गिल का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के सूत्रों ने पुष्टि की कि वह बुधवार को टीम के साथ गुवाहाटी नहीं जाएंगे। टीम का मंगलवार को वैकल्पिक ट्रेनिंग सत्र होगा। सूत्र ने पीटीआई से कहा उन्हें गर्दन में तेज दर्द है और हमें चोट के बारे में और विस्तार से बताने की अनुमति नहीं है। उन्हें गर्दन का कॉलर पहनना जारी रखना होगा। सूत्र ने कहा उन्हें तीन-चार दिन आराम करने और हवाई यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई है। इस स्थिति में उन्हें गुवाहाटी जाने की सलाह नहीं दी गई है। लेकिन हम उनकी प्रगति पर नजर रख रहे हैं और मंगलवार तक तस्वीर साफ हो जाएगी। भारतीय टीम को शनिवार से शुरू हो रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट के लिए बुधवार को गुवाहाटी रवाना होना है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि गिल की अब भी जांच की जा रही है और फिजियो तथा मेडिकल स्टाफ द्वारा एक और दौर का मूल्यांकन किया जाना है।

टेस्ट क्रिकेट को बर्बाद किया जा रहा: हरभजन

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्व स्पिनर ने गेंदबाजों के लिए अत्यधिक अनुकूल पिच तैयार करने को विनाशकारी बताया

भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ईडन गार्डंस जैसी कम तैयार और गेंदबाजों के लिए अत्यधिक अनुकूल पिच को 'टेस्ट क्रिकेट का विनाश' करार देते हुए कहा कि इस तरह की स्थिति खिलाड़ियों के वास्तविक विकास में बाधा डालती है। हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। टेस्ट क्रिकेट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

उन्होंने कहा उन्होंने जिस तरह का काम किया है, जिस तरह की पिचें इतने वर्षों से बनाई जा रही हैं, मैं उसे देखता आ रहा हूं। कोई इसके बारे में बात नहीं करता क्योंकि जब टीम जीत रही होती है तो सब ठीक लगता है। कोई विकेट ले रहा होता है और कोई विकेट लेकर महान बन रहा है। उन्होंने कहा ऐसे में सबको लगता है कि सब ठीक चल रहा है। यह चलन अभी से शुरू नहीं हुआ है। यह कई सालों से चला आ रहा है, और मुझे लगता है कि यह खेलने का गलत तरीका है। इस मैदान पर 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत के दौरान 13 विकेट झटकने वाले हरभजन ने कहा कि अब इस मुद्दे पर विचार करने का समय आ गया है क्योंकि ऐसी पिचें खिलाड़ियों के विकास में योगदान नहीं देतीं। उन्होंने कहा आप किसी भी तरह से आगे नहीं बढ़ रहे हैं, आप बस चक्की में बंधे बैल की तरह चक्कर लगा रहे हैं। आप जीत तो रहे हैं, लेकिन कोई वास्तविक लाभ नहीं है। एक क्रिकेटर के रूप में, आप आगे नहीं बढ़ रहे हैं।

भारत के लिए 103 टेस्ट में 417 विकेट लेने वाले हरभजन ने कहा यह इस बात पर विचार करने का समय है कि ऐसी पिचें आपको कहां लेकर जा रही है। यहां आपके बल्लेबाजों को यह नहीं पता होता है कि रन कैसे बनाने है और वह ऐसे दिख रहे हैं जैसे उन्हें बल्लेबाजी करना ही नहीं आता।

उत्तर प्रदेश के सामने तमिलनाडु की कड़ी चुनौती

चेन्नई, एजेंसी

नवोदित जी अजितेश ने तेज तर्रार 86 रनों की पारी की बदौलत तमिलनाडु ने एलीट ग्रुप ए रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के दूसरे दिन सोमवार को 455 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

दिन का खेल समाप्त होने के समय उत्तर प्रदेश ने अभिषेक गोस्वामी (नाबाद 54) की अर्धशतकीय पारी के दम पर एक विकेट पर 87 रन बना लिए है। तमिलनाडु ने कल के पांच विकेट पर 282 रन से आगे खेला शुरु किया। कल के शतकवीर बाबा इंद्रजीत ने दूसरे दिन सुबह के सत्र में केवल 21 रन जोड़े, लेकिन उनके आउट होने से पहले अजितेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 86 रन बनाये और तमिलनाडु की टीम 136.3 ओवर में 455 रन पर ऑल आउट हो गई। इससे पहले आज सुबह के सत्र में इंद्रजीत के साथ आए सोनू यादव ने अपने वरिष्ठ साथी का शानदार साथ दिया और दोनों ने छठे विकेट के लिए 10वें ओवर में 49 रन जोड़े। हालांकि,

सिद्धेश लाड के 170 रन के बाद शार्दुल के तीन विकेट से मुंबई ने पुडुचेरी पर कसा शिकंजा

मुंबई : सिद्धेश लाड की करियर की सर्वश्रेष्ठ 170 रन की पारी के बाद कप्तान शार्दुल ठाकुर के तीन विकेट से मुंबई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच के दूसरे दिन सोमवार को यहां पहली पारी पांच विकेट पर 630 रन पर घोषित करने के बाद 43 रन तक पुडुचेरी के चार विकेट चटकाकर दबदबा कायम किया। ठाकुर ने 32 गेंद में 56 रन (रिटायर हार्ट) की आक्रामक पारी खेलने के बाद पुडुचेरी की पारी के शुरुआती तीन गेंद में दो विकेट झटके और दिन का खेल खत्म होते समय उनका आंकड़ा 17 रन पर तीन विकेट था।

- रणजी ट्रॉफी के ग्रुप ए में 455 रनों के जवाब में उप्र ने एक विकेट पर बनाए 87 रन

जब उनकी साझेदारी ने गति पकड़नी शुरू की, तो 128 रन पर खेल रहे इंद्रजीत, नवोदित बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिक यादव की गेंद पर आउट हो गए। कार्तिक यादव ने पांच विकेट लिए। इस दौरान इंद्रजीत ने अब प्रथम श्रेणी क्रिकेट में छह हजार रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 88 मैचों की 132 पारियों में हासिल की है, जिसमें 17 शतक और 31 अर्द्धशतक शामिल हैं, जिनमें उनका सर्वश्रेष्ठ 200 रन रहा है।

मार्करम ने टीम में बनाए रखने के लिए एलएसजी का जताया आभार

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम का मानना है कि आईपीएल टीम लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को चीजों को ज्यादा जटिल बनाने की जरूरत नहीं है और उन्हें अगले साल अहम मौकों को भुना कर जीत हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एलएसजी ने अगले महीने होने वाली छोटी नीलामी से पहले दाएं हाथ के बल्लेबाज मारक्रम को टीम में बरकरार किया है।

मार्करम ने 2025 सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों सहित 445 रन बनाए थे। उन्होंने ने एलएसजी के 'एक्स' पर साझा किये गये वीडियो में कहा यह बहुत अच्छा है। मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रेंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने कुछ अच्छे दोस्त बनाये और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। ऐसे में मैं रिटेन किए जाने के लिए बहुत आभारी हूं और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र का इंतजार कर रहा हूं। एलएसजी पिछले सत्र में छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रही थी।

मार्करम ने अगले सत्र की योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वाकई अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि पिछले सत्र में हम बहुत पीछे थे। हम अगर कुछ अहम मौके को भुनाने में सफल रहते तो नतीजे अलग होते। उन्होंने कहा हम नॉकआउट में जगह बनाने के काफी करीब थे। मुझे लगता है कि हमने जो अच्छा किया है, उसे दोहराने की कोशिश करनी चाहिए और कुछ और मुश्किल मौकों को अपने पक्ष में करना चाहिये। मार्करम टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर आई द. अफ्रीका टीम का हिस्सा है।

राजस्थान रॉयल्स ने संगकारा को फिर से कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली : भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच पद से हटने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा को 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपना मुख्य कोच नियुक्त किया। द्रविड़ ने इस साल अगस्त में फ्रेंचाइजी छोड़ दी थी। संगकारा 2021 से फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक रहे हैं। वह 2021 से 2024 तक मुख्य कोच की भूमिका भी निभा रहे थे। राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर पोस्ट किया क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा आईपीएल 2026 के लिए मुख्य कोच के रूप में भी कार्यभार संभालेंगे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ का कार्यकाल अचानक समाप्त हो गया, जो 2025 में लंबी अवधि के अनुबंध के साथ फ्रेंचाइज़ी में लौटे थे। टी20 विश्व कप विजेता पूर्व राष्ट्रीय कोच ने इस साल की शुरुआत में टीम के खराब प्रदर्शन की संरचनात्मक समीक्षा के बाद पद छोड़ दिया। राजस्थान रॉयल्स का पिछले सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा था तथा उसकी टीम 10 टीमों के इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में से केवल चार जीत के साथ नौवें स्थान पर रही थी।

सिनर उपाधि बचाने में सफल

एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के खिताब के साथ इटली के यानिक सिनर(दाएं) व स्पेन के कार्लोस अल्काराज। एजेंसी

तूरिन, एजेंसी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपने चिर प्रतिद्वंदी और विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज कार्लोस अल्काराज को 7-6 (4), 7-5 से हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब बरकरार रखा।

यह इस साल पुरुष टेनिस में दबदबा बनाए रखने वाले इन दोनों खिलाड़ियों के बीच छठी भिड़ंत थी। इटली के सिनर ने अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने खिताब का बचाव किया, जो इस वर्ष अल्काराज पर उनकी दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने विंबलडन फाइनल में भी इस स्पेनिश खिलाड़ी को हराया था। इस साल दो ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सिनर ने कहा, ''यह सत्र अविश्वसनीय रहा। इटली के अपने प्रशंसकों के सामने इस तरह से इसे समाप्त करना मेरे लिए बहुत ख़ास है। अल्काराज़ ने पहले ही वर्ष के अंत में नंबर एक रैंकिंग अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। वह वर्ष के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच खेली गई इस प्रतियोगिता में अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। अल्काराज अभी भी सिनर के साथ अपने करियर मुकाबलों में 10-6 से आगे हैं। सिनर और अल्काराज़ पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फ़ाइनल में आमने-सामने रहे हैं।

- एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में अल्काराज को हराया

मुझे उम्मीद है कि आप (सिनर) अगले साल के लिए तैयार रहोगे क्योंकि मैं आपके खिलाफ और अधिक फाइनल खेलने के लिए तैयार रहूंगा।

-कार्लोस अल्काराज़

अल्काराज़ ने सिनर को पांचवें सेट के टाईब्रेकर में हराकर फ्रेंच ओपन जीता। सिनर ने विंबलडन में बदला चुकता किया लेकिन अल्काराज़ अमेरिकी ओपन के फाइनल में फिर से जीत हासिल करने में सफल रहे। इस बीच युगल फाइनल में हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटन ने जो सैलिसबरी और नील स्कुप्स्की को 7-5, 6-3 से हराया।

पुर्तगाल और नार्वे ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

लिस्बन, एजेंसी

पुर्तगाल और नार्वे ने आसान जीत के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप 2026 में रिकॉर्ड 48 टीमें भाग लेंगी।

पुर्तगाल ने अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अनुपस्थिति के बावजूद आर्मेनिया को 9-1 से हराकर इस दिग्गज फुटबॉलर को रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप में खेलने का मौका दिलाया। रोनाल्डो निलंबन के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए थे। नॉर्वे ने चार बार के विश्व कप चैंपियन इटली को 4-1 से हराया। यह नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी एर्लिंग हॉलैंड का पहला विश्व कप होगा। कुल 43 टीमें महाद्वीपीय क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों के जरिए विश्व कप में जगह बनाएंगी। अन्य दो टीमें मार्च में मैक्सिको में होने वाले छह टीमों वाले अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ़ से अपनी जगह पक्की करेंगी। तीनों मेज़बान देश स्वतः ही विश्व कप में अपनी जगह सुरक्षित कर चुके हैं।

जीत के बाद जश्न मनाते नार्वे के खिलाड़ी। एजेंसी

फिडे विश्व कप में अर्जुन ने ड्रॉ खेला

पणजी। अगले साल कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई करने की कोशिश में जुटे भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी ने फिडे शतरंज विश्व कप के क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में चीन के वेइ यि से ड्रॉ खेला। वहीं जर्मनी के अलेक्जेंडर डोंचेंको के लिये मुश्किलें खड़ी होती दिख रही है क्योंकि नोदिरबेक याकूबोएव ने सफेद मोहरों से पहला मुकाबला जीता।

अगर वह दूसरा मुकाबला ड्रॉ कराते हैं तो सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे। अर्जुन ने शुरूआत अच्छी की और लय बनाए रखी। दोनों खिलाड़ियों ने 31 चालों के बाद ड्रॉ पर सहमति जताई। उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने मैक्सिको के जोस एडुआर्डो मार्तिनेज से ड्रॉ खेला। वहीं अमेरिका के सैमुअल शैंकलैंड और रूस के आंद्रेइ एसिपेंको का मुकाबला भी ड्रॉ रहा।

विश्व निशानेबाजी | 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में जीता रजत पदक, भारत तीसरे स्थान पर रहा

गुरप्रीत वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड चूके

काहिरा, एजेंसी

ओलंपियन गुरप्रीत सिंह पुरुषों की 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में विश्व चैंपियन बनने के बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन यहां ओलंपिक निशानेबाजी रेंज में यूक्रेन के पावलो कोरोस्टाइलोव से इनर 10 (10 अंक का अंदरूनी हिस्सा) के अधार पर हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह विश्व चैंपियनशिप में गुरप्रीत का दूसरा व्यक्तिगत पदक है। उन्होंने इससे पहले 2018 में चांगवोन में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में ही रजत पदक जीत था।

भारत तीन स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य सहित कुल 13 पदक के साथ चीन और दक्षिण कोरिया के बाद तीसरे स्थान पर रहा। चीन ने 12 स्वर्ण, सात रजत और दो कांस्य पदक सहित कुल 21 पदक

जीते। दक्षिण कोरिया ने सात स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक से दूसरा स्थान हासिल किया। गुरप्रीत ने दो दिन की प्रतियोगिता में प्रिसिजन और रेपिड चरणों में कुल 584 अंक जुटाए जिसमें 18 निशाने 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में रहे। कोरोस्टाइलोव ने 29 निशाने 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में मारे। उन्होंने अंतिम रेपिड दौर में 100 का परफेक्ट स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता। गुरप्रीत प्रिसिजन चरण के बाद 288 अंक (95,97,96) के साथ नौवें स्थान पर थे लेकिन दूसरे दिन वापसी करते हुए रेपिड चरण में 296 (98,99,99) का शानदार स्कोर बनाकर रजत पदक जीता। प्रिसिजन चरण के बाद 291 अंक के साथ शीर्ष रह मौजूद रहे यूक्रेन के निशानेबाज ने रेपिड चरण में 293 अंक हासिल करके गुरप्रीत के स्कोर की बराबरी की और 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में अधिक निशाने लगाकर खिताब जीता। प्रिसिजन चरण में हरप्रीत सिंह 291 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए पदक की दौड़ में थे लेकिन रेपिड चरण में 286 अंक ही बना पाए और नौवें स्थान पर रहे। एक अन्य भारतीय निशानेबाज साहिल चौधरी कुल 561 अंक (प्रिसिजन - 272 और रेपिड - 289) के कुल स्कोर के साथ 28वें स्थान पर रहे।

सम्राट, रविंदर ने जीता स्वर्ण पदक

भारत के लिए सम्राट राणा (10 मीटर एयर पिस्टल) और रविंदर सिंह (50 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल टीम) ने स्वर्ण पदक जीते। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन पुरुष), अनीश भानवाला (25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल), गुरप्रीत सिंह (25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल), ईशा सिंह और सम्राट राणा (10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम, 10 मीटर महिला एयर पिस्टल टीम और 50 मीटर पुरुष स्टैंडर्ड पिस्टल टीम) ने रजत पदक हासिल किए। ईशा (25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल), इलावेनिल वलारिवान (10 मीटर एयर राइफल), वरुण तोमर (10 मीटर एयर पिस्टल) ने लिए कांस्य जीते।